3 | राजधानी
भाजपा ने महारैली को फ्लाप शो बताया

6 | अभिमत
भारत में हरित ऊर्जा क्रांति

11 | विदेश
ट्रंप और बाइडन के खेमे में वार-पलटवार

12 | स्पोर्ट्स
टाइटंस ने सनराइजर्स को सात विकेट से हराया

RNI NO.DELHIN/2012/48369
वर्ष 12 अंक 144
नई दिल्ली, सोमवार, 1 अप्रैल, 2024
पृष्ठ 12 मूल्य ₹ 3
नगर संस्करण

नई दिल्ली, लखनऊ, रायपुर और फरीदाबाद से प्रकाशित

पायनियर

www.dailypioneer.com

कच्चातिवु मुद्दे पर झूठ फैलाना बंद करे द्रमुक

राष्ट्रीय-10

इंडिया गठबंधन ने रैली में दिखाई एकजुटता

सौम्या शुक्ला। नई दिल्ली

नई दिल्ली के रामलीला मैदान में इंडिया गठबंधन की लोकतंत्र बचाओ रैली को संबोधित करतीं कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी। *चित्रः रंजन डिमरी*

लोकसभा चुनाव से पहले विपक्ष की ताकत दिखाने के लिए इंडिया ब्लॉक रविवार को दिल्ली के ऐतिहासिक रामलीला मैदान में इकट्ठा हुआ, कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर चुनाव में मैच फिक्सिंग का आरोप लगाया और कहा कि अगर भाजपा सफल होती है अपने प्रयासों में तो देश के संविधान को बदल दिया जाएगा और लोगों के अधिकारों को छीन लिया जाएगा। कांग्रेस की प्रियंका गांधी वाड्रा ने चुनाव आयोग को विपक्ष की पांच मांगें सूचीबद्ध कीं जिनमें चुनाव से पहले समान अवसर का प्रावधान शामिल था। इस पांच मांगों में दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और झारखंड के पूर्व सीएम हेमंत सोरेन की रिहाई भी थी। गठबंधन ने सुप्रीम कोर्ट की निगरानी वाली विशेष जांच टीम से चुनावी बांड योजना के माध्यम से भाजपा द्वारा धन की 'जबरन वसूली' की जांच कराने की भी मांग की। राहुल ने रामलीला मैदान में लोकतंत्र बचाओ रैली के दौरान जनता को संबोधित करते हुए चल रहे आईपीएल क्रिकेट मैचों की उपमा दी। उन्होंने कहा, आईपीएल मैच आज आयोजित किए जा रहे हैं। जब अंपायरों पर दबाव डाला जाता है, खिलाड़ियों को खरीदा जाता है और कप्तानों को मैच जीतने की धमकी दी जाती है, तो इसे क्रिकेट में मैच फिक्सिंग कहा जाता है। हमारे सामने लोकसभा चुनाव हैं; अंपायरों को पीएम मोदी ने चुना है।

केजरीवाल और झारखंड के पूर्व सीएम हेमंत सोरेन की गिरफ्तारी का जिक्र करते हुए कांग्रेस नेता ने कहा, मैच से पहले हमारी टीम के दो खिलाड़ियों को गिरफ्तार किया गया है। उन्होंने कहा, 'यह चुनाव – जिसमें नरेंद्र मोदी ने अंपायरों को चुना – उनका 400 सीटों का नारा ईवीएम को ठीक किए बिना, मीडिया और सोशल मीडिया पर दबाव डाले बिना संभव नहीं है।' लोकसभा चुनाव से पहले विपक्ष की ताकत दिखाने के लिए भारत के शीर्ष नेता रामलीला मैदान में एकत्र हुए और गिरफ्तार दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और झारखंड के पूर्व सीएम हेमंत सोरेन के साथ एकजुटता व्यक्त की। उन्होंने लोगों से लोकतंत्र और संविधान को बचाने के लिए लोकसभा चुनाव में भाजपा को वोट देने का आग्रह किया। लोकतंत्र बचाओ रैली में मंच पर मौजूद नेताओं में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, पूर्व अध्यक्ष सोनिया और राहुल गांधी शामिल थे; एनसीपी के शरद यादव, एनसी नेता फारूक अब्दुल्ला, शिव सेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे; वामपंथी नेता सीताराम येचुरी, डी राजा, दीपांकर भट्टाचार्य; सपा प्रमुख अखिलेश यादव; राजद के तेजस्वी यादव और टीएमसी के डेरेक ओ ब्रायन शामिल थे।

मुख्यमंत्री केजरीवाल की पत्नी सुनीता केजरीवाल और झामुमो नेता हेमंत सोरेन की पत्नी कल्पना सोरेन ने भी सभा को संबोधित किया और भ्रष्टाचार के मामलों में अपने पतियों की गिरफ्तारी पर केंद्र सरकार की आलोचना की। सुनीता केजरीवाल ने अपने पति का एक पत्र पढ़ा, जिसके बारे में उन्होंने कहा कि उन्होंने (केजरीवाल) प्रवर्तन निदेशालय की हिरासत से भेजा था। रैली को संबोधित करते हुए पूर्व कांग्रेस प्रमुख ने कहा कि यह कोई सामान्य चुनाव नहीं बल्कि देश के लोकतंत्र और संविधान को बचाने का चुनाव है। राहुल ने कहा, जब अंपायरों और कप्तानों पर दबाव डाला जाता है, खिलाड़ियों को खरीद लिया जाता है और मैच जीत लिया जाता है, क्रिकेट में इसे मैच फिक्सिंग कहा जाता है। हमारे सामने लोकसभा चुनाव हैं। उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा, अंपायरों का चयन किसने किया? मैच शुरू होने से पहले, दो खिलाड़ी गिरफ्तार किए गए...नरेंद्र मोदी इन चुनावों में मैच फिक्सिंग करने की कोशिश कर रहे हैं। राहुल ने दावा किया कि भाजपा 400 सीटें हासिल करने का नारा लगा रही है, लेकिन ईवीएम, मैच फिक्सिंग, विपक्षी नेताओं पर दबाव और मीडिया को खरीदे बिना वह 180 सीटें भी पार नहीं कर पाएंगी।

राहुल ने कहा कि कांग्रेस सबसे बड़ी विपक्षी पार्टी है और उसके सभी खाते फ्रीज कर दिए गए हैं। कांग्रेस नेता ने आरोप लगाया, दो मुख्यमंत्रियों को गिरफ्तार किया गया। यह कैसा चुनाव है। उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा, पीएम मोदी तीन-चार अरबपतियों के साथ मिलकर मैच फिक्सिंग कर रहे हैं। यह गरीबों से (शेष पेज 9)

भाजपा ने विपक्ष की कवायद पर कसा तंज

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

भाजपा प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी।

भाजपा ने रविवार को रामलीला मैदान में विपक्षी इंडिया ब्लॉक की रैली की आलोचना करते हुए कहा कि यह लोकतंत्र बचाओ रैली नहीं है, जैसा कि अनुमान लगाया गया है, बल्कि यह परिवार बचाओ और भ्रष्टाचार छुपाओ रैली है। भाजपा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ 'मैच फिक्सिंग' के आरोप को लेकर राहुल गांधी पर भी पलटवार किया और आरोप लगाया कि अतीत में कांग्रेस सरकार ने पार्टी को फायदा पहुंचाने के लिए पड़ोसी देश के साथ सौदा करके श्रीलंका को कच्चातीवू द्वीप सौंप दिया था।

भाजपा प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने कहा, ये पार्टियाँ पूरी तरह से भ्रष्टाचार में डूबी हुई हैं। वे पारिवारिक जागीर द्वारा नियंत्रित होते हैं और उनकी राजनीति की मूल कार्यप्रणाली सांप्रदायिक, क्षेत्रीय, भाषाई विभाजन और जाति विभाजन पैदा करना है। वे सत्ता छीनने की कोशिश करते हैं और फिर अपने परिवार के हित के लिए अपना खजाना भरते हैं। अब वे लोकतंत्र बचाओ का हौवा खड़ा करने की कोशिश कर रहे हैं। यह परिवार बचाओ और भ्रष्टाचार छुपाओ है।

त्रिवेदी ने कांग्रेस, द्रमुक और राजद सहित कई नेताओं के भ्रष्टाचार के मामलों का हवाला देते हुए दावा किया कि ये सभी आरोप 2014 से पहले के हैं, जबकि विपक्ष का आरोप है कि मोदी सरकार अपने राजनीतिक प्रतिशोध के लिए उन्हें भ्रष्टाचार की जांच में फंसा रही है। त्रिवेदी ने कहा कि रामलीला मैदान ने एक बार अन्ना हजारे के नेतृत्व में भ्रष्टाचार के खिलाफ भारत आंदोलन की मेजबानी की थी, उन्होंने कहा कि यह रविवार को भ्रष्टाचार से ग्रस्त हर व्यक्ति के लिए एक रैली की मेजबानी कर रहा है।

आम आदमी पार्टी और कांग्रेस पर परोक्ष रूप से कटाक्ष करते हुए सुधांशु त्रिवेदी ने कहा कि इंडिया गुट परिवार को बचाने और भ्रष्टाचार को छुपाने की कोशिश कर रहा है। उन्होंने कहा, और एक ही पंख के ये पक्षी अपनी पारिवारिक जागीर और भ्रष्टाचार की रक्षा के लिए एक साथ आए हैं। त्रिवेदी ने दावा किया कि इंडिया ब्लॉक की सभी पार्टियां राम मंदिर के खिलाफ हैं। उन्होंने कहा, आज यह कहा जा सकता है कि ये सभी दल जो राम मंदिर के विरोधी थे, जिन्होंने हिंदू धर्म के सामूहिक विनाश जैसे संकल्प लिए थे, हिंदू धर्म के देवी-देवताओं पर कई आपत्तिजनक टिप्पणियाँ की थीं, वे सभी अपने पुराने अपराधों को छिपाने के लिए इसका इस्तेमाल कर रहे हैं।उन्होंने अन्य विपक्षी दलों के साथ आम आदमी पार्टी के एक साथ आने के स्पष्ट संदर्भ में कहा, जिन लोगों ने कई नेताओं को चोर और बदमाश कहकर खारिज कर दिया था, उन्होंने उनसे हाथ मिला लिया है और यह एक अजीब और चौंकाने वाला दृश्य है। उन्होंने कहा, उनके नेता अब लालू प्रसाद यादव हैं, जो भ्रष्टाचार के कई मामलों में दोषी हैं। उन्होंने आरोप लगाया, वे सभी अपने पुराने पापों को छिपाने के लिए यहां आए हैं और यह ध्यान दिया जाना चाहिए कि वे राम मंदिर के निर्माण के खिलाफ थे और उनमें से कुछ ने हिंदू धर्म के उन्मूलन का आह्वान किया था। यहां एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए, भाजपा (शेष पेज 9)

राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू वरिष्ठ भाजपा नेता एलके आडवाणी को भारत रत्न से सम्मानित करतीं हुईं

वरिष्ठ नेता आडवाणी को भारत रत्न

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने रविवार को भाजपा के दिग्गज नेता और पूर्व उपप्रधानमंत्री लालकृष्ण आडवाणी को उनके आवास पर देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मान भारत रत्न से सम्मानित किया। राष्ट्रपति भवन ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़, प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, गृह मंत्री अमित शाह और आडवाणी के परिवार के सदस्यों ने समारोह में भाग लिया। राष्ट्रपति द्वारा सम्मानित किए जाने के दौरान प्रधानमंत्री मोदी आडवाणी के बगल में बैठे थे। मोदी ने एक्स पर कहा कि आडवाणी को भारत रत्न से सम्मानित होते देखना बहुत खास था और यह सम्मान देश की प्रगति में उनके स्थायी योगदान की मान्यता है। प्रधानमंत्री ने कहा, सार्वजनिक सेवा के प्रति उनका समर्पण और आधुनिक भारत को आकार देने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका ने हमारे इतिहास पर एक अमिट छाप छोड़ी है। मुझे पिछले कई दशकों में उनके साथ बहुत करीब से काम करने का अवसर मिलने पर गर्व है।

शाह ने कहा कि आडवाणी जीवन भर निस्वार्थ भाव से राष्ट्रीय कल्याण और सामाजिक उत्थान के लिए समर्पित रहे। भाजपा नेता को भारत रत्न से सम्मानित किए जाने पर खुशी व्यक्त करते हुए शाह ने यह भी कहा कि आडवाणी का जीवन त्याग, दृढ़ता और समर्पण से भरा है और यह करोड़ों लोगों के लिए शक्ति और प्रेरणा का असीमित स्रोत है। उन्होंने एक्स पर लिखा, आज इस ऐतिहासिक क्षण का साक्षी बनकर मैं प्रसन्न भी हूं और भावुक भी। माननीय राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू द्वारा माननीय श्री लालकृष्ण आडवाणी को भारत रत्न से सम्मानित किया जाना हम सभी के लिए गौरव का क्षण है। (शेष पेज 9)

भ्रष्टाचार से आखिरी दम तक लड़ेंगे: मोदी

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली/मेरठ

मेरठ में रविवार को चुनावी रैली के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और एनडीए के अन्य नेता।

प्रधानमंत्री ने रविवार को मेरठ से आगामी लोकसभा चुनावों के लिए अपने चुनाव अभियान की शुरुआत करते हुए कहा कि भ्रष्टाचार बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और कहा कि उनकी सरकार ने पिछले 10 वर्षों में यह सुनिश्चित करने के लिए कदम उठाए हैं कि जो पैसा गरीबों के लिए हो उसे भ्रष्टाचारियों द्वारा न हड़पा जाए। उन्होंने ये बातें आगामी आम चुनाव के लिए अपने चुनावी भाषण के दौरान मेरठ से कहीं, जहां भाजपा ने भाजपा उम्मीदवार और रामायण फेम अरुण गोविल को मैदान में उतारा है। उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह को नमन किया और कहा कि 2024 का जनादेश भारत को दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी आर्थिक महाशक्ति बनाएगा। इस बीच उन्होंने विपक्षी गठबंधन पर भ्रष्टाचार और भ्रष्टाचारियों को संरक्षण देने का आरोप लगाते हुए कहा कि भ्रष्टाचारी चाहे कितना ही बड़ा क्यों न हो, एक्शन होगा, जरूर होगा। जिसने देश को लूटा है, उसे लौटाना ही पड़ेगा, ये मोदी की गारंटी है।

यहां केंद्रीय आलू अनुसंधान संस्थान के मैदान में राजग के घटक दलों, राष्ट्रीय लोकदल, अपना दल (एस), निर्बल शोषित इंडियन हमारा आम दल (निषाद) और सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के अध्यक्षों के साथ मंच साझा करते हुए मोदी ने राज्य में लोकसभा चुनाव अभियान की शुरुआत की और सबको राम-राम किया। मोदी ने भरोसे के साथ कहा कि हमारी सरकार भी तीसरे कार्यकाल की तैयारी में अभी से जुट गई है। हम आने वाले पांच साल का रोड मैप बना रहे हैं। नई सरकार बनने के बाद पहले सौ दिनों में हमे कौन-कौन से बड़े फैसले लेने हैं, इस पर तेजी से काम चल रहा है। भ्रष्टाचार के जिक्र के साथ विपक्षी दलों पर प्रहार करते हुए मोदी ने कहा, साथियों बीते 10 वर्षों में देश ने देखा है कि भ्रष्टाचार के खिलाफ कितनी बड़ी लड़ाई शुरू की है। मैं भ्रष्टाचार पर कार्रवाई कर रहा हूं, इससे कुछ लोग बौखला गए हैं। वे अपना आपा खो बैठे हैं। उन्होंने कहा, प्यारे देशवासियों, मैं कहता हूं, मोदी की गारंटी कहती है, मोदी का मंत्र है-भ्रष्टाचार हटाओ और वे कहते हैं कि भ्रष्टाचारी बचाओ।

प्रधानमंत्री ने कहा, यह चुनाव इन दो खेमों की लड़ाई है। एक खेमा एनडीए (राजग) का जो भ्रष्टाचार हटाने के लिए मैदान में है और दूसरा वो खेमा जो भ्रष्टाचारियों को बचाने के लिए मैदान में है, फैसला आपको करना है। चेतावनी भरे लहजे में उन्होंने जोर देकर कहा मैं आज मेरठ की क्रांतिकारियों, वीरों की धरती से भ्रष्टाचारियों को साफ साफ कह रहा हूं भ्रष्टाचारी कान खोलकर सुन लें, मोदी पर चाहे कितने भी हमले करें, ये मोदी है, रुकने वाला नहीं है। उन्होंने यह भी दावा किया भ्रष्टाचारी चाहे कितना ही बड़ा क्यों न हो, एक्शन होगा, जरूर होगा। जिसने देश को लूटा है, उसे लौटाना ही पड़ेगा, ये मोदी की गारंटी है। मोदी ने अपनी पुरानी शैली में जनता से कई बार यह सवाल पूछा कि क्या भ्रष्टाचारियों को बचाना है? क्या भ्रष्टाचार जाना चाहिए कि नहीं जाना चाहिए? भ्रष्टाचार हटना चाहिए कि नहीं हटना चाहिए? भ्रष्टाचार खत्म होना चाहिए कि नहीं होना चाहिए?

भीड़ से सकारात्मक जवाब मिलने के बाद मोदी ने विपक्ष पर हमला बोलते हुए कहा, इसीलिए भाइयों-बहनों, जब मोदी पूरी ताकत से भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई लड़ रहा है तो इन लोगों ने मिलकर एक इंडी गठबंधन भी बना लिया है। इनको लगता है कि मोदी इनसे डर जाएगा, लेकिन मेरे लिए मेरा भारत मेरा परिवार है। मोदी ने कहा, अपने देश को भ्रष्टाचारियों से बचाने के लिए मैं उनके खिलाफ एक बहुत बड़ी लड़ाई लड़ रहा हूं। इसलिए बड़े बड़े भ्रष्टाचारी आज सलाखों के पीछे हैं। सुप्रीम कोर्ट तक जमानत नहीं मिल रही है। इसलिए कई बड़े बड़े भ्रष्टाचारियों को कोर्ट के चक्कर लगाने पड़ रहे हैं। उन्होंने कहा, आपने टीवी में देखा होगा कि कहीं बिस्तर के नीचे से नोटों के ढेर निकल रहे हैं, कहीं दीवारों से नोटों के ढेर निकल रहे हैं, अभी अभी मैंने देखा वाशिंग मशीन में नोटों के ढेर थे। प्रधानमंत्री ने कहा, मैं भ्रष्टाचारियों पर सिर्फ कार्रवाई ही नहीं कर रहा, देशवासियों बात समझ लीजिएउ इन भ्रष्टाचारियों ने, इन बेईमानों ने जिसका धन लूटा है, उस धन को मैं लौटा दे रहा हूं। कांग्रेस की सरकार के दौरान गरीबों का, छोटे निवेशकों का, (शेष पेज 9)

श्रीलंका को द्वीप देने पर मोदी ने कांग्रेस पर साधा निशाना

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को कांग्रेस पर कटाक्ष करते हुए एक मीडिया रिपोर्ट का हवाला दिया और कहा कि पार्टी ने 'संवेदनहीनता' से कच्चातीवू द्वीप श्रीलंका को दे दिया। उन्होंने एक्स पर रिपोर्ट साझा करते हुए कहा, आंखें खोलने वाली और चौंकाने वाली! नए तथ्यों से पता चलता है कि कैसे कांग्रेस ने बेरहमी से कच्चातीवू को दे दिया। इससे हर भारतीय नाराज है और लोगों के मन में यह पुष्टि हुई है कि हम कभी भी कांग्रेस पर भरोसा नहीं कर सकते।

मोदी ने कहा, 'भारत की एकता, अखंडता और हितों को कमजोर करना कांग्रेस का 75 साल से काम करने का तरीका रहा है।'

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के इस आरोप पर पलटवार करते हुए कि इंदिरा गांधी ने कच्चातीवू द्वीप श्रीलंका को दे दिया, कांग्रेस प्रमुख मल्लिकार्जुन खड़गे ने पूछा कि उन्होंने अपने 10 साल के शासन के दौरान इसे वापस पाने के लिए कदम क्यों नहीं उठाए और आरोप लगाया कि यह संवेदनशील है। चुनाव से पहले मुद्दा उनकी हताशा को दर्शाता है। विपक्षी नेता ने यह भी सवाल किया कि पूर्वी लद्दाख की गलवान घाटी में 20 बहादुरों के सर्वोच्च बलिदान के बाद प्रधानमंत्री ने चीन को क्लीन चिट क्यों दी। गृह मंत्री अमित शाह ने उस मीडिया रिपोर्ट को लेकर कांग्रेस पर हमला बोला, जिसमें कहा गया था कि इंदिरा गांधी की सरकार ने कच्चाथीवू द्वीप श्रीलंका को दे दिया था और कहा कि इससे पता चलता है कि पार्टी भारत की एकता और अखंडता के खिलाफ है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, जो तमिलनाडु भाजपा प्रमुख के अन्नामलाई द्वारा प्राप्त एक आरटीआई (शेष पेज 9)

त्रिपुरा के माताबारी पेड़ा को जीआई टैग

अर्चना ज्योति। नई दिल्ली

त्रिपुरा के दो प्रतिष्ठित उत्पाद – प्रसिद्ध त्रिपुरेश्वरी मंदिर में चढ़ाया जाने वाला माताबारी पेड़ा प्रसाद और रिगनाई पचरा वस्त्र, जो स्वदेशी सामग्रियों का उपयोग करके कुशल कारीगरों द्वारा सावधानीपूर्वक तैयार किए गए पारंपरिक हाथ से बुने हुए परिधान का प्रतिनिधित्व करते हैं, को प्रतिष्ठित जीआई टैग से सम्मानित किया गया है। इसके साथ ही इस वित्तीय वर्ष में लगातार त्रिपुरा के तीन पारंपरिक उत्पादों को अंतरराष्ट्रीय पहचान मिली है। इस महीने की शुरुआत में, पूर्वोत्तर राज्य के रिसा, राज्य के स्वदेशी समुदायों द्वारा पहना जाने वाला हाथ से बुना हुआ कपड़ा, को जीआई टैग प्राप्त हुआ था। जीआई के साथ एक और स्वदेशी उत्पाद, त्रिपुरा की रानी अनानास, एक और उत्पाद है जिसे पहले ही जीआई प्रमाणन मिल चुका है।

हालिया घटनाक्रम से उत्साहित मुख्यमंत्री माणिक साहा ने रविवार को फेसबुक पर एक पोस्ट में कहा, मुझे यह बताते हुए खुशी हो रही है कि त्रिपुरेश्वरी मंदिर का पेड़ा (प्रसाद) और स्वदेशी जनजातियों की महिलाओं के लिए एक पारंपरिक कपड़ा रिगनाई पचरा को जीआई टैग दिया गया है। त्रिपुरा ग्रामीण आजीविका मिशन (टीआरएलएम) के पूर्व सीईओ प्रसाद राव भी उतने ही गर्व से चमक रहे थे, उन्होंने कहा, मुझे यह बताते हुए खुशी हो रही है कि त्रिपुरेश्वरी मंदिर का पेड़ा, दूध और चीनी से बना है, और रिगनाई पचरा कपड़ा बनाया गया है। शनिवार को प्रतिष्ठित जीआई टैग प्रदान किया गया। पेड़ा, अपने अनूठे स्वाद और स्थानीय परंपराओं में गहराई से निहित सांस्कृतिक महत्व के लिए प्रसिद्ध है, जबकि रिगनाई पचरा, त्रिपुरा की सांस्कृतिक टेपेस्ट्री के भीतर प्रतीकात्मक मूल्य रखने वाला परिधान, क्षेत्र की कपड़ा विरासत की समृद्ध विरासत को दर्शाता है। स्थानीय लोगों के अनुसार, स्थानीय लोगों के साथ-साथ आगंतुकों के बीच पेड़ा की बढ़ती मांग के साथ, ऐसी कंपनियों का आगमन हुआ है जिन्होंने दुनिया भर के ग्राहकों के लिए उत्पाद का विपणन शुरू कर दिया है। एक मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, पेड़ा (शेष पेज 9)

भोजपुरी सितारों की बिहार के चुनावी जंग में अनदेखी

पीटीआई। पटना

भोजपुरी सितारे राष्ट्रीय राजनीति में तो धूम मचा रहे हैं, लेकिन बिहार में चुनावी मुकाबले में उनकी अनुपस्थिति साफ दिखाई देती है। भोजपुरी एक ऐसी भाषा है जो विदेश में मॉरीशस, सूरीनाम, त्रिनिदाद और टोबैगो जैसे देशों में भी बोली जाती है। बिहार के कैमूर जिले के अतरवलिया गांव के निवासी मनोज तिवारी ने दिल्ली को अपनी राजनीतिक कर्मभूमि बनाया है, जबकि रवि किशन और दिनेश लाल यादव निरहुआ उत्तर प्रदेश से फिर से चुनाव लड़ रहे हैं।

लोकसभा चुनाव की घोषणा से पहले आरा के मूल निवासी पवन सिंह के चुनावी मैदान में उतरने की काफी चर्चा थी। उन्हें टिकट भी मिला लेकिन पश्चिम बंगाल से। पवन सिंह ने एक विवाद के बाद चुनाव लड़ने से इनकार कर दिया। अटकलें हैं कि अपने गानों से इंटरनेट पर सुर्खियां बटोरने वाली नेहा सिंह राठौड़ को कांग्रेस का टिकट मिल सकता है। वह राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा सहित पार्टी के कई कार्यक्रमों में शामिल होने दिखी हैं। बिहार से चुनाव मैदान में उतरने वाले एकमात्र लोकप्रिय भोजपुरी/मगही गायक गुंजन कुमार ने कहा, कई (शेष पेज 9)

705 गांवों के 16 लाख मतदाता होंगे निर्णायक

गौतमबुद्ध नगर लोकसभा सीट

सभी पार्टियों के प्रत्याशी वोटरों को रिझाने का कर रहे प्रयास

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

लोकसभा चुनावों में इस बार ग्रामीण मतदाता निर्णायक की भूमिका में रहेंगे। यही वजह है कि इस बार प्रमुख पार्टियों के प्रत्याशी भी ग्रामीण क्षेत्र के मतदाता को रिझाने का प्रयास कर रहे है। भाजपा, सपा-कांग्रेस और बसपा तीनों प्रत्याशी ही जेवर, दादरी, खुर्जा और सिकंदराबाद के गांवों में एक दूसरे के वोटर में सेंध लगाने का प्रयास कर रहे है। अब देखना है कि मतदाता किस तरफ जाएंगे।

गौतमबुद्धनगर लोकसभा में करीब 26 लाख मतदाता है। जिसमें से करीब 16 लाख मतदाता ग्रामीण क्षेत्र से आते है। विगत तीन लोकसभा चुनावों में मतदान के आंकड़े भी यही बयां कर रहे है। गौतमबुद्धनगर लोकसभा सीट में पांच विधानसभा आती है। इसमें तीन विधानसभा नोएडा, दादरी, जेवर गौतमबुद्धनगर जिले से है, जबकि खुर्जा व सिकंदराबाद विधानसभा बुलंदशहर जिले से आती है। ऐसे में दोनों जिलों की पांचों विधानसभा को मिलाकर कुल 705 गांव है, ऐसे में ग्रामीण आबादी ही चुनावी मतदान में अहम भूमिका निभाने वाली है।

इस बार लोकसभा में करीब 2.58 मतदाता नए जुड़े है। जो इस भूमिका का और अधिक मजबूती देने जा रहे है। ऐसे में शहरी मतदाता से अधिक ग्रामीण मतदाता की भूमिका अहम मानी जा रही है। बता दे गौतमबुद्ध नगर में 2019 में शहर में कुल 54 प्रतिशत मतदाता ने वोट दिया वहीं गांव में इसका प्रतिशत 64 रहा।

साल 2019 में लोकसभा सीट पर हुए मतदान में सबसे अधिक दादरी व जेवर के गांव की भूमिका अहम रही।

गौतमबुद्धनगर जिले में सर्वाधिक गांव 346, जिसमें से दादरी विधानसभा में सर्वाधिक 152 व जेवर में 93 गांव है। नोएडा में सिर्फ 81 गांव है, जिसमें से मूल आबादी वाले गांव की संख्या सिर्फ 68 ही है। ऐसे में दादरी के ग्रामीण क्षेत्र में मतदान 64.6 प्रतिशत और जेवर के ग्रामीण क्षेत्र का मतदान प्रतिशत 68.4 प्रतिशत रहा।

गाजियाबाद से भाजपा के लोकसभा प्रत्याशी 3 अप्रैल को करेंगे नामांकन

राजपूत समाज दर्ज करा चुका है विरोध

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

गाजियाबाद से भारतीय जनता पार्टी के लोकसभा उम्मीदवार अतुल गर्ग 3 अप्रैल को अपना नामांकन करेंगे। नामांकन के दौरान लखनऊ से सांसद और केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह मौजूद रहेंगे। साथ ही भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी भी नामांकन के दौरान मौजूद रहेंगे। बताया जा रहा है कि राजपूतों के विरोध के चलते राजनाथ सिंह को अतुल गर्ग ने अपने नामांकन में बुलाया है। भारतीय जनता पार्टी के लोकसभा प्रत्याशी अतुल गर्ग की तरफ से जारी किए गए एक संदेश में बताया गया है की राम राज्य संकल्प एवं नामांकन सभा 3 अप्रैल को सुबह 10;00 बजे रामलीला मैदान घंटाघर गाजियाबाद में होगी। इस दौरान मुख्य अतिथि के रूप में केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और विशिष्ट अतिथि के रूप में भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी मौजूद रहेंगे। अतुल गर्ग को भारतीय जनता पार्टी ने प्रत्याशी बनाया है। इससे पहले गाजियाबाद लोकसभा से दो चुनाव में वीके सिंह प्रत्याशी थे और जीते थे। वी.के सिंह का टिकट काटकर गाजियाबाद की सदर विधानसभा से विधायक अतुल गर्ग को टिकट दिया है। इसको लेकर राजपूत समाज कई बार विरोध जता चुका है। प्रेस कांफ्रेंस करके भी अपना विरोध राजपूत सभा ने दर्ज कराया है। राजनाथ सिंह खुद 2009 में गाजियाबाद लोकसभा से चुनाव लड़े थे और जीत के सांसद बने थे।

संक्षिप्त समाचार

साइबर सुरक्षा के प्रति लोगों में जागरूक करने के लिए दौड़ को तैयार प्रतिभागी

साइबर सुरक्षा जागरूकता को दौड़ का आयोजन

गाजियाबाद। साइबर सुरक्षा के प्रति लोगों में जागरूकता के लिए रविवार सुबह इन्दिरापुरम के स्वर्ण जयंती पार्क में सुबह एक दौड़ का आयोजन किया गया। दौड़ का आयोजन मेंटल हेल्थ अवेयरनेस ग्रुप इन्दिरापुरम के संयोजन में किया गया। दौड़ के आयोजक तरुण नेहरा ने बताया इस दौड़ प्रमुख उद्देश्य बढ़ते साइबर क्राइम से बच्चों व बड़ों में जागरूकता पैदा करना है। दौड़ इन्दिरापुरम की विभिन्न हाउसिंग सोसायटी जैसे जयपुरिया, एटीएस, शिप्रा श्रृष्टि आदि से होते हुए वापस स्वर्ण जयंती पार्क पर समाप्त हुई। इस दौड़ में सीआईएसएफ इन्दिरापुरम के डीआईजी हरिओम गांधी तीस जवानों के साथ शामिल हुए। दौड़ में भारतीय डिजिटल फोरेंसिक साइंस एक्सपर्ट डॉ गौरव गुप्ता, साइबर पीस सोसाइटी टीम के प्रमुख सदस्य प्रीती, स्वाति, तुषार शर्मा मौजूद थे। दौड़ का सफल बनाने में मुकेश पालीवाल, जस्सी, अनिल तब्रिवाल, विनीत पंवार, तेजस्वी शर्मा, हरित मौलिक, कैलाश जोशी, देवेन्द्र जूज, अमर सिंह, निधि प्रजापति, कोच विकास यादव, देवेन्द्र चौहान, विश्वदीप त्यागी, प्रमोद शर्मा, संजय रावत, शांतनु सोम, अरूण सिंह, कुलदीप रावत, डोली जग्गी आदि का सहयोग रहा।

आडवाणी को भारत रत्न से सम्मानित करने पर बधाई

गाजियाबाद। यशोदा सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल, कौशाम्बी के सीएमडी डॉ. पीएन अरोड़ा ने कहा कि 30 मार्च हमारे लिये यादगार दिन है। आज से 18 साल पहले 30 मार्च 2006 को ही लालकृष्ण आडवाणी के करकमलों द्वारा यशोदा सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल, कौशाम्बी का उद्घाटन किया गया था। डॉ. अरोड़ा ने माननीय आडवाणी को भारत रत्न से सम्मानित किए जाने पर बधाई दी। डॉ. अरोड़ा ने कहा कि हमारे अस्पताल की वर्षगांठ और एलके आडवाणी भारत रतन सम्मान से सम्मनित करने की घोषणा वाले इस दोहरीखुशी के अवसर पर हम स्वास्थ्य देखभाल उत्कृष्टता के प्रति अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि करते हैं और देखभाल के उच्चतम मानकों के साथ अपने रोगियों की सेवा जारी रखने का संकल्प लेते हैं ।

बच्चों के सामने पत्नी की फावड़े से हत्या

चरित्र पर था शक, नशे के दौरान वारदात को दिया अंजाम

पायनियर समचार सेवा। गाजियाबाद

गाजियाबाद में बच्चों के सामने उनकी मां की फावड़े से काटकर हत्या कर दी गई। मां की चीख सुनकर बचाने आए बेटी और बेटे पर भी पिता ने हमला कर दिया। जिसमें वह घायल हो गए। चीख.पुकार मच गई। आसपास के लोग मौके पर इकठ्ठा हेा गए। पुलिस को सूचना दी गई।

पुलिस मौके पर पहुंची। आसपास के लोगों और बच्चों से मामले की जानकारी ली। इसके बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। वारदात के बाद आरोपी फरार हो गया। जिसकी तलाश पुलिस कर रही है। पुलिस पूछताछ में अब तक सामने आया है कि आरोपी पति को अपनी पत्नी के चरित्र पर शक था, जिस कारण उसने वारदात को अंजाम दिया है। मामला थाना लोनी की मुस्तफाबाद कॉलोनी का है।

कॉलोनी निवासी अयूब अपनी पत्नी फरजाना और 5 बच्चों के साथ यहां रहते हैं। वह बेलदारी का काम करता है। वहीं उसकी पत्नी भी सिलाई का काम करके घर के खर्चे में अपनी पति की मदद करती है। बताया जाता है कि अयूब शनिवार देर रात शराब पीकर घर आया। घर में घुसते ही पत्नी फरजाना से झगड़ा करने लगा। कहने लगा तुम्हारे कई लोगों से संबंध हैं। तुम्हारा कैरेक्टर ठीक नहीं है।

जब फरजाना ने विरोध किया तो अयूब ने मारपीट शुरू कर दी। गुस्से में फावड़ा उठाकर ले आया। फरजाना पर ताबड़तोड़ वार करना शुरू कर दिया। वारदात के समय अर्शी घर पर काम कर रही थी। सबसे छोटा भाई सो रहा था। वहीं बड़ा भाई किसी काम से घर के बाहर था। अर्शी की दूसरी बहन कमरे में थी। पहले तो उन लोगों ने ध्यान नहीं दिया। लेकिन जब फरसान जोर से चीखने लगी तो अर्शी और उसका छोटा भाई अपनी मां को बचाने आए। इस दौरान अयूब ने उन पर भी हमला कर दिया। इसके बाद फावड़ा सिर में मारकर फरजाना की हत्या कर दी। वारदात के बाद अयूब मौके से फरार हो गया। वहीं चीख.पुकार सुनकर लोग इकठ्ठा हो गए। पुलिस भी आ गई। घटना की जानकारी ली। इसके बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। अयूब की बेटी अर्शी ने बताया, मेरी मां लेटी हुई थी और हम मशीन पर बैठकर काम कर रहे थे। पापा शराब पी के आए। मां ने पहले पापा को खाना दिया।

हमको नहीं दिया। इसी बीच पापा को पता नहीं क्या हुआ, वह फावड़ा ले आए और मां को मारने लगे। मैं बचाने गई, मेरा भाई बचाने गया तो हमें भी फावड़ा लग गया। पापा को मम्मी पर शक होता था। पहले भी झगड़ा हुआ था। मम्मी को गाली देते थे। गंदा बोलते थे। एसीपी लोनी सूर्यबली मौर्य ने बताया कि घटना की जानकारी पर पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने फरजाना के शव का पंचनामा भरकर उसे पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। वहीं कई टीम गठित कर कर आरोपी अयूब की गिरफ्तारी के लिए लगा दी है। पुलिस पूछताछ में सामने आया है अयूब अपनी पत्नी के चरित्र पर शक करता था, जिसको लेकर पहले भी कई बार झगड़े हुए हैं।

अतुल ने 8000 भाजपा कार्यकर्ताओं को बताया- क्यों मिला टिकट

जेपी नड्डा से मुलाकात के बाद थी तमाम चर्चाएं, बोले- मैं आभार जताने गया था

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

गाजियाबाद लोकसभा सीट से बीजेपी प्रत्याशी अतुल गर्ग 29 मार्च को दिल्ली में पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा से मिले। इस मुलाकात के बाद चर्चाएं शुरू हो गईं कि जेपी नड्डा ने अतुल गर्ग को दिल्ली तलब कर लिया है और टिकट बदलने पर बातचीत हुई हैं।

इन सबके बीच अतुल गर्ग ने रविवार सुबह 9 बजे कॉन्फ्रेंस कॉल पर 8 हजार कार्यकर्ताओं से सीधे बातचीत की और चर्चाओं को विराम दिया। अतुल गर्ग ने कहा मेरा टिकट होने पर तुम्हें जितनी हैरानी है, उतनी ही हैरानी मुझे भी है।

अभी हाल ही में मैं भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा को इस शुभ अवसर के लिए आभार प्रकट करने गया। तब मैं सहज ही उनसे पूछ बैठा कि अध्यक्ष जी इतनी बड़ी जिम्मेदारी और इतना बड़ा विश्वास केवल मेरे पर ही क्यों, इस पर जेपी नड्डा ने कहा, गाजियाबाद लोकसभा के कार्यकर्ताओं से सर्वे के दौरान आपके नाम की प्राथमिकता ज्यादा मिली, इसीलिए आपको लोकसभा प्रत्याशी के रूप में अवसर दिया गया है। यह सुनने पर मैंने वहीं पर दिल से सभी कार्यकर्ताओं का आभार जताया। यह उसी का परिणाम है कि आज मैं कॉन्फ्रेंस के माध्यम से सभी कार्यकर्ताओं का आभार जताने और उनसे उनकी मन की बात सुनने के लिए जुड़ा हूं। कॉल कॉन्फ्रेंस पर जुड़े 8 हजार कार्यकर्ताओं से सीधे बातचीत करते हुए प्रत्याशी अतुल गर्ग ने कहा, 3 अप्रैल को वो नामांकन पत्र भरने जाएंगे। इससे पहले रामलीला मैदान घंटाघर में एक सभा होगी।

जिसमें रक्षामंत्री राजनाथ सिंह आएंगे। दरअसल, बीजेपी ने गाजियाबाद लोकसभा सीट से दो बार के सांसद रहे जनरल वीके सिंह का टिकट काटा है। वीके सिंह दो बार सांसद के साथ केंद्र में राज्यमंत्री थे। इसे लेकर कई क्षत्रिय संगठन लगातार विरोध कर रहे थे। उनकी मांग थी कि गाजियाबाद से किसी क्षत्रिय व्यक्ति को ही टिकट दिया जाए।

इन सबके बीच 29 मार्च को प्रत्याशी अतुल गर्ग की राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा से हुई मुलाकात ने तमाम तरह की चर्चाओं को बल दे दिया। जिसके बाद अतुल गर्ग ने आज सुबह कार्यकर्ताओं से बातचीत की।

युवती को फोन पर भेजे अश्लील मैसेज

नोएडा। कोतवाली सेक्टर.142 क्षेत्र के सेक्टर-137 में रहने वाली एक युवती को अनजान नंबर से अश्लील मैसेज करना भारी पड़ गया। पुलिस ने युवती की शिकायत पर मुकदमा दर्ज कर आरोपित को गिरफ्तार कर लिया।

कोतवाली प्रभारी निरीक्षक विनीत राणा ने बताया कि कोतवाली क्षेत्र स्थित एक रियल एस्टेट कंपनी में काम करने वाली युवती ने मुकदमा दर्ज कराया है। युवती ने बताया कि पिछले कुछ दिनों से उसके मोबाइल नंबर पर एक अज्ञात नंबर से अश्लील मैसेज आ रहे हैं। पीड़िता का कहना है कि उसने मैसेज भेजने वाले से कई बार मैसेज भेजने से मना किया, लेकिन वह नहीं मान रहा है। उन्होंने बताया कि इसके चलते पीड़िता मानसिक रूप से काफी परेशान है।

पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच की तो पता चला कि आरोपित युवती से पूर्व से परिचित है, लेकिन वह अज्ञात नंबर से मैसेज कर रहा था। पुलिस ने जांच के बाद आरोपित को गिरफ्तार कर लिया। आरोपित की पहचान मथुरा के दीपक के रूप में हुई। आरोपित को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गयाए जहां से उसे न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया।

महिला की संदिग्ध मौत, घरवालों ने जताई हत्या की आशंका

नोएडा। कोतवाली सेक्टर-142 क्षेत्र के गांव शहदरा में 18 मार्च को हुई महिला की संदिग्ध मौत के मामले में नया मोड़ आ गया है। मृतका के स्वजन ने हत्या की आशंका जताते हुए मामले की निष्पक्ष जांच मांग की है। वहीं पुलिस ने पोस्टमार्टम रिपोर्ट में मौत का कारण स्पष्ट न होने और जांच करने की बात कही है। आगरा कैंट के मोहल्ला रसूलपुर खेरिया मोड़ की रेनू पिछले कुछ समय से गांव शहदरा में देवेंद्र खारी के घर में किराए के कमरे में रहती थी। छोटी बहन नीलू ने बताया कि रेनू के पति इमरान और अपने दो बच्चों 12 वर्षीय बेटा और सात वर्षीय बेटी के साथ आगरा में रहते हैं। नीलू ने बताया कि 17 मार्च की रात 10 बजे तक उसने रेनू से वीडियो कॉल पर बात की थी। इसके अगले दिन 18 मार्च की सुबह से मोबाइल फोन बंद हो गया। दिनभर संपर्क न होने पर रात में इमरान आगरा से नोएडा पहुंचे। यहां आकर कमरे में देखा तो उनका शव खून से लथपथ जमीन पर पड़ा हुआ था। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

कांग्रेस ने निकाला मशाल जुलूस, भाजपा सरकार पर साधा निशाना

नोएडा। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के बैंक खातों को फ्रिज कर दिए जाने एवं आयकर विभाग द्वारा नोटिस दिए जाने के विरोध में नोएडा महानगर कांग्रेस और जिला गौतमबुद्धनगर कांग्रेस के नेतृत्व में मशाल जुलूस निकाल कर दादरी में विरोध प्रदर्शन किया गया। इस दौरान कांग्रेस नेताओं ने भारतीय जनता पार्टी की केंद्र और राज्य सरकार पर निशाना साधा। इस अवसर पर कांग्रेस के नोएडा महानगर अध्यक्ष रामकुमार तंवर ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी राहुल गांधी जी और कांग्रेस पार्टी से डरी हुई है। तभी आये दिन ईडी और आयकर विभाग का सहारा लेकर विपक्षी पार्टी को दबाना चाहती है। इसलिए भाजपा सरकार के इशारे पर कांग्रेस पार्टी के बैंक खातो को फ्रीज कर रही है और बार.बार आयकर विभाग द्वारा नोटिस दिए जा रहे हैं। जिसकी हम घोर निंदा करते हैं। इस मौके पर महानगर अध्यक्ष रामकुमार तंवर, जिला अध्यक्ष दिनेश शर्मा, जिला उपाध्यक्ष मुकेश शर्मा, महासचिव जितेंद्र चौधरी, एससी एसटी जिला अध्यक्ष धर्म सिंह, राशिद अब्बासी आदि मौजूद रहे।

शराब न देने पर सेल्समैन की गोली मारकर हत्या

नोएडा। ग्रेटर नोएडा में शनिवार देर रात सेल्समैन की गोली मारकर हत्या कर दी गई। बिसरख थाना क्षेत्र में शराब देने से मना करने पर बाइक सवार बदमाशों ने सेल्समैन पर फायरिंग कर दी। इसके बाद वह फरार हो गए।

पुलिस को सूचना दी गई। इसके बाद घायल को अस्पताल ले जाया गया। यहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पूरा मामला मोहल्ला न्यू हैबतपुर के पास का है। यहां एक शराब का ठेका है। रात करीब 1:40 पर बाइक सवार 3 युवक आए। ठेका बंद होने के कारण वह ठेके के पीछे के रास्ते से चले गए, जहां पर सेल्समैन हरिओम वहीं सो रहा था। उन लोगों ने दरवाजे को खटखटाया और सेल्समैन से शराब देने के लिए बोला, जिस पर सेल्समैन ने मना कर दिया। इसी बात को लेकर विवाद हुआ। आरोपियों ने तमंचा निकाला और फायर झोंक दिया।

नोएडा में स्टंटबाजों के खिलाफ पुलिस सख्त

कार चालकों के खिलाफ की कार्रवाई

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

नोएडा पुलिस सघन अभियान चलाती हुई।

नोएडा और ग्रेटर नोएडा सहित दिल्ली-एनसीआर में रील बनाने की होड़ और सोशल मीडिया पर वायरल होने के जुनून में लोग नियम और कनून से ऊपर होते जा रहे है।

रील बनानाने के चक्कर में लोग सड़कों पर तो जैसे रैश ड्राइविंग और स्टंट टशन बन गया है। टशन दिखाने और सोशल मीडिया पर पोस्ट करने के लिए खतरनाक तरीके से स्टंट करते हुए वीडियो बनाने की घटनाएं थम नहीं रही हैं।

ऐसा ही एक वीडियो शुक्रवार को वायरल हुआ। नोएडा ट्रैफिक पुलिस ने शुक्रवार को नोएडा शहर के सेक्टर-125 स्थित एक निजी यूनिवर्सिटी के सामने कार से स्टंट करने पर कार्रवाई की है। पुलिस ने कार चलाने वाले पर कई मामलों में कार्रवाई करते हुए 15 हजार का चालान कर दिया है। लोगों ने शुक्रवार को सोशल मीडिया पर वीडियो को शेयर करते हुए बताया कि नोएडा शहर के सेक्टर-125 स्थित एक निजी यूनिवर्सिटी के सामने कुछ युवकों ने कार से छात्राओं के सामने स्टंट कर किया।

बेहद खतरनाक तरीके से कार चला रहे युवकों ने छात्राओं की जान जोखिम में डालने की कोशिश की है। मामले की शिकायत पर पुलिस ने कार्रवाई करते हुए कार का 15000 का चालान कर सोशल मीडिया पर फोटो डाल कर इसकी जानकारी दी है। वहीं एक अन्य मामले में नोएडा के सेक्टर-24 एलिवेटेड रोड पर स्टंट करने वाले युवकों की पुलिस तलाश में जुट गई है। एक दिन पूर्व ही पुलिस ने ऑडी कार के सनरूप से बाहर निकलकर स्टंट करने वाले युवकों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की थी।

बता दें कि 27 मार्च को एक वीडियो वायरल हुआ था। जिसमें एलिवेटेड रोड पर दो युवक दो ऑडी कार के सनरूप से बाहर निकलकर स्टंट करते दिख रहे थे। इस मामले में नोएडा पुलिस ने कार के नंबर के आधार पर दोनों लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर ली है।

लोन देने से बचने के लिए लगाई थी फर्जी नंबर प्लेट

दो कारों में एक ही नंबर प्लेट की सच्चाई सामने आई

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

ग्रेटर नोएडा वेस्ट स्थित देविका गोल्ड सोसाइटी में खड़ी एक ही नंबर की दो कार के मामले में पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पूछताछ करने पर पता चला है कि कार फाइनेंस पर है।

लोन देने से बचने के लिए आरोपी ने कार पर फर्जी नंबर प्लेट लगा रखी थी। ग्रेटर नोएडा वेस्ट में एक ही नंबर प्लेट की दो गाड़ियां मिलने के मामले में बिसरख पुलिस ने कार्रवाई की है।

फर्जी नंबर प्लेट लगाने वाले आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पूछताछ में खुलासा हुआ है कि आरोपी को गाड़ी दहेज में मिली थी, जो फाइनेंस पर था। पति.पत्नी में हुए झगड़े के बाद पत्नी ने एफआईआर दर्ज करा दी, इसके बाद फाइनेंस कंपनी से बचने के लिए आरोपी फर्जी नंबर प्लेट लगाकर घूमने लगा। दरअसल सोशल मीडिया पर एक वीडियो तेजी से वायरल हुआ था। जिसमे एक ही नंबर प्लेट की दो गाड़ियां सोसाइटी के पार्किंग में खड़ी थी। जिस गाड़ी का कलर और मॉडल भी सेम था। गाड़ी के असली मालिक सौरभ वर्मा हैं, जो ग्रेटर नोएडा की निराला स्टेट सोसायटी में रहते हैं। इसी नंबर प्लेट की एक और गाड़ी ग्रेटर नोएडा की देविका होम्स सोसायटी के पार्किंग में खड़ी थी। इसकी सूचना सौरभ के एक जानकर ने उन्हें दी। इसके बाद सौरभ अपनी गाड़ी लेकर देविका होम्स पहुंचे और दोनों गाड़ियों का वीडियो बनाया और कई फोटो लिए। सौरभ को विश्वास नहीं हुआ कि उनके जैसा मॉडल और कलर की गाड़ी और सेम नंबर कैसे हो सकता है। इसकी शिकायत सौरभ ने बिसरख थाना पुलिस से की। इसके बाद पुलिस ने देविका होम्स सोसायटी से फर्जी नंबर प्लेट लगाकर घूमने वाले आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। बिसरख कोतवाली प्रभारी अरविंद कुमार ने बताया कि पकड़े गए आरोपित की पहचान शिवम के रूप में हुई है। उसको देविका गोल्ड होम सोसायटी के समीप से गिरफ्तार किया गया है।

पूछताछ करने पर पता चला है कि उसकी शादी फरवरी 2023 में हुई थी। दहेज में उसको नेक्सन कार मिली थी। जिसको ससुराल वालो ने फाइनेंस करवाया था। कार उसकी पत्नी के नाम थी। शादी के कुछ समय बाद पत्नी से झगड़ा हो गया। इसके चलते वो कार को ग्रेटर नोएडा ले आया। दिल्ली पुलिस ने ग्रेटर नोएडा वेस्ट में दबिश देकर कार बरामद करने की कोशिश की थी, लेकिन नंबर सही होने की वजह से कार्रवाई नहीं हो पाई। इंटरनेट मीडिया पर वीडियो प्रसारित होने के बाद पता चला कि सोसायटी में एक ही नंबर दो कार खड़ी थी। दोनों नेक्सान कार ही थी। दोनों का रंग भी एक है।

Public Notice

This is to inform the general public that **Mrs. Prabhavati** is the sole owner of Property Bearing No. 4, area measuring 106 Sq. yds. i.e., 88.6266 Sq. Mtrs. Out of Khasra No. 60/2/2, situated Village Mukundpur, abadi Known as Mukundpur Part-1, Near Satish Pandit Dairy, Delhi-110042. This ownership was legally acquired through a Gift Deed dated 08.06.2023 vide doc. No. 6596 executed by Mr. Chandra Kishor Dass in favour of Mrs. Prabhavati.

Mrs. Prabhavati is now the process of mortgaging the aforementioned Property with **Incred Financial Services Limited.** Any objections or concerns regarding this transaction should be raised within a period of 7 days from the date of this public notice. Any objections submitted after the completion of this 7-days period will not be considered binding with respect to the said property or the interests of our client.

If anyone wishes to raise an objection, please do so within the stipulated 7-day period by contacting **Law Veritas: North (Advocates & Legal Consultants) at Office No. 11, 1st Floor, Building No. A-44/A, Sector-16, Noida, Uttar Pradesh- 201301; Landline(s) :+910120-3101683 / e-mail: accounts@lvnorth.in**

PUBLIC NOTICE

General public is hereby informed that we (i) **Smt. Chetna Sagar (ii) Sh. Harish Sagar (iii) Sh. Sanjeev Sagar** and (iv) **Sh. Deepak Sagar** are filing application in **L&DO** for substitution of the **property no. 47/5 Old Rajinder Nagar New Delhi 110060 in the names (i) Smt. Chetna Sagar (ii) Sh. Harish Sagar (iii) Sh. Sanjeev Sagar and (iv) Sh. Deepak Sagar** on the ground of registered relinquishment deeds. If there are any objection /claims form the general public on this application, the same shall be communicated to L&DO at Nirman Bhawan, New Delhi or through an email at **ldo@nic.in**, within **30 days** of publication of this notice.

(CHETNA SAGAR), (HARISH SAGAR) (SANJEEV SAGAR), (DEEPAK SAGAR)

All residence of 47/5 Old Rajinder Nagar, New Delhi 110060; Mob - 9953721533.

PUBLIC NOTICE

Notice is hereby given on behalf of **Mrs. Sudesh Ghalot Alias Sudesh Gahlot** W/o. Mr. Sunil Kumar alias Sunil Gahlot Alias Sunil Ghalot who is owner of built up-Property built up on a Plot No.353, A- Block, area measuring 250.04 Sq. Meter i.e., 300 Sq. Yards, out of Khasra No.54/18/1 & 14, situated in the revenue estate of Vill. Mitraon, Delhi state, Delhi abadi known as Gopal Nagar, Najafgarh, New Delhi-110043; having acquired the same from her husband **Mr. Sunil Kumar alias Sunil Gahlot alias Sunil Ghalot** S/o. Mr. Bhoop Singh, vide Gift Deed dated 26.05.2020, which is duly registered vide Document No.52, at Sub-Registrar, IXA, New Delhi; and intend to mortgage against the financial assistance from Utkarsh Small Finance Bank Limited.That, Original(s)General Power of Attorney & Agreement to sell dated 20.05.2006are not available/lost/misplaced, an online Article/Document Lost Reports vide LR No.850254/2022dated 01.10.2022 has been lodged by **Mr. Sunil Kumar** in this regard. To comply the requirements of BANK/NBFC, we give this public notice that if any Person having any type of claim /right/title/interest/creating mortgage over the said property, may inform in writing, at the address mentioned below, about his objections, within **07 days** from today, failing which it shall be presumed that the said property is free from all type of Encumbrances, lien etc. **LUCEM LEGAL LLP Office No. B-93B,Second Floor,Opposite SBI Bank Sector-2,Noida,UP-201301,Contact# 0120-4269379**

PUBLIC NOTICE

Notice, We Hereby given Public Notice that following Property Documents of H. No 3/27, 3rd floor, Ramesh Nagar New Delhi-15 belongs to Kapil Sharma and Kiran Sharma are lost as under:

i) Original Gift Deed: Executed by Sh. Kala Ram S/o Sh. Sarab Dayal in favour of Smt. Neelam W/o Sh. Ravinder Vasudev & D/o Sh. Kala Ram Reg. No. 4968, Book no. 1, Vol. no. 9294, Pages no. 43-49, on dated 26.07.1999 with SR- Delhi.& ii) Original GPA: Executed by Smt. Neelam W/o Sh. Ravinder Vasudev & D/o Sh. Kala Ram in favour of Sh. Prakash Chandra Sharma S/o Sh. S.M. Sharma Reg no. 195, Book no. 4, Volume no. 1225, Pages no. 180-182, on dated 17.01.2006 with office SR-Delhi. & iii) Original ATS Executed by Smt. Neelam W/o Sh. Ravinder Vasudev & D/o Sh. Kala Ram in favour of Sh. Prakash Chandra Sharma S/o Sh. S.M. Sharma & iv.) Original Will executed by Smt. Neelam W/o Sh. Ravinder Vasudev & D/o Sh. Kala Ram in favour of Sh. Prakash Chandra Sharma S/o Sh. S.M. Sharma in respect of subject property & iv.) Original Sale Deed executed by Sh. Prakash Chandra Sharma S/o Sh. S.M. Sharma as GPA of Smt. Neelam in favour of Smt. Sarita Sharma W/o Sh. Prakash Chandra Sharma Reg no. 6933, Book no. 1, Volume no. 14648, Pages no. 156-162, on dated 20.04.2007, office SR- Delhi ANY PERSON FOUND THESE DOCUMENT, KINDLY INFORM US ON MOBILE NO.79825 59119.

PUBLIC NOTICE

To be known to all that,**I,Dr. Richa Chaturvedi Daughter of Shri S.N. Chaturvedi R/o Flat No. 133,Pocket-F,Sarita Vihar, New Delhi-110076** who is the owner and in physical possession of **Flat No.133,Pocket-F,Sarita Vihar,New Delhi-110076**,which has been allotted by DDA vide FileNo.F.128(59)1993/SFS/SV,Iam purchaser of above said Flat by virtue of Sale Deed Dated 05/10/2012.The original 5th and Final Demand-cum-Allotment Letter,Possession Letter and NOC, of said Flat have been lost. An F.I.R. to this effect has been lodged. Any person(s) claiming any right, interest,having any objection or found in possession of original documents may write/contact with above named person at above address/Phone No.9810325722 within 15 days from the date of publication of this notice. The person claiming any right, interest, objections with respect to this Flat can personally inform or write to **Dy. Director (SFS) or Director(SFS),D Block 3rd Floor, Vikas Sadan, INA, New Delhi.**

PUBLIC NOTICE

Notice is hereby given that my client Raju is in process to purchase the First Floor without roof rights of the Property Bearing No. D-14/381, area measuring 70 Sq Yards, Gali No. 14, Out of Khasra No. 20, Laxmi Nagar, New Delhi (availing loan from Piramal Capital & Housing Finance Ltd) from Rita Bhatti, whereas she acquired the same vide Gift Deed dated 25.06.2015 (Document No. 3628) executed by Sudaharshan Sethi All person/s having any claim against or in respect of the said Property, or any part thereof, by way of sale, exchange, mortgage (equitable/registered or otherwise), gift, trust, inheritance, family arrangement, maintenance, bequest, partnership, possession, lease, sublease, tenancy, license, lien, charge, pledge, easement or otherwise howsoever, are hereby requested to notify the same in writing to us with supporting documentary evidence at the address mentioned below within 7 days from the date hereof, failing which the claim or claims, if any, of such person or persons will be considered to have been waived and/or abandoned. **Kamal Kant Gupta (Advocate)** Unit No. FF-2, First floor, Mahaluxmi Metro Tower Sec-4, Vaishali, Gzb., U.P., Mob. 9810063351

सार्वजनिक सूचना

मेरे मुवक्किल श्री जय आनंद और श्री देवेन्द्र कुमार, पुत्र स्व० सीता राम, निवासी 242, जाटव मोहल्ला, असोला, फतेहपुर बेरी, साउथ दिल्ली, दिल्ली, 110074, दोनों ने अपने छोटे भाई अरूण कुमार से उसके दुर्व्यवहार के कारण अपने पूरे परिवार सहित संबंध खत्म कर लिये हैं और भविष्य में अरूण कुमार के किसी भी गैर - कानूनी कार्यों के लिए मेरे मुवक्किल जिम्मेदार नहीं होंगे।

Pooja Jangid and Prakhar Advocates, Office Add.- N-1B LGF, Jangpura Extension, New Delhi-110014
Email - adv.poojalegal33@gmail.com

PUBLIC NOTICE

This is to inform the general public that **Smt. Sangeeta Jain** is the owner of Entire Built-up Property No. 106 area measuring 200 Sq. Yds., Block no. C-II, situated in the layout plan of the Central Revenue Co-operative House Building Society Ltd. colony known as Pushpanjali, Vikas Marg Extn, Delhi-110092. She acquired the above property through Sale Deed dated 21.02.2020 vide doc. No. 1227 executed by Smt. Kusum Gupta & Shri Radhey Mohan Gupta & Smt. Deepa Gupta in favour of Smt. Sangeeta Jain. **Smt. Sangeeta Jain** intends to transfer the ownership by way of Sale Deed of aforementioned property to Sh. Deepesh Jain. Subsequently, **Sh. Deepesh Jain** is in the process of mortgaging the said property **IDFC First Bank Limited.** Any objections or concerns regarding this transaction should be raised within a period of 10 days from the date of this public notice. Any objections submitted after the completion of this 10-days period will not be considered binding with respect to the said property or the interests of our client.

If anyone wishes to raise an objection, please do so within the stipulated 10-day period by contacting **Law Veritas: North (Advocates & Legal Consultants) at Office No. 11, 1st Floor, Building No. A-44/A, Sector-16, Noida, Uttar Pradesh-201301; Landline(s): +910120-3101683; e-mail: accounts@lvnorth.in**

सार्वजनिक सूचना

हमारे मुवक्किल **श्रीमती तरणजीत कौर औलख** पत्नी श्री मंजीत सिंह औलख निवासी डब्ल्यूजेड 49 एच, नवयुग ब्लॉक, विष्णु गार्डन, पश्चिम, दिल्ली-110018 ("बंधककर्ता"), जिसका पीओए (पंजीकृत जीपीए, एटीएस और पंजीकृत वसीयत दस्तावेज सं. 46775 दिनांक 08.07.1996) के माध्यम से श्रीमती बलदेव कौर अनुसूचित संपत्ति की मालिक थी। स्वर्गीय बलदेव कौर की मृत्यु 05.04.2007 को हो गई और वे अपने पीछे केवल एक कानूनी उत्तराधिकारी अर्थात श्री मंजीत सिंह औलख को छोड़ गई, और श्री मंजीत सिंह औलख अनुसूचित संपत्ति को श्रीमती तरणजीत कौर औलख को उपहार में दिया।

इसी अनुसूचित संपत्ति को **श्रीमती तरणजीत कौर औलख** (बंधककर्ता) ने फेड बैंक फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड कीर्ति नगर शाखा, नई दिल्ली के पास गिरवी रखनी है। यदि कोई व्यक्ति उक्त संपत्ति को गिरवी रखने के लिए कोई आपत्ति उठाता है तो कृपया इस प्रकाशन के 7 दिनों के भीतर नीचे दिए गए पते पर **दस्तावेजी प्रमाण के साथ** अपनी आपत्ति दर्ज कर सकता है

संपत्ति की अनुसूची

संपत्ति संख्या डब्ल्यूजेड-49 एच, प्लॉट नंबर 49, क्षेत्रफल-70 वर्ग गज, खसरा नंबर 35/7 से बाहर, गांव ख्याला, दिल्ली राज्य, दिल्ली कॉलोनी नवयुग ब्लॉक के नाम से जाना जाता है, विष्णु गार्डन, नई दिल्ली में स्थित है। (इसके बाद इसे "उक्त संपत्ति" के रुप में जाना जाएगा।)

सचिन माहेश्वरी एंड एसोसिएट्स (एसएमए) लॉ ऑफिस
सचिन माहेश्वरी, एडवोकेट
आफिस:1531/4,भूतल, प्रो फिटनेस जिम के पास,प्रथम 60 फूटा रोड, मोलरबंड एक्सटेंशन, बदरपुर बॉर्डर, नई दिल्ली.
फोन 011-69653588, मो.-9911380328

रामलीला मैदान बना गठबंधन की एकता का मंच

रामलीला मैदान में रविवार को इंडिया गठबंधन की महारौली में केजरीवाल के समर्थन में आप और कांग्रेस के कार्यकर्ता नारेबाजी करते हुए। फोटो: रंजन डिमरी

केजरीवाल ने हिरासत से भेजा 6 गारंटी वाला संदेश

● मुख्यमंत्री ने जनता से भारत को दुनिया का नंबर एक देश बनाने का किया आह्वान

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

विपक्षी दलों के इंडिया गठबंधन की महारैली में रविवार को 'आप' के राष्ट्रीय संयोजक एवं दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल ने जेल से छह गारंटी वाला संदेश भेज कर भारत को दुनिया का नंबर वन देश बनाने के लिए 140 करोड़ भारतवासियों आह्वान किया। केजरीवाल के संदेश को उनकी पत्नी सुनीता केजरीवाल ने मंच से पढ़कर सुनाया।

मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने अपने संदेश में कहा, भारत माता पीड़ा में हैं और यह अत्याचार नहीं चलेगा। शीर्ष विपक्षी नेता लोकतंत्र बचाओ रैली के लिए रामलीला मैदान में एकत्र हुए हैं। सुनीता केजरीवाल ने कहा, पिछले 75 वर्ष में दिल्ली के लोगों ने अन्याय का झेला है।

अगर इंडिया गठबंधन सत्ता में आता है तो हम दिल्ली को पूर्ण राज्य बनाएंगे।'आप' के राष्ट्रीय संयोजक एवं दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल ने जेल से संदेश भेज कर भारत को दुनिया का नंबर वन देश बनाने के लिए 140 करोड़ भारतवासियों का आह्वान किया। सुनीता केजरीवाल ने संदेश में कहा, अगर इंडिया गठबंधन सत्ता में आया, तो वह अच्छे अस्पतालों और शिक्षा सहित छह गारंटी को पूरा करेगा। उन्होंने कहा, निर्वाचन आयोग को लोकसभा चुनावों में समान अवसर सुनिश्चित करना चाहिए। निर्वाचन आयोग को चुनाव में हेराफेरी करने के उद्देश्य से विपक्षी दलों के खिलाफ जांच एजेंसियों द्वारा की जानी वाली कार्रवाई रोकनी चाहिए। हेमंत सोरेन और अरविन्द केजरीवाल की तुरंत रिहाई की जाए। चुनाव के दौरान विपक्षी राजनीतिक दलों का आर्थिक रूप से गला घोंटने की जबरन कार्रवाई तुरंत बंद होनी चाहिए। केजरीवाल ने कहा भारत एक ऐसा देश होगा, जहां उंच-नीच, नफरत, मारपीट, गाली गलौंज नहीं होगी। सबको न्याय मिलेगा और आपस में भाईचारा होगा। आइए, मिलकर एक नया भारत बनाते हैं, जो 140 करोड़ लोगों के सपनों का भारत होगा।

मंच पर सुनीता केजरीवाल से बात करती मंत्री आतिशी।

कल्पना सोरेन व उद्धव ठाकरे ने लगाया केंद्र पर तनाशाही का आरोप

झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेने की पत्नी कल्पना सोरेन ने भी केंद्र सरकार पर तानाशाही रवैया अपनाने का आरोप लगाया और कहा कि लोगों को भाजपा को हराने के लिए एकजुट होना चाहिए।

शिवसेना (यूबीटी) के प्रमुख उद्धव ठाकरे ने दावा किया कि देश तानाशाही की तरफ बढ़ रहा है तथा एक व्यक्ति और एक पार्टी की सरकार भारत के लिए खतरनाक है।

देश को कई टुकड़ों में तोड़ने की कोशिश : मान

पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने रविवार को कहा कि सत्तारूढ़ भाजपा देश को कई टुकड़ों में तोड़ने की कोशिश कर रही है। उन्होंने लोगों से आगामी लोकसभा चुनावों के दौरान पार्टी के 'नए जुमलों' से प्रभावित नहीं होने का आग्रह किया। महारैली को संबोधित करते हुए मान ने कहा कि भाजपा नहीं चाहती कि विपक्षी दल एकजुट हों। मान ने कहा, ये लोग नहीं चाहते कि हम एक साथ बैठें। आइए साथ आएं।

बुरे लोगों से अमृत कलश वापस लाना होगा : येचुरी

माकपा महासचिव सीताराम एचुरी ने दावा किया कि देश में कलयुग का अमृतकाल चल रहा है तथा अब बुरे लोगों के हाथ से अमृत कलश को वापस लाना होगा, ताकि इसका इस्तेमाल जनता के हित में हो सके। उन्होंने इंडिया गठबंधन की लोकतंत्र बचाओ महारैली में यह भी कहा कि अगर देश में बेरोजगारी, महंगाई और भुखमरी से मुक्ति चाहिए तो इसके लिए मौजूदा सरकार से मुक्ति पानी होगी।

सबसे ज्यादा झूठ बोलने वाली पार्टी है भाजपा : अखिलेश

समाजवादी पार्टी (सपा) अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को ब्रह्मांड में सबसे ज्यादा झूठ बोलने वाली पार्टी करार देते हुए रविवार को कहा कि दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी के बाद पूरी दुनिया में भाजपा की थू-थू हो रही है। यादव ने दिल्ली में संवाददाताओं से कहा, अगर हम आंकड़े निकलेंगे तो ब्रह्मांड में इतना झूठ किसी ने नहीं बोला होगा, जितना भाजपा ने बोला है। उन्होंने एक सवाल पर कहा, अरविंद केजरीवाल को गिरफ्तार करने से भाजपा की पूरी दुनिया में थू-थू हो रही है। यह तो साबित हो गया कि सरकार जो चाहे वह कर सकती है। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन जेल चले गए। ज्ञात हो कि अखिलेश यादव इंडिया गठबंधन का महत्वपूर्ण हिस्सा है। यूपी के उनकी पार्टी का प्रदर्शन गठबंधन के भविष्य का निर्णय करेगा।

चाइनीज माल है मोदी की गारंटी : तेजस्वी

राष्ट्रीय जनता दल के नेता तेजस्वी यादव ने केंद्र सरकार पर अघोषित आपातकाल लागू करने का आरोप लगाया और दावा किया कि मोदी की गारंटी चाइनीज माल वाली गारंटी है जो सिर्फ चुनाव तक रहेगी। महारैली में 1990 के दशक की फिल्म साजन चले ससुराल के गाने 'तुम तो धोखेबाज हो...' का हवाला देते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर तंज कसा।

रामलीला मैदान में शंख, ढोल गाजे-बाजे के साथ पहुंचे समर्थक

● इंडिया गठबंधन की रैली में बड़ी संख्या में आप कार्यकर्ता पहुंचे

सौम्या शुक्ला/समर पांडे। नई दिल्ली

रामलीला मैदान में रविवार को बड़ी संख्या में आप कार्यकर्ताओं और समर्थकों ने इंडिया गठबंधन रैली में भाग लिया। उनमें से कई ने 'मैं भी केजरीवाल', 'मोदी का सबसे बड़ा डर केजरीवाल' लिखी पीले रंग की टी-शर्ट पहन रखी थी जिसपर आप लिखा हुआ था।

इसके अलावा अपने नेता अरविंद केजरीवाल के प्रति एकजुटता व्यक्त करने के लिए पार्टी झंडे के साथ उन्होंने 'मैं भी केजरीवाल' लिखा मुखौटा भी पहन रखा था। पंजाब के तरन तारन गांव के निवासी व आप कार्यकर्ता केवल सिंह ने कहा, अरविंद केजरीवाल जो हमेशा शिक्षा, मुफ्त बिजली, महिलाओं के लिए मुफ्त बस सेवा प्रदान करने की बात करते हैं, उन्हें सलाखों के पीछे भेज दिया गया है। आप कार्यकर्ता कुलविंदर सिंह ने कहा, रैली तानाशाही को खत्म करने और लोकतंत्र को बचाने के लिए आयोजित की जा रही है। रामलीला मैदान में इंडिया गठबंधन की लोकतंत्र बचाओ रैली में 20,000-30,000 लोग थे जो गिरफ्तार दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और झारखंड के पूर्व सीएम हेमंत सोरेन के साथ एकजुटता व्यक्त करने आए थे।

कुमार किशोर ने मुख्यमंत्री केजरीवाल की गिरफ्तारी को अवैध करार देते हुए कहा, हमारी संस्कृति में हम नकारात्मक ऊर्जा को दूर रखने के लिए शंख बजाते हैं।

वित्त मंत्री आतिशी ने कहा, भारत के इतिहास में पहली बार किसी मौजूदा मुख्यमंत्री को गिरफ्तार किया गया है और वह भी राष्ट्रीय (लोकसभा) चुनाव से ठीक पहले। आप के अन्य कार्यकर्ता समर्थकों को झंडे और टी-शर्ट बांटते देखे गए। मैदान में कांग्रेस, आप, सीपीआई (एम), राजद, एनएसयूआई समेत अन्य पार्टियों के झंडे दिखे।

कार्यक्रम में थोड़ी देर के लिए कुप्रबंधन देखने को मिला जब कई कार्यकर्ता अपने निर्धारित क्षेत्र से कूदकर प्रेस गैलरी के करीब आ गए, जो मंच के पास थी। हालाँकि विपक्षी नेता मंच पर एकजुट थे, लेकिन विभिन्न दलों, मुख्य रूप से आप और कांग्रेस के समर्थकों के बीच दरार साफ़ दिख रही थी। जब नेता अपने भाषण दे रहे थे, तो कांग्रेस समर्थकों को अचानक राहुल गांधी जिंदाबाद और कांग्रेस जिंदाबाद जैसे नारे लगाते देखा गया। लोकतंत्र बचाओ रैली से पहले दिल्ली के मुख्यमंत्रीका पोस्टर मंच से हटा दिया गया।

भाजपा ने महारैली को फ्लॉप शो बताया

● सचदेवा और मनोज तिवारी ने विपक्षी दलों पर साधा निशाना

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

रामलीला मैदान में रविवार को इंडिया गठबंधन की रैली को दिल्ली भाजपा ने भ्रष्टाचार के आरोपों का सामना कर रहे 'अपने राजनीतिक परिवारों को बचाने' की कोशिश कर रहे विपक्षी दलों का 'फ्लॉप शो' करार दिया।

दिल्ली भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने दावा किया कि भारतीय राष्ट्रीय विकासात्मक समावेशी गठबंधन (इंडिया) पार्टियों की 'भारत बचाओ, परिवार बचाओ' रैली एक फ्लॉप शो थी और आम आदमी पार्टी (आप) इसके लिए भीड़ जुटाने में विफल रही। राहुल गांधी, सोनिया गांधी, मल्लिकार्जुन खड़गे, शरद पवार, अखिलेश यादव और तेजस्वी यादव सहित भारत के शीर्ष नेताओं ने 'लोकतंत्र बचाओ' रैली में मंच साझा किया और केंद्र की भाजपा सरकार की आलोचना की। सचदेवा ने कहा, रैली में देश को लूटने वाली कांग्रेस के परिवार, भ्रष्टाचार के आरोपों का सामना करने वाले लालू यादव, मुलायम सिंह यादव और शिबू सोरेन के परिवार शामिल थे। भ्रष्टाचार के आरोप में ईडी की हिरासत में मौजूद अरविंद केजरीवाल का परिवार भी रैली में मौजूद था। उन्होंने कहा कि लोकसभा चुनाव में 22 सीटों पर चुनाव लड़ रही आप देश में मतदाताओं को छह गारंटी जारी करके 'हंसी का पात्र' बन गई है।

भाजपा सांसद मनोज तिवारी ने कहा कि इंडिया गठबंधन के जिन नेताओं को केजरीवाल भ्रष्ट कहते थे, वे शराब घोटाले में उनकी गिरफ्तारी के विरोध में रामलीला मैदान में एकत्र हुए थे। उनका पतन भी देखिए।

दिल्ली में तापमान 35.2 डिग्री सेल्सियस रहा

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी में रविवार को अधिकतम तापमान 35.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो मौसम के औसत से एक डिग्री सेल्सियस अधिक है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने यह जानकारी दी। सापेक्षिक आर्द्रता 85 प्रतिशत से 27 प्रतिशत के बीच रही।

मौसम कार्यालय ने सोमवार को आंशिक रूप से बादल छाए रहने और तेज़ हवाएं (30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से) बहने का अनुमान लगाया है। अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमश: 34 डिग्री सेल्सियस रहने का अनुमान है। शनिवार, 37.8 डिग्री सेल्सियस अधिकतम तापमान के साथ मार्च का सबसे गर्म दिन रहा था।

गोवा चुनाव में आप ने किया रिश्वत का इस्तेमाल : ईडी

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

प्रवर्तन निदेशालय ने दावा किया है कि दिल्ली उत्पाद शुल्क (शराब) नीति से हुए घोटाले से प्राप्त धन का उपयोग आम आदमी पार्टी (आप) ने 2022 के गोवा चुनाव अभियान में इस्तेमाल किया गया। इससे 45 करोड़ रुपये की रिश्वत की भी पुष्टि की गई है। इस मामले में अदालत में दाखिल दस्तावेजों के मुताबिक, सीबीआई और आयकर विभाग अपनी अलग-अलग जांच कर रहे हैं।

इस मामले में ईडी द्वारा हवाला ऑपरेटरों और अंगड़ियाओं के एक विस्तृत नेटवर्क की भी जांच की जा रही है। इस मामले में हाल ही में दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को गिरफ्तार किया गया। दावा किया था कि इन फंडों की कथित लॉन्ड्रिंग में उन पर और उनके राजनीतिक संगठन पर मुकदमा चलाया जा सकता है।

इस कथित 45 करोड़ रुपये की रिश्वत राशि के 'मनी ट्रेल' को स्थापित करने के लिए ईडी द्वारा पांच अंगड़िया फर्म संचालकों के बयान भी दर्ज किए गए हैं। अंगड़िया हवाला

● कहा- शराब नीति घोटाले के धन का चुनाव में किया गया खर्च

जैसी अनौपचारिक कुरियर और बैंक सेवाएं हैं जिनका उपयोग विशेष रूप से हीरे और आभूषण क्षेत्र के व्यवसायों द्वारा सरकारी करों और कर्तव्यों से बचने के लिए केवाईसी-आधारित औपचारिक बैंकिंग मार्ग को छोड़कर बड़ी नकद राशि और अन्य कीमती सामान स्थानांतरित करने के लिए किया जाता है।

एजेंसी द्वारा इस मामले में गिरफ्तार किए गए 16 प्रमुख व्यक्तियों में तेलंगाना के पूर्व मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव की एमएलसी बेटी के कविता, दिल्ली के पूर्व डिप्टी सीएम और आप नेता मनीष सिसोदिया और आप के राज्यसभा सांसद संजय सिंह शामिल हैं। पार्टी ने आरोप लगाया है कि मामले में शामिल अन्य लोगों जैसे टीडीपी के लोकसभा उम्मीदवार मगुंटा श्रीनिवासुलु रेड्डी, उनके बेटे राघव मगुंटा और व्यवसायी और अरबिंदो फार्मा के प्रमोटर सरथ रेड्डी के बयान केजरीवाल को फंसाने और आगामी आम चुनावों में उनकी भागीदारी को रोकने के लिए बदल दिए गए थे। ईडी ने दावा किया कि 45 करोड़ रुपये की राशि - मनी लॉन्ड्रिंग विरोधी कानून के तहत अपराध की आय है।

नमो भारतः सराय काले खां से निजामुद्दीन को जोड़ेगा फुट ओवर ब्रिज

● अधिकारियों ने कहा, 280 मीटर लंबे पुल का निर्माण मई तक होने की संभावना

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

आरआरटीएस स्टेशन सराय काले खां को हजरत निजामुद्दीन रेलवे स्टेशन से जोड़ने वाले 280 मीटर लंबे फुट ओवर ब्रिज का निर्माण मई तक पूरा होने की संभावना है, यह जानकारी अधिकारियों ने रविवार को दी।

दोनों स्टेशनों के बीच यात्रियों की सुगम, सुरक्षित और आरामदायक आवाजाही की सुविधा के लिए फुट ओवर ब्रिज (एफओबी) में छह ट्रैवलेटर होंगे। उन्होंने कहा कि यह यात्रियों को दोनों स्टेशनों के बीच पहुंच भी प्रदान करेगा।

एक आधिकारिक बयान के अनुसार, एफओबी के लिए सभी 11 खंभे और पिलर कैप पूरे हो चुके हैं। इसके अतिरिक्त, 10 स्पैन के लिए आवश्यक सभी 40 गर्डरों को प्रीकास्ट कंक्रीट तकनीक का उपयोग करके ऑफ-साइट प्रीफैब्रिकेटेड किया गया था। बयान में कहा गया है कि इस तकनीक को अपनाने से प्रदूषण कम होने और सराय काले खां आरआरटीएस स्टेशन और हजरत निज़ामुद्दीन स्टेशन के बीच घनी आबादी वाले क्षेत्र में यातायात व्यवधान कम होने के साथ-साथ निर्माण की गति में वृद्धि हुई है।

बयान में कहा कि वर्तमान में, 24 गर्डरों वाले छह स्पैन सफलतापूर्वक लगा दिया गया है। 16 गर्डरों वाले शेष चार स्पैनों की लॉन्चिंग प्रक्रिया जल्द ही शुरू होगी। इसके अलावा, स्लैब की कंक्रीट कास्टिंग, जो स्थान पर की जा रही है, शुरू हो जाएगी शुरू भी हो चुका है। एफओबी को मई 2024 तक पूरा करने का लक्ष्य है।

बयान में कहा गया है कि इस अतिरिक्त सुविधा से महिलाओं, बुजुर्गों, बच्चों और विकलांग व्यक्तियों, विशेषकर भारी सामान ले जाने वाले यात्रियों सहित यात्रियों को काफी लाभ होने की उम्मीद है। एफओबी को अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुसार डिज़ाइन किया गया है, जिसमें छह ट्रैवलेटर हैं - प्रत्येक तरफ तीन। जो प्रति घंटे 12,000 यात्रियों को समायोजित करने में सक्षम है। बयान के अनुसार इसके अतिरिक्त, तीन मीटर चौड़ा पैदल मार्ग ट्रैवेलेटर्स के समानांतर चलेगा, जो उन यात्रियों की सुविधा के लिए होगा जो उनका उपयोग नहीं करना पसंद करते हैं।

इसमें कहा गया है कि सराय काले खां आरआरटीएस स्टेशन, जो मल्टी-मॉडल एकीकरण का केंद्र बनने जा रहा है, का निर्माण भी तेजी से चल रहा है। कॉनकोर्स और प्लेटफॉर्म स्तर पर निर्माण पूरा हो चुका है, और प्री-कास्ट गिट्टी रहित ट्रैक स्लैब बिछाए जा चुके हैं। बयान में कहा गया है कि वर्तमान में, स्टेशन की छत का निर्माण कार्य जारी है, प्री-इंजीनियर्ड बिल्डिंग संरचनाओं का निर्माण 50 से 60 प्रतिशत तक पूरा हो गया है। सराय काले खां आरआरटीएस स्टेशन 82 किमी लंबे दिल्ली-गाजियाबाद-मेरठ आरआरटीएस कॉरिडोर के सबसे बड़े स्टेशनों में से एक है। अपने मूल में मल्टी-मोडल एकीकरण के साथ, यह आरआरटीएस स्टेशन रणनीतिक रूप से दिल्ली मेट्रो (पिंक लाइन) स्टेशन, हज़रत निज़ामुद्दीन रेलवे स्टेशन और वीर हकीकत राय अंतर-राज्य बस टर्मिनस (आईएसबीटी) के करीब स्थित है। इसमें कहा गया है कि सराय काले खां आरआरटीएस स्टेशन पहले चरण के सभी तीन गलियारों-दिल्ली-पानीपत, एसएनबी-अलवर और दिल्ली-गाजियाबाद-मेरठ को जोड़ने वाले स्टेशन के रूप में काम करेगा।

युवक को चाकू घोपा, दो सगे भाई समेत तीन गिरफ्तार

● इलाके में वर्चस्व को लेकर दिया वारदात को अंजाम

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

मंगोलपुरी इलाके में एक युवक की हत्या की कोशिश की वारदात में शामिल दो सगे भाई और उनके भतीजे को अपराध शाखा पुलिस ने गिरफ्तार किया है।

आरोपियों की पहचान अस्मां,बलदेव और राज उर्फ गोल्डी उर्फ महेन्द्र के रूप में हुई है। तीनों आरोपी इलाके में अपना वर्चस्व कायम करना चाहते थे। आरोपी बलदेव अपने भाई आसमां के साथ मिलकर मंगोलपुरी इलाके में गैंग चलाता है। सुमित कुमार इलाके में अपना दबदबा बनाने की कोशिश कर रहा है। सुमित को सबक सिखाने के लिए 25 मार्च की शाम सात बजे दोनों ने अपने भतीजे राज उर्फ गोल्डी उर्फ महेन्द्र के साथ सुमित की गर्दन पर चाकू मार दिया।

आरोपी बलदेव परिवार के साथ मंगोलपुरी में रहता है। उसे पहली बार 2004 में झगड़े के एक मामले में गिरफ्तार किया गया था। इसके बाद उसने अपने साथियों के साथ अपराध करना शुरू कर दिया। वह एक दर्जन वारदातों में शामिल रहा है। जबकि उसका भाई आसमां पहली बार 2007 में झगड़े के एक मामले में गिरफ्तार हुआ था। वह नौ वारदातों को अंजाम दे चुका है।

गुरुग्राम की 31 बहुमंजिला सोसायटी में बनाए गए हैं 52 पोलिंग बूथ

हरियाणा में मतदान का प्रतिशत 75 प्रतिशत से अधिक करने का है लक्ष्य

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

गुरुग्राम में गगनचुंबीं इमारतों की सोसायटी।

ग्लोबल सिटी गुरुग्राम में लोकसभा चुनाव को लेकर 31 बहुमंजिला सोसायटी में पहली बार 52 पोलिंग बूथ बनाए गए हैं। 75 प्रतिशत से ज्यादा मतदान प्रतिशत बढ़ाने का लक्ष्य विभाग ने निर्धारित किया है। हरियाणा के मुख्य निर्वाचन अधिकारी अनुराग अग्रवाल ने रविवार को कहा कि 25 मई को हरियाणा में होने वाले लोकसभा आम चुनाव को लेकर तैयारी पूरी की जा रही है।

चुनाव प्रबंधों को लेकर समीक्षा बैठक में उन्होंने कहा कि आमतौर पर यह धारणा रहती है कि ग्लोबल सिटी गुरुग्राम जैसे शहरों की बहुमंजिला सोसायटी में साधन संपन्न व धनाढ्य व्यक्ति रहते हैं, जो मतदान के प्रति ज्यादा रुचि नहीं लेते हैं। इसलिए हमने पहली बार रेजिडेंट वेलफेयर सोसायटी से बातचीत कर सोसायटी में चुनाव बूथ बनाने की पहल की है, ताकि वे सोसायटी के अंदर ही मतदान कर सकें। इसके लिए अग्रवाल ने आरडब्ल्यूए सोसायटी के पदाधिकारियों का आभार व्यक्त किया है कि उन्होंने चुनाव का पर्व-देश का गर्व लोकतंत्र महोत्सव में भागीदारी दिखाई है। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि 76 बादशाहपुर विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत 22 सोसायटी में सर्वाधिक 35 चुनाव बूथ बनाए गए हैं, जबकि 77 गुडग़ांव विधानसभा में 8 सोसायटी में 16 बूथ तथा 78 सोहना विधानसभा क्षेत्र की एक सोसायटी में एक बूथ बनाया गया है।

उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग ने मतदाताओं की सुविधा के लिए 1950 हेल्पलाइन नंबर जारी किया है। मतदान से जुड़ी या आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन के बारे भी इस पर विभाग को जानकारी दी जा सकती है।

उन्होंने राजनीतिक पार्टियों व चुनाव लड़ रहे उम्मीदवारों से भी अपील की है कि वे आदर्श आचार संहिता का पालन करें और बिना किसी भेदभाव के लोगों को भी वोट के महत्व के बारे में जागरूक करें।

नेत्रहीन मतदाताओं की सुविधा के लिए एपिक कार्ड व फोटो वोटर स्लिप ब्रेल लिपि में होगी जारी

गुरुग्राम। निर्वाचन आयोग की ओर से नेत्रहीन दिव्यांग मतदाताओं की सुविधा के लिए एपिक कार्ड और फोटो वोटर स्लिप ब्रेल लिपि में छपवाई जाएगी। ब्रेल बैलेट पेपर तथा ईवीएम पर स्लिप की सुविधा भी उपलब्ध होगी। इसके अलावा दिव्यांग मतदाताओं को अनेक प्रकार की सुविधाएं उपलब्ध करवाई जा रही हैं, जिसमें व्हीलचेयर की व्यवस्था, मतदान केंद्रों में रैम्प और परिवहन की सुविधा शामिल है।

जिला उपायुक्त एवं निर्वाचन अधिकारी निशांत कुमार यादव के मुताबिक सभी दिव्यांग मतदाताओं को मतदान केंद्र तक लाने और वापस घर छोड़ने के लिए वाहन की सुविधा उपलब्ध करवाई जाएगी। जो मतदाता चलने में असमर्थ हैं, उन दिव्यांग मतदाताओं को व्हील चेयर भी उपलब्ध करवाई जाएगी। प्रत्येक मतदान केंद्र पर रैम्प की व्यवस्था भी की जाएगी। इसके साथ ही उनकी सहायता के लिए एनसीसी, एनएसएस और रेड क्रॉस वॉलंटियर्स की भी व्यवस्था की जाएगी।

न्यू वोटर विकसित भारत बनाने के लिए करें अपने पहले मत का प्रयोग : कमल यादव

न्यू वोटरों को पसंद आ रही हैं भाजपा की नीतियां: यादव

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

गांव बजघेड़ा के न्यू वोटर आदित्य राणा को भाजपा में सदस्यता देते जिला अध्यक्ष कमल यादव।

गांव बजघेड़ा से युवा न्यू वोटर आदित्य राणा ने जिलाध्यक्ष कमल यादव और गुरुग्राम लोक सभा प्रभारी पलवल से विधायक दीपक मंगला की अध्यक्षता में भारतीय जनता पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। आदित्य राणा ने कहा मेरा पहला वोट मोदी जी के नाम और काम को जाएगा।

राणा ने कहा कि जिला अध्यक्ष कमल यादव के कायज़ करने की शैली व सरल स्वभाव ने मुझे बहुत प्रभावित किया है, इसलिए भाजपा की सदस्यता ग्रहण की है। दीपक मंगला और कमल यादव ने न्यू वोटर आदित्य राणा का पटका पहनाकर भाजपा में स्वागत किया। जिला अध्यक्ष कमल यादव ने कहा कि भाजपा सिद्धांतों और आदर्शों पर आधारित राजनीतिक दल है। यह किसी परिवार, जाति या वर्ग विशेष की पार्टी नहीं है। उन्होंने कहा कि भाजपा ही एकमात्र ऐसी पार्टी है, जिसमें कार्यकर्ता ही अपनी मेहनत से शीर्ष पदों तक पहुंचते हैं।

उन्होंने कहा कि डबल इंजन सरकार ने 10 सालों में युवाओं को सशक्त बनाने की दिशा में अनेकों योजनाएं बनाई है, जिससे देश और प्रदेश के युवा काफी प्रभावित है। प्रधानमंत्री मोदी को पसंद करते हैं। कमल यादव ने नव मतदाताओं को भाग्यविधाता बताते हुए कहा कि देश के युवा ही भारत की तरक्की और विकसित भारत के लक्ष्य को आगे बढ़ाएंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी युवा शक्ति को सशक्त करने के लिए दिन रात काम कर रहे हैं। गुरुग्राम लोकसभा प्रभारी दीपक मंगला ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी की सोच युवाओं को नौकरी निर्माता बनाने की है। डबल इंजन की सरकार प्रधानमंत्री मुद्रा योजना के तहत उद्यमशीलता को बढ़ावा दे रही है। उन्होंने कहा कि देश के युवाओं के आत्मनिर्भर बनने से भारत आत्मनिर्भर बनेगा।

बारिश और ओलावृष्टि से खराब फसल का एसडीएम व अन्य अधिकारियों ने किया निरीक्षण

छह अप्रैल तक अपने फसल खराबे की रिपोर्ट ई-क्षतिपूर्ति पोर्टल पर अपलोड करवाएं किसान

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

गुरुग्राम के खेतों में बारिश व ओलावृष्टि से खराब फसल का निरीक्षण करतीं तहसीलदार रीटा ग्रोवर।

पटौदी के एसडीएम होशियार सिंह, तहसीलदार रीटा ग्रोवर व नायब तहसीलदार दिनेश कुमार ने ब्लॉक पटौदी के विभिन्न गांवो के खेतों में जाकर बारिश व ओलावृष्टि से प्रभावित फसलों का निरीक्षण किया।

डीसी निशांत कुमार यादव के दिशा निर्देशन में एसडीएम ने फसलों का मुआयना करने के बाद राजस्व विभाग के अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।एसडीएम ने बताया कि जिला के विभिन्न क्षेत्रों में 29 व 30 मार्च को हुई बेमौसम बरसात व ओलावृष्टि से किसानों की रबी की फसल को नुकसान पंहुचा है। जिसके चलते राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग की ओर से जारी दिशा निर्देशों में किसानों को उनकी फसल में हुए खराबे रिपार्ट ई-क्षति पूर्ति पोर्टल पर अपलोड करने को कहा गया है। एसडीएम ने बताया कि यह पोर्टल 6 अप्रैल तक खुला रहेगा।

वहीं पोर्टल पर केवल वही किसान अपनी रिपोर्ट अपलोड कर पाएंगे, जिन्होंने मेरी फसल मेरा ब्यौरा पोर्टल पर अपनी फसल का पंजीकरण कराया हुआ है। एसडीएम ने कहा कि अन्नदाता को किसी प्रकार की चिंता करने की जरूरत नहीं है।

साइबर ठगी होती है तो 1930 पर दें सूचना

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

धन वापस मिलने की होती है उम्मीद

अगर आपके साथ किसी भी माध्यम से साइबर ठगी होती है तो आप घबराएं नहीं। ठगी होते ही अपने दिमाग को शांत रखकर सीधे 1930 नंबर पर कॉल करके अपनी शिकायत दर्ज करा दें। तत्काल सूचना देने से ठगा गया धन वापसी की उम्मीद बढ़ जाती है।

सोशल मीडिया के दौर में बढ़ते साइबर वित्तीय धोखाधड़ी के मामलों को ध्यान में रखते डीसी निशांत कुमार यादव ने जिलावासियों से अपील करते हुए कहा कि वे ऐसे मामलों की तत्काल सूचना देने के लिए केंद्रीय गृह मंत्रालय द्वारा चलाई जा रही हेल्पलाइन नंबर 1930 पर संपर्क सकते हैं। डीसी ने कहा कि पिछले कुछ सालों से लोगों में ऑनलाइन शॉपिंग के बढ़ते क्रेज के कारण अक्सर लोग सोशल मीडिया पर बंपर डिस्काउंट, लॉटरी या फिर इनामी विज्ञापनों के झांसे में आ जाते हैं। ऐसे में पहले यह सुनिश्चित कर लें कि इस्तेमाल की जा रही वेबसाइट सुरक्षित है या नहीं। उन्होंने कहा कि अगर संभव है तो कोशिश करें कि ऑनलाइन साइट्स से सामान मंगवाते समय कैश ऑन डिलीवरी का ऑप्शन चुनें, ताकि आपकी बैंक और कार्ड डिटेल साइबर अपराधियों के हाथ न लग सके। यदि फिर भी किन्ही कारणों से आपके साथ

सांकेतिक तस्वीर।

किसी प्रकार की साइबर धोखाधड़ी होती है तो आप सबसे पहले हेल्पनाइन नंबर 1930 डायल करें। अपनी शिकायत को साइबर क्राइम रिपोर्टिंग पोर्टल पर दर्ज करें। डीसी ने जिला के युवाओं से अपील की है कि वे साइबर अपराधों से सावधान रहें और अपने परिवार के सदस्यों को भी जागरूक करें। उन्होंने कहा कि पहले साइबर फ्रॉड की सूचना के लिए 155260 हेल्पलाइन की सुविधा प्रदान की गई थी, लेकिन अब केंद्रीय गृह मंत्रालय द्वारा उपरोक्त नंबर की जगह 1930 हेल्पलाइन नंबर जारी किया गया है।

साइबर ठगी पर पुलिस स्टेशन जाने की जरूरत नहीं : साइबर धोखाधड़ी जैसे अपराध की रिपोर्ट करने के लिए पुलिस स्टेशन जाकर पारंपरिक तरीके से एफआईआर करवाना व उसकी जांच होना एक लंबी प्रक्रिया है। ऐसे में तुरंत कार्रवाई के लिए हेल्पलाइन का विकल्प सबसे सर्वोत्तम माध्यम है। उन्होंने कहा कि ऐसे मामलों की जितनी जल्दी सूचना दी जाए, उतना ही बढिय़ा, ताकि आगे की ट्रांजेक्शन को रोकने के लिए पीड़ित को त्वरित सहायता प्रदान की जाए।

तेज रफ्तार वाहन की चपेट में आने से व्यक्ति की मौत, केस दर्ज

तावडू। उपमंडल के अंतर्गत मोहम्मदपुर- सराय मार्ग पर गांव जफराबाद के समीप एक तेज रफ्तार ट्रेलर की पिकअप गाड़ी में टक्कर लगने से एक व्यक्ति की मृत्यु होने का मामला सामने आया है। सदर थाना पुलिस ने अज्ञात चालक के विरुद्ध केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक बीते शुक्रवार शाम सूचना मिली कि तावडू सराय मार्ग पर गांव जफराबाद के समीप एक दुर्घटना हुई थी। पुलिस मौके पर पहुंची जहां एक दुर्घटनाग्रस्त गाड़ी खड़ी थी। स्थानीय लोगों के मुताबिक हादसे में एक व्यक्ति की मौत हो चुकी थी।

फरीदाबाद के छात्र ने पूरे भारत में धूम मचाई

फरीदाबाद। देशभर में प्रसिद्ध दा स्टडी एंकर अकादमी के छात्र कणव सलूजा ने ऑल इंडिया लॉ इंट्रेंस टेस्ट-2024 में टॉप करते हुए दूसरा स्थान प्राप्त किया। उनका दाखिला नेशनल लॉ विश्वविद्यालय में सुनिश्चित हुआ है। कणव सलूजा ने इसका श्रेय अपने मेंटर मुदित चौधरी व सार्थक चौधरी को दिया है। इस वर्ष की स्टडी एंकर के फरीदाबाद एवं गुरुग्राम सेंटर से अनेक विद्यार्थियों ने देश की शीर्ष नेशनल लॉ विश्वविद्यालय में दाखिला पाया है। गत दिवस अपने फरीदाबाद दौरे के दौरान राज्यपाल हरियाणा बंडारू दत्रात्रेय ने कणव सलूजा तथा उनके मेंटर मुदित चौधरी एवं सार्थक चौधरी को सम्मानित किया। राज्यपाल ने कणव सलूजा एवं उनके सेंटर को हार्दिक बधाई व शुभकामनाएं भी दीं।

विश्वास कांवेंट सी.से. स्कूल का वार्षिक परीक्षा परिणाम घोषित

डबल धमाका देख बच्चों के साथ अभिभावक भी हुए दंग

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

विश्वास कांवेंट सी.से. स्कूल, ई-1331, सेक्टर-50, डबुआ कॉलोनी-फरीदाबाद का वार्षिक परीक्षा परिणाम घोषित किया गया। इसमें अभिभावकों एवं विद्यार्थियों की बहुत चहल-पहल रही। साथ ही स्कूल का स्टॉफ भी अलग अंदाज में नजर आया। सभी विद्यार्थी अपना परीक्षा परिणाम प्राप्त करने के लिए उत्सुक दिखाई दिए। अपनी-अपनी कक्षा में प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान पर रहने वाले विद्यार्थियों को पुरस्कार वितरित किए गए।

इस बार बच्चों को रिपोर्ट कार्ड और वर्षों की अपेक्षा अलग प्रकार के दिए गए तथा पुरस्कार वितरण भी कान्हा जी से कराया गया। इस डबल धमाके को देखकर बच्चों के साथ अभिभावक भी दंग रह गए।

इस अवसर पर बच्चों एवं अभिभावकों के लिए विशेष खान पान का भी प्रबंध किया गया। बच्चों के साथ बच्चों के अभिभावकों ने भी स्कूल स्टॉफ और स्कूल प्रबंधन की खूब प्रशंसा की। स्कूल की प्रिंसिपल ज्योति गुप्ता और स्कूल के चेयरमैन प्रदीप गुप्ता ने बताया कि बच्चों के साथ पूरी लगन से पढ़ाई कराने के लिए स्कूल स्टॉफ हमेशा तैयार रहता है और समय-समय पर पढ़ाई में कमजोर बच्चों को स्कूल में जो पढ़ाई का समय होता है उससे अलग समय देकर पढ़ाई कराई जाती है जिससे पढ़ाई में कमजोर बच्चे अन्य बच्चों के साथ-साथ अच्छे अंक लाकर स्कूल को गौरान्वित करते हैं। साथ ही उन्होंने विद्यार्थियों के साथ अपने स्कूल स्टॉफ को भी शुभकामनाएं दीं।

रैली में उमड़ा जन सैलाब इंडिया गठबंधन की जीत का बनेगा गवाह : पंकज डावर

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

वरिष्ठ कांग्रेसी नेता पंकज डावर के नेतृत्व में एकजुट होकर दिल्ली के रामलीला मैदान में होने वाली रैली में शामिल होने के लिए रवाना होते कांग्रेसी कार्यकर्ता।

दिल्ली के रामलीला मैदान में इंडिया गठबंधन की हुई रैली को सफल बनाने के लिए गुरुग्राम के कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने अपनी पूरी ताकत झोंक दी। यहां सेक्टर 31 में गुरुग्राम के वरिष्ठ कांग्रेसी नेता पंकज डावर के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने एकजुट होकर अनेक वाहनों में सवार होकर दिल्ली के रामलीला मैदान के लिए रवाना हुए।

इस मौके पर कार्यकर्ताओं ने कांग्रेस के पक्ष में जमकर नारेबाजी भी की दिल्ली में हुई महागठबंधन की रैली को सफल बताते हुए पंकज डावर ने कहा कि आज दिल्ली के रामलीला मैदान में लाखों की संख्या में देश की जनता ने एकजुट होकर यह बता दिया है कि अब देश में देश के कानून बदलने वाले सोच रखने वालों को सत्ता में नहीं रहने दिया जाएगा आज देश के जो हालात है सब कुछ जनता के सामने है महंगाई भ्रष्टाचार बेरोजगारी से आम जनता त्राहि त्राहि कर रही है।

भाजपा की मोदी सरकार ने झूठे वादे करके देश में दो बार सत्ता हासिल की, लेकिन अब उनके झूठ पकड़े जा रहे हैं कि किस तरह इस पार्टी ने सरकारी एजेंसियों का दुरुपयोग करके विपक्ष को तोड़ने का हथकंडा अपनाया। जिस विपक्षी पार्टी ने इनके खिलाफ आवाज उठाई उसे आज जेल में पहुंचने के लिए सरकारी एजेंसियों का दुरुपयोग किया गया। यह सब जनता के समझ में आ गया है।

इसलिए आज लाखों की संख्या में देश की जनता ने एकजुटता दिखाते हुए दिल्ली के रामलीला मैदान से चुनावी बिगुल फूंक दिया है। इस मौके पर मुख्य रूप से वरिष्ठ कांग्रेस नेता जयसिंह हुड्डा , समाजसेवी मुकेश सिंगला,महेश कटारिया,राजीव यादव,कृष्ण वाल्मीकि,समीम खान,सुनील प्रकाश, मनोज अहूजा, शमशेर मुलाहेड़ा, योगेंद्र समसपुर, सुरेंद्र सिंह, राकेश चौधरी, संदीप, हर्षित, अनिकेत ,रमन वर्मा रविंद्र तंवर, चुन्नीलाल प्रधान, राकेश बैरवा, जितेंद्र गोमा उपाध्यक्ष अखिल भारतीय बैरवा महासभा हरियाणा, संजय झाड़सा, विशाल सूरत नगर, गौरव पुंडीर,रेखा यादव ,सतवीर राणा, बी. आर पंत, ब्रह्मानंद, शकील मास्टर, मोहित सिंह, रशिद खान, मुकेश सूरत नगरिया सौरभ देशवाल, शिवा, हिमांशु शर्मा, मदन जयसवाल, उमेश गूगलानी,विशाल सूरत नगरिया, गौरव यादव, हेमू भाटी, तपेश दायमा सुंदर नागर, जीतू तंवर, देव तंवर, निशांत नागर, संजू भाटी, सौरभ ठाकुर आदि मौजूद रहे।

एनसीआर में रियल एस्टेट सेक्टर और जॉब क्रिएशन पर द्वारका एक्सप्रेसवे का प्रभाव

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

द्वारका एक्सप्रेसवे, भारत के राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट है, जो रियल एस्टेट क्षेत्र को महत्वपूर्ण लाभ पहुंचाने और रोजगार के पर्याप्त अवसर पैदा करने के लिए तैयार है। लगभग 29 किलोमीटर तक फैला यह एक्सप्रेसवे दिल्ली के द्वारका को हरियाणा के गुरुग्राम से जोड़ता है, जो इन दो प्रमुख शहरी केंद्रों के बीच एक महत्वपूर्ण कड़ी के रूप में कार्य करता है। द्वारका एक्सप्रेसवे द्वारा रियल एस्टेट क्षेत्र को प्रभावित करने की उम्मीद की जाने वाली प्राथमिक तरीकों में से एक बढ़ी हुई कनेक्टिविटी है।

बेहतर कनेक्टिविटी अक्सर रियल एस्टेट विकास के लिए उत्प्रेरक होती है, क्योंकि यह निवेश और निवास के लिए पहले से दुर्गम या अविकसित क्षेत्रों को खोलती है। एक्सप्रेसवे के बन जाने से, दिल्ली और गुरुग्राम के बीच आवागमन तेज और अधिक सुविधाजनक हो जाएगा, जिससे मार्ग के आसपास के क्षेत्र आवासीय और वाणिज्यिक उद्देश्यों के लिए अधिक आकर्षक हो जाएंगे। इस बढ़ी हुई मांग से एक्सप्रेसवे कॉरिडोर के साथ रेजिडेंशियल प्रोजेक्ट्स, कमर्शियल सेंटर्स और रिटेल के विकास को बढ़ावा मिलने की संभावना है। इसके अलावा, द्वारका एक्सप्रेसवे से आसपास के क्षेत्रों में प्रॉपर्टी रेट को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है। अच्छी तरह से जुड़े परिवहन मार्गों के पास स्थित संपत्तियों की पहुंच और सुविधा के कारण कीमतें अधिक होती हैं। परिणामस्वरूप, एक्सप्रेसवे कॉरिडोर के साथ मौजूदा संपत्ति मालिकों को अपने इन्वेस्टमेंट के मूल्य में सराहना मिल सकती है, जबकि डेवलपर्स इन मांग वाले स्थानों में नए प्रोजेक्ट्स शुरू करने के अवसर का लाभ उठा सकते हैं। द्वारका एक्सप्रेसवे का उद्घाटन आधुनिकीकरण के प्रति प्रतिबद्धता का प्रतीक है, जो भारत को सतत विकास की दृष्टि वाले राष्ट्र के रूप में स्थापित करता है। चूंकि नागरिकों के अनुभव ने आवागमन के समय को कम कर दिया है और कनेक्टिविटी में सुधार किया है, इसलिए द्वारका एक्सप्रेसवे सशक्तिकरण का प्रतीक बन गया है, जिससे लाखों लोगों के जीवन की गुणवत्ता में वृद्धि हुई है। आर्थिक रूप से, एक्सप्रेस-वे स्थानीय अर्थव्यवस्थाओं को उत्तेजित करते हुए रोजगार सृजन और व्यापार विस्तार को उत्प्रेरित करता है। रियल एस्टेट क्षेत्र में तेजी देखी जा रही है।

भिवानी की टीम ने रोहतक की टीम को 2-0 से हराकर फुटबॉल चैंपियनशिप जीती

गुरुग्राम। सीनियर राज्य स्तरीय महिला फुटबाल चैंपियनशिप में अपने-अपने पूल से सभी मैच जीतते हुए सेमीफाइनल में रोहतक का मुकाबला हिसार से हुआ, जिसमें रोहतक की टीम टाई ब्रेकर में 5-4 से विजेता रही। विजेता टीम ने फाइनल में जगह पक्की कर ली।

फुटबॉल मैच में चैंपियन बनीं भिवानी की टीम को सम्मानित करते अतिथि।

दूसरे सेमीफाइनल में भिवानी का मुकाबला रेवाड़ी से हुआ, जिसमें भिवानी की टीम ने 3-0 से जीत कर फाइनल में जगह बनाई। फाइनल मुकाबला भिवानी के साथ रोहतक का हुआ। भिवानी की टीम ने 2-0 से जीत हासिल की। फाइनल मुकाबला खेल परिसर खेड़ला गांव के फुटबॉल मैदान में करवाया गया। समापन समारोह में मुख्य अतिथि हरियाणा के खेल राज्य मंत्री संजय सिंह व विशिष्ट अतिथि दिनेश शर्मा हरियाणा हाउसिंग बोर्ड के चेयरमैन रहे। अध्यक्षता हरियाणा फुटबॉल एसोसिएशन के प्रधान सूरज पाल अम्मू ने की। प्रतियोगिता में हरियाणा राज्य से 20 जिलों की टीमों ने भाग लिया। मैच के दौरान हरियाणा फुटबाल एसोसिएशन की महासचिव शेफाली नांगल, गुरुग्राम विकास प्राधिकरण से सुनील भारद्वाज, पूर्व उपनिदेशक परसराम, खेल विभाग से उपनिदेशक गिर्राज, जिला खेल अधिकारी रामनिवास, फुटबाल कोच जरनैल सिंह, भागीरथ राघव व हरियाणा फुटबाल एसोसिएशन के पदाधिकारी भी मौजूद रहे।

पीरियल ब्लू सुपरहिट नाइट्स में बी प्राक की धुन पर झूमा गुरुग्राम

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

जनरल मैनेजर इशविंदर सिंह ने कहा, गुरुग्राम जैसी वाइब्रेंट सिटी में इस शानदार आयोजन के लिए बी प्राक से गठजोड़ को लेकर हम रोमांचित हैं। उनका शानदार प्रदर्शन हमारे दर्शकों के उत्साह के अनुरूप था, जिसने पूरे माहौल को जोश से भर दिया। इंपीरियल ब्लू में हम अद्वितीय म्यूजिक एवं एंटरटेनमेंट के लिए प्रतिबद्ध हैं, जो हमारे उपभोक्ताओं की भावनाओं के अनुरूप है। एक ब्रांड के तौर पर हमें इस तरह के आयोजन का गर्व है, जो जीवन को मुस्कान के साथ गले लगाने की इंपीरियल ब्लू की फिलॉसफी के ही अनुरूप है। इस कार्यक्रम को लेकर बी प्राक ने कहा, इस यादगार पल के लिए इंपीरियल सुपरहिट नाइट्स के साथ गठजोड़ का अनुभव शानदार रहा है। दर्शकों का उत्साह देखने लायक था और मैं खुद को उनके उत्साह का हिस्सा बनने से नहीं रोक पाया। ऐसे आयोजन म्यूजिक के लिए मेरे उत्साह को ताकत देते हैं। संगीत मेरे लिए लोगों से जुड़ने का तरीका है। अपने प्रशंसकों के लिए परफॉर्म करना हमेशा से मेरे लिए खुशी की बात रही है और मैं इस समर्थन के लिए उनका आभारी हूं। इस प्रोजेक्ट से जुड़ा अनुभव मेरे लिए खास है, क्योंकि मैं भी जीवन को मुस्कुराते हुए गले लगाने की ब्रांड की फिलॉसफी को दिल से मानता हूं। इंपीरियल ब्लू सुपरहिट नाइट्स टॉप-टियर म्यूजिकल एक्सपीरियंस की पर्यायवाची बन गई है, जिसमें इस उद्योग के कुछ बड़े नाम शिरकत करते हैं। हर आयोजन के साथ इंपीरियल ब्लू अपने स्तर को ऊंचा उठा रहा है और भारत में लाइव एंटरटेनमेंट के नए मानक स्थापित कर रहा है।

गुरुग्राम निवासियों के लिए इंपीरियल ब्लू सुपरहिट नाइट्स शानदार जश्न का मौका लेकर आई। इंपीरियल ब्लू सुपरहिट नाइट्स के दौरान 30 मार्च को बी प्राक ने शानदार परफॉर्मेंस दी।

कार्यक्रम का आयोजन हुडा जिमखाना क्लब में किया गया। यहां दिल्ली एनसीआर के संगीत के दीवानों ने बड़ी संख्या में हिस्सा लिया। बी प्राक को अपनी शानदार आवाज और चार्ट-टॉपिंग हिट्स के लिए जाना जाता है। कार्यक्रम के दौरान बी प्राक ने दर्शकों को अपने प्रदर्शन से बांध लिया। पूरा माहौल उत्साह से भर गया और प्रशंसक भी उनके साथ गाने लगे। इंपीरियल ब्लू सुपरहिट नाइट्स को बेहतरीन लाइव म्यूजिक एक्सपीरियंस के लिए जाना जाता है। एक बार फिर इसने एंटरटेनमेंट के क्षेत्र में नया मानक बना दिया है। बी प्राक के साथ गठजोड़ इसके प्रयासों की दिशा में एक बड़ी उपलब्धि है। परनॉड रिकार्ड इंडिया के

पुश क्रिकेट अकादमी ने आरएस अकादमी को दी मात

अनिंदो नहारय बने मैन ऑफ दा मैच

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

ऑल इंडिया रविंदर फागना-17 क्रिकेट टूर्नामेंट 2023-24 क्वार्टर फाइनल मैच रविंदर फागना क्रिकेट भूमि ग्राउंड फरीदाबाद पर खेला गया। यह मैच पुश क्रिकेट अकादमी और आरएस क्रिकेट अकादमी के बीच खेला गया। इस मैच में पुश क्रिकेट अकादमी ने आरएस क्रिकेट अकादमी को आठ विकेट से हराया। यह मैच 40 ओवर का था और पुश क्रिकेट अकादमी ने पहले टॉस जीतकर फील्डिंग करने का निर्णय लिया। आरएस क्रिकेट अकादमी ने पहले बैटिंग करते हुए 32.5 ओवर में 10 विकेट के नुकसान पर 126 रन का लक्ष्य दिया। आरएस क्रिकेट अकादमी की ओर से बल्लेबाजी करते हुए अनिकेत सिंह ने 35 गेंदों पर चार चौकों की मदद से 25 रन, आराध्य गुप्ता ने 32 गेंदों पर तीन चौकों की मदद से 19 रन बनाए। पुश क्रिकेट अकादमी की ओर से गेंदबाजी करते हुए कुशाग्र, समर, शिवन और अक्षत पाराशर ने 2/2 विकेट, हर्षवर्धन फोगाट ने सात ओवर में दो मैडेन 12 रन देकर एक विकेट हासिल किया। इस लक्ष्य का पीछा करते हुए पुश क्रिकेट अकादमी 18 ओवर में दो विकेट खोकर 131 रन बनाकर जीत गई। पुश क्रिकेट अकादमी की ओर से अनिंदो नहारय ने 29 गेंदों पर नौ चौकों और दो छक्कों की मदद से 53 रन नृपेश ठाकुर ने 28 गेंदों पर आठ चौकों की मदद से 35 रन बनाए। आर एस क्रिकेट अकादमी की ओर से गेंदबाजी करते हुए आर्यन त्रिपाठी ने पांच ओवर में एक में एक मैडेन 32 रन देकर दो विकेट हासिल किया। इस मैच का मैन ऑफ दा मैच अनिंदो नहारय व फाइटर ऑफ द मैच आर्यन त्रिपाठी को घोषित किया गया। पुश क्रिकेट अकादमी ने आरएस क्रिकेट अकादमी को क्वार्टर फाइनल मैच आठ विकेट से हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया। इस मैच का मैन ऑफ दा मैच अनिंदो नहारय को घोषित किया गया।

साइबर ठगी के आरोपी को किया गिरफ्तार

पलवल। साइबर क्राइम थाना पलवल पुलिस ने साइबर ठगी मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस मामले की गहराई से जांच कर रही है। साइबर क्राइम थाना पलवल प्रभारी निरीक्षक नवीन कुमार के अनुसार साइबर थाना में तैनात हेड कांस्टेबल देवी साइबर क्राइम के प्रतिबिंब पोर्टल एप की निगरानी करते हैं। इस एप पर साइबर अपराध करने वाले संदिग्ध अपराधियों के मोबाइल नंबरों को दर्शाया जाता है। उसे कुछ दिनों पहले एप पर साइबर अपराधी का नंबर मिला था। यह साइबर ठगी करने वाला नंबर पलवल जिला में एक्टिव था। उक्त नंबर के विरुद्ध उन्हें शिकायत मिली थी।

संक्षिप्त समाचार

999 टेलीकॉम पर फायरिंग मामले में दो आरोपी गिरफ्तार

पलवल। एसपी पलवल डॉक्टर अंशु सिंगला के नेतृत्व में पुलिस ने 24 घंटे के अंदर 999 टेलीकॉम पर फायरिंग मामले में शामिल दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। डीएसपी दिनेश यादव के अनुसार पांच आरोपी ने सुबह करीब 9.30 पर आगरा चौक पलवल निकट स्थित 999 टेलीकॉम दुकान पर फायरिंग कर फरार हो गए थे। जिस संबंध में आरोपियों के विरुद्ध आईपीसी एवं शस्त्र अधिनियम की संबंधित धाराओ के तहत मामला दर्ज किया गया। वारदात की सूचना मिलते ही जिला पुलिस अधीक्षक डॉ. अंशु सिंगला भी मौके पर पहुंची और हालात का जायजा लेकर बदमाशों की जल्द धर पकड़ बारे दिशा निर्देश दिए। एसपी के निर्देशन में कार्य करते हुए पुलिस ने 24 घंटे के अंदर ही वारदात में शामिल दो आरोपियों को धर दबोचा, जिन्हें अदालत में पेश कर चार दिन के पुलिस रिमांड पर लिया गया है। आरोपियों से गहनता से पूछताछ जारी है। मामले में फरार तथा इस वारदात से जुड़े किसी भी आरोपी को बख्शा नहीं जाएगा, सभी आरोपी जल्द ही पुलिस की गिरफ्त में होंगे।

अतिथि अध्यापकों की सेवानिवृति पर संघ ने किया सम्मान

फरीदाबाद। सत्र की समाप्ति पर जिले में अतिथि अध्यापकों की सेवानिवृति की झड़ी लग गई। लंबी सेवा के बाद अतिथियों की सेवानिवृत होने लगे हैं, लेकिन सेवानिवृति पर खाली हाथ ही घर लौटना एक अध्यापक के लिए दुर्भाग्यपूर्ण है। विदित हो कि प्रदेश के सरकारी विद्यालयों में लगभग बीस साल से सेवा दे रहे अतिथि अध्यापक सेवानिवृत होने लगे हैं। प्रदेश की भाजपा सरकार ने अपने 2014 के घोषणा-पत्र में नियमित करने के वायदे के बावजूद अतिथि अध्यापकों को आज-तक कोई सुविधा प्रदान नहीं की है। राजकीय अतिथि अध्यापक संघ फरीदाबाद के जिला प्रधान रघु वत्स ने बताया कि मार्च मास के अंतिम दिन जिले से चार अतिथि अध्यापक सेवानिवृत हो गए। संघ के पदाधिकारियों ने अध्यापकों के विद्यालयों में पहुंच कर सभी अतिथि अध्यापकों को माला पहना कर व प्रशस्ति-पत्र भेंट कर सम्मानित किया। इसी के साथ सरकार से मांग करते हुए आग्रह किया कि अतिथि अध्यापक सेवानिवृत होने लगे हैं। नियमित अध्यापकों की भांति अतिथियों को भी सभी सुविधाएं दी जाएं, जिससे एक अध्यापक का सम्मान हो सके। जिले में राजकीय व-मा विद्यालय फतेहपुर तगा से किरण बाई जेबीटी, राजकीय उच्च विद्यालय करनेरा से माला सोलंकी हिंदी अध्यापिका, राजकीय प्राथमिक विद्यालय डबुआ कॉलोनी से क्षेत्रपाल गुप्ता जेबीटी और राजकीय उच्च विद्यालय जुन्हैड़ा से जवाहर लाल गणित अध्यापक के पद से सेवानिवृत हो गए। संघ द्वारा सभी अध्यापकों का सम्मान किया गया। इस अवसर पर पूर्व विधायक नगेंद्र भड़ाना, प्रिंसिपल सतीश चौधरी, जिला प्रधान रघु वत्स, जिला उपाध्यक्ष विजयपाल नरवाल, भागीरथ शास्त्री, ब्लॉक प्रधान सुन्दर भड़ाना, मनोज शास्त्री, हरी सिंह, वीरेन्द्र कुमार, विनोद कुमार, दिनेश कुमार, सतेंद्र त्यागी, मोहन सोलंकी, जगदीश चंद, राजेश कुमार, रमेश कुमार, देवदत्त, सुतेश कुमार, सुभाष चंद, अमर सिंह, पारूल गुप्ता, विवेक कौशिक, मनिका, ऊषा रानी, नीरज, निकिता, नीरू सौरोत, रश्मी दत्ता, राज रानी, ममता, अतिथि अध्यापक विशेष रूप से उपस्थित रहे।

इंडिया गठबंधन रैली में फरीदाबाद से दिल्ली पहुंची भीड़

फरीदाबाद। इंडिया गठबंधन रैली में शामिल होने के लिए पूरे देश से कांग्रेस

नेता दिल्ली पहुंचे। फरीदाबाद क्षेत्र से कांग्रेस के वरिष्ठ नेता विजय प्रताप अपने काफिले के साथ दिल्ली रवाना हुए। लोकतंत्र बचाओ महारैली में पहुंचने के लिए सुबह से ही फरीदाबाद से कांग्रेस के नेता और कार्यकर्ता तैयारी की थी। विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' की रविवार को दिल्ली में मेगा रैली हुई। दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी सहित कई मुद्दों को लेकर विपक्ष रामलीला मैदान में महारैली का आयोजन किया। इस रैली के जरिये विपक्ष सरकार पर सबसे बड़ा हमला करने की कोशिश थी। कांग्रेस के नेता विजय प्रताप भी फरीदाबाद से अपनी टीम को लेकर इस रैली में पहुंचे। उन्होंने कहा कि झारखंड के पूर्व सीएम पर केंद्रीय एजेंसियों की कार्रवाई, हेमंत सोरेन, दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी समेत कई और मुद्दों को लेकर विपक्ष बड़ा आंदोलन कर रहा है। उनका कहना है कि इंडिया गठबंधन के नेता एकत्रित हो रहे हैं और वे चेता रहे हैं कि किस तरीके से मोदी सरकार लोकतंत्र की आवाज दबाने की कोशिश कर रही है। जिन केंपनियों पर ईडी की रेड पड़ी, उन कंपनियों से चंदा लेकर बेल पर छोड़ दिया गया। उन्होंने कहा कि यह कही ना कहीं इसलिए हो रहा है कि कोई भी व्यक्ति यदि लोकतंत्र पर बोलेगा तो उसको जेल के अंदर कर दिया जाएगा। अब हालात ऐसे हो गए है जैसे अंग्रेजी शासन में थे। संविधान को बदलने नहीं दिया जाएगा इसको लेकर ही आज बड़ी रैली होगी।

किडनी मरीज डॉक्टर की सलाह से ही करें पानी का सेवन

फरीदाबाद। सेक्टर-16 स्थित मैरिंगो एशिया अस्पातल में किडनी से जुड़े रोगों पर नि:शुल्क हेल्थ चेकअप कैंप का आयोजन किया गया। इसमें करीब 117 लोगों ने अपनी जांच कराई। इस दौरान मैरिंगो एशिया अस्पताल से नेफ्रोलॉजी एवं किडनी ट्रांसप्लांट मेडिसिन विभाग के डायरेक्टर डॉ. श्रीराम काबरा ने हेल्थ कैंप में आये लोगों की किडनी से जुड़े रोगों की ठीक से जांच की और बिना किसी शुल्क के परामर्श किया। किडनी एवं डायलिसिस मरीजों के लिए पानी के सेवन पर महत्वपूर्ण जानकारी देते हुए डॉ. श्रीराम काबरा ने कहा कि गर्मियों का मौसम आ गया है। इस मौसम में अक्सर पानी ज्यादा पिया जाता है। हमारे शरीर का 60 प्रतिशत हिस्सा पानी है। पानी पीना हमारे लिए बहुत जरूरी है, क्योंकि यह शरीर से वेस्ट पदार्थ को बाहर निकालने के लिए भी आवश्यक है। अगर शरीर में पानी होगा तो किडनी को बहुत अच्छी ब्लड सप्लाई होगी और ब्लड प्रेशर भी ठीक रहेगा। पानी की जरूरत व्यक्ति की उम्र, हेल्थ कंडीशन पर निर्भर करती है। अगर किडनी फेलियर मरीज रोजाना डेढ़-दो लीटर पेशाब कर रहे हैं तो उन्हें उतनी ही मात्रा में तरल पदार्थों जैसे पानी, चाय, छाछ, दूध का सेवन करना चाहिए। अगर आपको पैरों में सूजन नहीं है, सांस की कोई समस्या नहीं है तो एक बार अपना यूरिन आउटपुट चेक करा लें। जितना यूरिन आ रहा है उतना ही मात्रा में लिक्विड लेना चाहिए। जिन मरीजों के पैरों में बार-बार सूजन आती है, सांस फूलती है और साथ में हार्ट फेलियर के मरीज हैं, उनका जितना पेशाब आ रहा है, उससे आधा लीटर कम लिक्विड (तरल पदार्थों) का सेवन करना चाहिए, अन्यथा पैरों में सूजन और सांस फूलने की समस्या रह सकती है। डायलिसिस करा रहे कुछ मरीजों को यूरिन आउटपुट दो लीटर आता रहता है तो वे उतना पानी नहीं ले सकते।

अभिभावकों से मतदाताओं को प्रेरित करने पर चर्चा

फरीदाबाद। जिला निर्वाचन अधिकारी विक्रम सिंह के दिशा-निर्देश पर भारत निर्वाचन आयोग की हिदायतों के अनुसार सीईओ जिला परिषद सतबीर मान के कुशल मार्गदर्शन में विद्यालय प्रबंधन समिति बैठक आयोजित की गई। जिसमें विद्यालय प्रबंधन समिति का मतदान प्रतिशत बढ़ाने पर पीटीएम के दौरान अभिभावकों के संग बैठक कर चुनावों में सौ फीसदी मतदान के लिए मतदाताओं को प्रेरित करने के लिए चर्चा की गई। राजकीय आदर्श वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय सराय ख्वाजा में प्राचार्य रविंद्र कुमार मनचंदा द्वारा विद्यालय प्रबंधन समिति द्वारा चतुर्थ त्रैमासिक बैठक में जिला निर्वाचन अधिकारी एवं डीसी विक्रम सिंह के निर्देशानुसार ड्रॉप आउट शून्य करने, प्रवेश उत्सव मनाने आदि पर चर्चा की।

लाखों रुपये की अवैध शराब सहित तीन तस्कर गिरफ्तार

पायनियर समाचार सेवा। पलवल

पुलिस ने अलग अलग स्थानों से लाखों रुपये की अवैध शराब बरामद कर तीन तस्करों को गिरफ्तार किया है। डिटेक्टिव स्टाफ पलवल प्रभारी उप निरीक्षक तेजपाल सिंह की टीम में तैनात हेड कांस्टेबल इरफान ने सूचना के आधार पर थाना गदपुरी पलवल क्षेत्र अंतर्गत गांव जनौली निवासी युवक की प्लांट में बने कमरे में तलाशी के दौरान देसी एवं अंग्रेजी शराब की विभिन्न प्रकार की 22 पेटी शराब बरामद कीं। आरोपी पुलिस की भनक पाकर मौके से फरार हो गया, मामले में आरोपी की पत्नी की भी संलिप्तता पाई गई है। आरोपी जल्द ही पुलिस की गिरफ्त में होंगे, जिनके संभावित ठिकानों पर दबीश जारी है। दूसरे मामले में थाना गदपुरी अंतर्गत चौकी धतीर में तैनात सहायक उप निरीक्षक महिपाल ने गांव धतिर निवासी आरोपी को गांव से ही 44 पव्वा अवैध देसी शराब मार्का मस्ताना सहित धर दबोचा। इसी प्रकार तीसरे मामले में क्राइम ब्रांच होडल प्रभारी निरीक्षक रविंद्र कुमार की टीम में तैनात हेड कांस्टेबल सुंदर ने उमराला रोड होडल पर नाकाबंदी कर कोसीकलां यूपी निवासी आरोपी को 150 पव्वा अवैध देसी शराब सहित धर दबोचा। चौथे मामले में होडल थाना में तैनात उप निरीक्षक रमेश कुमार ने नया नंगला होडल निवासी आरोपी को काबू किया।

दिव्यांगजनों के बास्केटबॉल टूर्नामेंट में दिल्ली की टीम रही विजेता

मुख्य अतिथि के रूप में केंद्रीय राज्यमंत्री कृष्णपाल गुर्जर ने की शिरकत

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

स्पेशल अचीवर्स ट्रस्ट द्वारा सेक्टर-88 स्थित एसआरएस इंटरनेशल स्कूल में दिव्यांगोंजनों के दो दिवसीय बास्केटबॉल टूर्नामेंट का आयोजन किया गया। टूर्नामेंट का शुभारंभ मुख्यातिथि केंद्रीय राज्य मंत्री कृष्णपाल गुर्जर ने दीप प्रज्ज्वलन करके किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्व हिंदू परिषद के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष कपिल खन्ना ने की, जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में प्रदेश की शिक्षा मंत्री सीमा त्रिखा उपस्थित रहीं। स्पेशल अचीवर्स ट्रस्ट की चेयरपर्सन माधवी हंस ने सभी अतिथियों का पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया।

इस अवसर पर एसआरएस इंटरनेशनल स्कूल के मैनेजिंग डायरेक्टर विनय गोयल, भाजपा के जिलाध्यक्ष राजकुमार वोहरा, जयप्रकाश नोटियाल द्रोणाचार्य अवार्डी पैरा शूटिंग, सुभाष राणा नेशनल कोच इंडिया पैरा शूटिंग टीम भी विशेष रूप से उपस्थित रहे। स्पेशल अचीवर्स ट्रस्ट के ट्रस्टी पंकज हंस, टोनी पहलवान, अशोक ढुल, गगन हंस, हरबीर वैष्णव, मनोरंजन तिवारी, रोहित चौधरी व हरी पिलानिया आदि ने टूर्नामेंट के संचालन में अहम योगदान दिया। कार्यक्रम का संचालन बृजमोहन भारद्वाज द्वारा किया गया। इस अवसर पर मुख्यातिथि कृष्णपाल गुर्जर ने स्पेशल अचीवर्स ट्रस्ट की सराहना करते हुए कहा कि दिव्यांगजनों के लिए इस तरह के खेलों का आयोजन सराहनीय कार्य है, जिसके लिए सभी समर्थजनों द्वारा आगे बढ़कर उनका मनोबल बढ़ाना चाहिए।

वहीं विशिष्ट अतिथि प्रदेश की शिक्षा मंत्री सीमा त्रिखा ने कहा कि हरियाणा सरकार व केंद्र की मोदी सरकार दिव्यांगजनों के लिए अनेक कल्याणकारी योजनाएं चला रही है, ताकि दिव्यांगजन भी देश की उन्नति में अपना भरपूर योगदान दे सकें तथा सभी के साथ कंधे से कंधा मिलाकर अपना जीवन-यापन कर सकें।

टूर्नामेंट के प्रथम दिन पहला मैच दिल्ली व हरियाणा के बीच खेला गया, जिसमें विजेता दिल्ली की टीम रही। दिल्ली का स्कोर 45 रहा, जबकि हरियाणा नौ अंक ही हासिल कर सका। दूसरा मैच उत्तर प्रदेश व मध्य प्रदेश में हुआ। मुकाबले का विजेता मध्य प्रदेश रहा, जिसने 20 अंक हासिल किये, जबकि उत्तर प्रदेश का स्कोर शून्य रहा। तीसरा मैच हरियाणा व मध्य प्रदेश के बीच हुआ। विजेता मध्य प्रदेश ने 28 अंक हासिल किये जबकि हरियाणा छह अंक ही जुटा सका। चौथा मैच दिल्ली व उत्तर प्रदेश के बीच खेला गया।

आम चुनाव को लेकर जिला शिकायत समिति का गठन

पलवल। जिला निर्वाचन अधिकारी एवं जिला उपायुक्त नेहा सिंह ने बताया कि जिला प्रशासन द्वारा आम लोकसभा चुनाव 2024 के सुचारू संचालन के लिए फ्लाइंग स्क्वायड टीम, स्टेटिक सर्विलांस टीम, वीडियो निगरानी टीम व वीडियो देखने वाली टीमों का गठन पहले ही किया जा चुका है। वहीं अब भारत निर्वाचन आयोग से प्राप्त आदेश अनुसार आमजन को असुविधा से बचाने और उनकी शिकायतों के निवारण के लिए जिला शिकायत समिति का गठन किया गया है। इसमें पलवल जिला परिषद के सीईओ, चुनाव व्यय-सह- आबकारी एवं कराधान विभाग पलवल के नोडल अधिकारी और पलवल कोष कार्यालय के सहायक को इस समिति में शामिल किया गया है। यह जिला शिकायत समिति जब्त की गई नकदी के संबंध में उनकी शिकायत, यदि कोई हो तो उसके बारे में जानकारी प्राप्त करेगी।

आंगनबाड़ी में दांतों की बीमारियों से बचने के लिए किया जागरूक

पलवल। राष्ट्रीय मुख स्वास्थ्य कार्यक्रम के तत्वावधान में कालड़ा कॉलोनी पलवल स्थित सुषमा आंगनबाड़ी केंद्र में सिविल सर्जन डॉ. नरेश गर्ग के दिशा निर्देशन व डिप्टी सिविल सर्जन डॉ. रामेश्वरी के मार्गदर्शन में मुख, मसूड़ों व दंत रोगों के लक्षण, कारण, बचाव व उपचार के बारे में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया।

डिप्टी सिविल सर्जन एवं डेंटल सर्जन डॉ. रामेश्वरी ने बताया कि यह अभियान 20 मार्च से पांच अप्रैल तक यानि 15 दिन तक चलाया जाएगा, जिसके अंतर्गत सभी डेंटल सर्जन अपनी-अपनी संस्था के अंतर्गत आने वाले सभी गांव, स्कूल, कॉलेज, आंगनबाड़ी केंद्र, ब्रिकलिन, स्लम क्षेत्र, रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड तथा अन्य प्रमुख स्थानों पर लोगों को मुंह, मसूड़ों व दांतों से संबंधित बीमारियों के बारे में जागरूक कर रहे हैं। डेंटल सर्जन डॉ. आस्था अरोड़ा ने आंगनबाड़ी केंद्र के सभी बच्चों, दूध पिलाने वाली महिलाओं व गर्भवती महिलाओं के मुंह, मसूड़ों व दांतों की जांच कर संबंधित बीमारियों के लक्षण कारण व बचाव बारे में जागरूक किया। उन्होंने बताया कि विश्व मुख स्वास्थ्य दिवस हर वर्ष 20 मार्च को मनाया जाता है। इस वर्ष 2024 का विश्व मौखिक स्वास्थ्य दिवस का मुख्य थीम है ए हैप्पी माउथ इज ए हैप्पी बॉडी यानि कि मुंह स्वस्थ रहेगा तो पूरा शरीर स्वस्थ रहेगा। उन्होंने दांतों में कैविटी, कीड़ा लगना, दांतों में दर्द होना, दांतों में ठंडा गरम लगना, मुंह से दुर्गंध आना, मसूड़ों से खून आना आदि से बचाव के उपाय बताए।

विधायक ने लिया फसलों का जायजा

ओलावृष्टि से दर्जनों गांव में खराब हुई गेहूं और सरसों की फसल, मुआवजा दिलाए जाने का आश्वासन

पायनियर समाचार सेवा। पलवल

जिले के बैंसलात क्षेत्र में हुई ओलावृष्टि से गेहूं व सरसों की फसल में काफी नुकसान हुआ है। इस समय गेहूं व सरसों की फसल खेतों में तैयार खड़ी हुई है, किसान फसल की कटाई में जुटे हुए है, लेकिन बारिश के साथ ओलवृष्टि ने किसानों की कमर तोड़ दी है।

ओलावृष्टि से हुए नुकसान का जायजा लेने के लिए विधायक दीपक मंगला बैंसलात के गांवों में पहुंचे और किसानों से बातचीत की। वें जिले के नांगल ब्राह्मण, रुंधी, लाडियाका, लुलवाड़ी, हिदायतपुर, कमरावली व बाता सहित अन्य गांवों में पहुंचे और खेतों में गेहूं की बर्बाद हुई फसल का जायजा लिया।

इस दौरान किसानों से इस दुख की घड़ी में उनके साथ खड़े रहने का वायदा करते हुए कहा कि जल्द ही बर्बाद हुई फसलों की गिरदावरी करवाई जाएगी और इस विषय में प्रदेश के कृषि मंत्री व सीएम से भी बात कर जल्द से जल्द लोगों को राहत दिलवाने का कार्य किया जाएगा।

विधायक दीपक मंगला ने कहा कि किसान इस समय अपनी मेहनत की कमाई को घर लाना चाहता है, किंतु प्रकृति के आगे सब बेबस है। आज किसान का बेटा हरियाणा का मुख्यमंत्री है और मुख्यमंत्री के नेतृत्व में किसानों को जल्द से जल्द राहत दिलवाई जाएगी। उन्होंने कहा कि जिला पलवल के बैंसलात में ही नहीं, अन्य जगहों पर ही ओलावृष्टि से फसलों में नुकसान हुआ है, जिन सभी की जल्द से जल्द गिरदावरी कराकर किसानों को उसका मुआवजा दिलवाया जाएगा। उन्होंने कहा कि किसानों को निराश होने की जरूरत नहीं है, भाजपा हमेशा किसान हितैषी रही है।

ममता चौहान ने शिक्षा मंत्री त्रिखा का किया सम्मान

फरीदाबाद। विधानसभा क्षेत्र पलवल से भाजपा नेत्री वीर ममता चौहान ने शिक्षा मंत्री हरियाणा सरकार सीमा त्रिखा से फरीदाबाद स्थित उनके निवास पर मुलाकात की व उनका शॉल ओढ़ाकर सम्मान किया।

ममता चौहान ने कहा कि बड़ी बहन सीमा त्रिखा बहुत ही मिलनसार स्वभाव की हैं। उन्होंने हमेशा इमानदारी से संघर्ष किया है। यह उनकी इमानदारी और कर्तव्यनिष्ठा का ही परिणाम है कि वह आज हरियाणा की शिक्षा मंत्री बनी हैं। मुझे भी हमेशा आगे बढ़ाने का काम किया है। उनसे बहुत कुछ सीखने को मिलता है। शिक्षा मंत्री सीमा त्रिखा को को फरीदाबाद व पलवल के कुछ अध्यापकों की समस्याओं से भी अवगत कराया, जिनका समाधान करने का आश्वासन दिया।

शिविर में युवाओं ने जाना अंगदान और नेत्रदान का महत्व

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

राजकीय आदर्श वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय सराय ख्वाजा फरीदाबाद की राष्ट्रीय सेवा योजना की दोनों इकाइयों द्वारा प्राचार्य रविंद्र कुमार मनचंदा की अध्यक्षता में लगाए जा रहे सात दिवसीय विशेष शिविर में आज अंगदान और नेत्रदान के महत्व और आवश्यकता के विषय में बताया गया। प्रधानाचार्य रविंद्र कुमार मनचंदा ने स्वयंसेवकों के उनके उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए उन्हें अंगदान एवं रक्तदान के महत्व के बारे में बताया तथा स्वयंसेवकों को समाज में अंगदान एवं रक्तदान के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए प्रेरित किया।

उन्होंने कहा कि हम अंगदान और रक्तदान कर कई जिंदगियां बचा सकते हैं और मृत्यु के बाद भी जीवित रह सकते हैं। उन्होंने बात कि जब आप अपने शरीर के किसी अंग को दान करते हैं तो प्राप्त कर्ताओं को लंबे समय तक जीवित रहने में सहायता मिलती है। ऑर्गन ट्रांसप्लांटेशन किसी व्यक्ति का जीवन बचा सकता है। यद्यपि ट्रांसप्लांटेशन तब ही संभव है, जब कोई व्यक्ति अपना ऑर्गन डोनेट करता है। मृत्यु के पश्चात भी हमारे कुछ अंग छह घंटे तक जीवित रहते हैं। किडनी, लीवर और हृदय आदि सभी अंग के बारे में विशेषज्ञ कहते हैं कि इन अंगों को जिस भी शरीर में ट्रांसप्लांट करना हो छह घंटे के अंदर कर दिया जाना चाहिए। स्वास्थ्य विभाग से शिविर में विशेष रूप से आमंत्रित डॉक्टर नीरज ने स्वयंसेवकों को टीबी, एनीमिया, एड्स और सर्वाइकल कैंसर के बारे में भी जागरूक किया। डॉक्टर नीरज ने स्वयंसेवकों को व्यायाम, योग एवम संतुलित आहार की नियमित रूप में जीवन शैली में सम्मिलित करने की सीख दी।

उन्होंने कहा कि आप अभी युवा है और अभी से अच्छी आदतें विकसित कर लेंगे तो जीवन में ऐसी किसी भी जानलेवा बीमारी से त्रस्त नही होंगे। अंत में प्रोग्राम ऑफिसर सुनील कुमार एवं सीमा द्वारा अतिथियों का धन्यवाद किया गया। सभी ने मिलकर विद्यालय प्रांगण में पौधारोपण किया तथा आज कैंप का समापन बड़े ही हर्षोल्लास से किया गया। अभी शिविर में नशा मुक्ति अभियान और पर्सनेलिटी डेवलपमेंट सहित अन्य विषयों के बारे में बताया।

ओवावृष्टि से हुए नुकसान के लिए दिया जाए प्रति एकड़ 50 हजार

पूर्व मंत्री करण दलाल ने कहा, अपराधों के लिए भाजपा और पुलिस जिम्मेदार

पायनियर समाचार सेवा। पलवल

पूर्व मंत्री एवं वरिष्ठ कांग्रेसी नेता करण सिंह दलाल ने ओलावृष्टि से बर्बाद हुई किसानों की फसलों के लिए 50 हजार प्रति एकड़ मुआवजे की मांग की है। उन्होंने पलवल और फरीदाबाद में बढ़ रहे अपराधों के लिए भाजपा नेताओं और पुलिस प्रशासन को जिम्मेवार ठहराया है।

जिला कांग्रेस कार्यालय पर आयोजित पत्रकार वार्ता के दौरान पूर्व मंत्री करण सिंह दलाल ने इनेलो और जजपा को भाजपा की बी टीम बताया, कहा कि दोनों पार्टी भाजपा की मदद के लिए चुनाव मैदान में हैं, लेकिन लेकिन जनता अबकी बार भाजपा को सबक सिखाने जा रही है। उन्होंने गोलीकांड की निंदा करते हुए जिले के अधिकारियों को चेतावनी देते हुए कहा कि अधिकारी होश में आकर जिले के आमजन की सुरक्षा करें, अन्यथा कांग्रेस सरकार आने पर उन्हें इसका खामियाजा भुगतना होगा।

भाजपा में शामिल होते ही दूध का धुला हो जाता है नेता: दलाल ने दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी और नवीन जिंदल के भाजपा में शामिल होने पर कहा कि

जो नेता भाजपा में शामिल हो जाता है और वह दूध का धुला हो जाता है और जो भाजपा का विरोध करता है उस पर केजरीवाल की तरह कार्रवाई की जाती है।

उन्होंने कहा कि बारिश के साथ हुई ओलावृष्टि से दोनों जिलों में किसानों की फसलें बर्बाद हो गई हैं। सरकार को जरूरत है कि इस पोर्टल के ड्रामे को बंद करके त्वरित कार्रवाई करते हुए गिरदावरी कराकर उन्हें उचित मुआवजा दिया जाए।

दलाल ने पलवल में एक टेलीकॉम शॉप पर फिरौती की एवज में हुई गोलीबारी पर कहा कि पलवल में पुलिस प्रशासन नाम की कोई चीज नहीं है। उन्होंने फिरौती की रकम न देने की शिकायत होने के बाद भी हुई इस गोलीकांड की निंदा की। इस अवसर पर उनके साथ कांग्रेसी नेता राजेश्वर गर्ग, प्रवक्ता महावीर तंवर, ओमप्रकाश बघेल व निखिल भारद्वाज मुख्य रूप से मौजूद रहे।

बुजुर्ग महिला पर हमला कर किया लहूलुहान

पलवल। खांबी गांव में पशुओं के पास सो रही 58 वर्षीय बुजुर्ग महिला पर शनिवार की रात अज्ञात हमलावरों ने हमला कर बुरी तरह से घायल कर दिया। जब महिला बेहोश हो गई तो हमलावर मौके से फरार हो गए। महिला को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हसनपुर थाना पुलिस ने महिला के बेटे की शिकायत पर अज्ञात के खिलाफ केस दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है। हसनपुर थाना प्रभारी अजीत नागर के अनुसार, खांबी गांव निवासी अरुण ने थाने में दी लिखित शिकायत में यह बताया है।

अग्निपथ योजना

राजनाथ सिंह का बयान

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने युवा रक्षा कर्मियों की भर्ती वाली 'अग्निपथ' योजना का बचाव करते हुए कहा है कि 'आवश्यक होने पर' सरकार इसमें सुधारों के प्रति खुला दृष्टिकोण अपनाने को तैयार है। यह योजना राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। जून, 2022 में केन्द्र ने सशस्त्र सेनाओं में कर्मियों की अल्पकालीन भर्ती के लिए 'अग्निपथ योजना' शुरू की थी ताकि तीनों सेनाओं में युवा कर्मियों की बहुलता सुनिश्चित की जा सके। इस योजना के अंतर्गत सभी सैनिक भर्तियां 'अखिल भारतीय व सभी वर्गों' के आधार पर होंगी। इसमें चयनित युवाओं को 'अग्निवीर' नाम दिया गया है। वे चार साल की सेवा देंगे जिसमें 6 महीने का प्रशिक्षण काल भी शामिल है। इस कार्यकाल के बाद 25 प्रतिशत अग्निवीर स्थाई सेवा में ले लिए जांएगे और बाकी को सशस्त्र बलों के बाहर रोजगार के वैकल्पिक अवसर प्रदान किए जाएंगे। अग्निवीरों को शुरुआत में 30,000 रुपये मासिक वेतन मिलेगा जो चौथे साल बढ़ कर 40,000 हो जाएगा। इसका एक हिस्सा 'अग्निवीर कार्पस फंड' में जमा किया जाएगा जिसमें सरकार भी समान धनराशि का योगदान देगी। इसके परिणामस्वरूप चौथे वर्ष के अंत तक 11.71 लाख की धनराशि एकत्र हो जाएगी। इसके साथ ही प्रत्येक अग्निवीर को अपने कार्यकाल के दौरान 48 लाख का बीमा मिलेगा जिसके लिए उसे कोई योगदान नहीं करना होगा। स्थाई सेवा के लिए चुने गए युवाओं को न्यूनतम 15 साल का अतिरिक्त कार्यकाल मिलेगा। इस योजना का उद्देश्य सेना में ढांचागत बदलाव तथा उसकी आधुनिकीकरण आवश्यकतायें पूरी करना है। इसके साथ ही इससे सशस्त्र बलों में

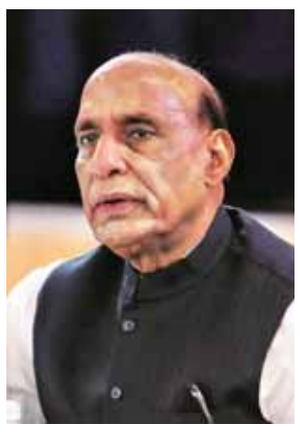

तकनीक में दक्ष युवाओं को शामिल करने में सहायता मिलेगी। केवल 25 प्रतिशत अग्निवीरों को स्थाई सेवा के लिए चयन कर सेना उच्च गुणवत्ता वाले नान कमीशंड आफिसर्स-एनसीओ की अधिक संख्या सुनिश्चित करने के साथ ही बढ़ते वेतन व पेंशन खर्चों पर लगाम लगाना चाहती है।

मोदी सरकार ने पिछले दस साल में देश से 'गुलामी के प्रतीकों' को हटाने तथा सभी संस्थाओं के आधुनिकीकरण का प्रयास किया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने भारतीय सेनाओं से भी गुलामी के प्रतीकों को हटा कर इनमें अधिकाधिक युवाओं को स्थान देने के प्रयास किए हैं। दुनिया के कई विकसित देशों की तर्ज पर भारत ने भी सशस्त्र बलों के आधुनिकीकरण के लिए 'अग्निवीर' योजना शुरू की है। देश को इस समय बड़ी संख्या में सैन्य प्रशिक्षण प्राप्त अनुशासित युवाओं की आवश्यकता है और अग्निवीर योजना यह काम पूरा करेगी। देश के अनेक पुलिस व अर्धसैनिक बलों ने स्थाई सेवा में न आ पाने वाले अग्निवीरों के लिए आरक्षण की घोषणा की है। मोदी सरकार ने 'वन रैंक वन पेंशन' योजना लागू करने के साथ ही सेनाओं को आधुनिकतम हथियारों से लैस करने की योजना को जमीन पर उतारा है। इसके लिए बढ़ते वेतन व पेंशन बोझ को घटाना जरूरी है। लेकिन सरकार 'अग्निवीरों' के कल्याण व भविष्य के लिए पूर्णत: प्रतिबद्ध है। राजनाथ सिंह के बयान को इसी दृष्टिकोण से देखा जाना चाहिए। विडंबना है कि अपने 'संकुचित स्वार्थ' में विपक्ष राष्ट्रीय सुरक्षा का भी ध्यान नहीं रखता है। अतीत में उसने नौजवानों को 'अग्निपथ योजना' के खिलाफ भड़काने के अनेक प्रयास किए। इनमें विफल रहने के बावजूद विपक्ष अब भी प्रयासरत है। लेकिन विपक्ष के प्रयासों के बावजूद 'अग्निपथ योजना' के प्रति देश के नौजवान बड़ी संख्या में आकर्षित हैं। वे देश सेवा तथा अपने भविष्य व चरित्र निर्माण हेतु भारी संख्या में भर्ती के लिए सामने आ रहे हैं।

श्रम-बहुल उद्योग एवं कौशल विकास

स्वचालन प्रक्रियाओं के विकास के साथ ही कार्यबल को उपयुक्त कौशलों और आवश्यक अनुभवों से लैस करना जरूरी हो गया है। श्रम-बहुल उद्योगों के लिए यह खासकर महत्वपूर्ण है।

दिनेश सूद
(लेखक, कौशल विकास से संबद्ध हैं)

तेजी से विकसित होती तकनीकों को देखते हुए विश्व स्तर पर प्रतियोगिता में सक्षम बने रहने के लिए श्रम-बहुल विनिर्माण क्षेत्र को देश में बेरोजगारी के जटिल मुद्दे से निपटने हेतु तैयार करना होगा। हाल ही अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन-आईएलओ व इंस्टीट्यूट फार ह यूमन डेवलपमेंट-आईएचडी द्वारा जारी 'इंडिया इम्प्लायमेंट रिपोर्ट 2024' के अनुसार विनिर्माण क्षेत्र में हर साल देश की श्रमशक्ति में प्रवेश करने वाले सात से आठ मिलियन नौजवानों को समाहित करने की क्षमता है। इस रिपोर्ट के अनुसार भारतीय नौजवान बेरोजगार कार्यबल का लगभग 83 प्रतिशत हैं। कुल बेरोजगार नौजवानों में सेकेंड्री या उच्च शिक्षा प्राप्त नौजवानों की संख्या लगभग दूनी हो गई है। यह 2000 में 35.2 प्रतिशत से बढ़ कर 2022 में 66.7 प्रतिशत हो गई है। पढ़ने-लिखने में अक्षम नौजवानों की तुलना में सेकेंड्री व उच्च शिक्षा प्राप्त नौजवानों में बेरोजगारी की दर 6 गुना तथा स्नातकों में नौ गुना अधिक है। बेरोजगारी की बढ़ती चुनौती बहुसंख्य लोगों में विकसित तकनीकों को प्रयोग करने में कौशल की कमी के कारण है। आईएलओ व आईएचडी रिपोर्टों ने चेतावनी दी है कि तेजी से बदलती तकनीकों के कारण श्रम बाजार में अनिश्चिततायें बढ़ रही हैं। इन तकनीकों में आर्टीफिशियल इंटेलीजेंस-एआई शामिल है जिसका श्रम बाजार पर व्यापक प्रभाव पड़ेगा। हालांकि, एआई श्रम उत्पादकता बढ़ाने तथा श्रमिकों की आय बढ़ाने के महत्वपूर्ण अवसर भी प्रदान करती है। लेकिन यह चेतावनी भी दी गई है कि वंचित राज्य इसके लिए तैयार नहीं हैं। युवाओं को कौशल से समृद्ध करने के लिए सक्रिय नीतियों और कार्यक्रमों की आवश्यकता है।

नैस्काम-जिनोव की एक रिपोर्ट के अनुसार भारत में 2026 तक 14-19 लाख तकनीक में दक्ष टेक लोगों की कमी सामने आएगी। देश की वर्तमान श्रमशक्ति को देखते हुए भारत को 52 लाख टेक लोगों की जरूरत होगी। 2026 तक भारत में लगभग 75-78 लाख टेक पेशेवर होंगे। लेकिन 93-96 लाख टेक लोगों की आवश्यकता होगी और इस प्रकार 14-19 लाख टेक लोगों की कमी होगी।

कौशल की कमी मुख्यत: उद्योग के डिजिटल रूपान्तरण के कारण है जो आपरेशन्स में ज्यादा रोजगार अवसर सृजित कर रहा है। इस कमी को दूर करने के लिए कंपनियों को अपने कार्यबल का विस्तार और विविधीकरण कर रोबोटिक्स, इंटरनेट आफ थिंग्स-आईओटी, एआई व एनालिटिक्स में विशेषज्ञों को भर्ती करना होगा। रोबोट टीमिंग कोआर्डीनेटरों, स्मार्ट फैक्ट्री मैनेजरों, डिजिटल ट्विन इंजीनियरों और स्मार्ट क्वालिटी एश्योरेंस-एसक्यूए प्रबंधकों की मांग लगातार बढ़ रही है। कंपनियों को इन परिवर्तनों को स्वीकार कर बाजार में प्रतियोगी बने रहने के लिए कौशल कमी दूर करने हेतु सक्रिय कदम उठाने होंगे। 468 मिलियन कार्यबल में 92 प्रतिशत अनौपचारिक क्षेत्र में हैं। आश्चर्यजनक रूप से इनमें से केवल 31 प्रतिशत साक्षर हैं, 13 प्रतिशत केवल प्राथमिक शिक्षा प्राप्त हैं और केवल 6 प्रतिशत स्नातक हैं।

इसके साथ ही कार्यबल के केवल 2 प्रतिशत को औपचारिक प्रशिक्षण प्राप्त है, जबकि 9 प्रतिशत को अनौपचारिक पेशेवर प्रशिक्षण मिला है। भारत के कार्यबल में 2022-23 तक औपचारिक प्रशिक्षण प्राप्त कर्मियों की संख्या 5.4 प्रतिशत से बढ़ा कर कम से कम 15 प्रतिशत करने की आवश्यकता थी। लेकिन यह लक्ष्य अभी प्राप्त नहीं हुआ है। ऐसे में कमी दूर करने के लिए हमें अपनी रणनीतियों पर पुन: गौर करने की जरूरत है। इस यथार्थ को देखते हुए चुनौतियों से निपटने के लिए विभिन्न पक्षों के बीच सहयोग की आवश्यकता है। इनमें सरकारें, शिक्षा संस्थान, उद्योग तथा व्यक्ति शामिल हैं ताकि कुशल और सक्षम कार्यबल इकोसिस्टम तैयार किया जा सके। वर्तमान समय में केवल डिग्री होना काफी नहीं है, बल्कि हमें जेंडर, स्थान और संगठित या असंगठित क्षेत्र के आधार पर पैदा विभाजन समाप्त करने की भी जरूरत है। इसके लिए एक समग्र दृष्टिकोण अपनाना जरूरी है।

हमें अपने कौशल विकास ढांचे को वैश्विक मानकों तक लाने के लिए नेशनल आक्यूपेशन मानक-एनओएस तथा क्वालीफिकेशन पैक्स-क्यूपी तैयार करने होंगे जो विभिन्न रोजगार आवश्यकताओं की अंतरराष्ट्रीय आवश्यकतायें पूरी करते हों। इस दिशा में तत्काल पूरी प्रतिबद्धता से काम करने की आवश्यकता है ताकि स्मार्ट विनिर्माण के वैश्विक प्रतियोगी लक्ष्य प्राप्त हो सकें। मुख्यत: कृषि क्षेत्र से श्रमबल निर्माण व सेवा क्षेत्रों में गया है। इससे रोजगार सृजन तथा कार्यबल के कौशल में विसंगति स्पष्ट रूप से दिखने लगी है। राष्ट्रीय कौशल विकास निगम-एनएसडीसी को उद्योगों से सहयोग कर कौशल की कमी की पहचान करनी चाहिए। राज्य स्तरीय कौशल विकास योजना-एसएसडीपी बनाने के लिए जिला स्तरीय कौशल विकास योजना-डीएसडीपी बनानी जरूरी है। केन्द्र और राज्य सरकारों को पहले 6 महीने तक अकुशल श्रमिकों और सेवायोजकों का वित्तीय बोझ वहन करने में साझा करना चाहिए। आन जॉब ट्रेनिंग-ओजेटी के माध्यम से कुशल कर्मियों की मांग और सप्लाई में अंतर को संबोधित किया जाना चाहिए। कार्यबल में लगातार सीखने और अपस्किलिंग की संस्कृति विकसित करना प्रतियोगी बने रहने के लिए जरूरी है। सेवायोजकों को प्रशिक्षण कार्यक्रमों तक पहुंच बढ़ाने के लिए संगठन में व्यक्तिगत कौशल सेटों के विकास व खोज को बढ़ावा देना चाहिए।

सरकारों, शिक्षा संस्थानों और उद्योगों के बीच सहयोग को प्रोत्साहन देना जरूरी है ताकि विशिष्ट क्षेत्रों में लक्षित प्रशिक्षण कार्यक्रमों की डिजाइनिंग व क्रियान्वयन संभव हो सके। इस सहयोगी दृष्टिकोण से शैक्षिक पाठ्यक्रम और उद्योगों की आवश्यकताओं के बीच संगति संभव होगी, प्रभावी कौशल विकास सुनिश्चित होगा तथा विभिन्न क्षेत्रों में उभरती आवश्यकताओं से निपटने के लिए कार्यबल तैयार होगा। इसके लिए अप्रेंटिसशिप व मेंटरशिप कार्यक्रम बनाना सर्वाधिक महत्वपूर्ण है। इसमें अनुभवी पेशेवरों को शामिल किया जाना चाहिए जो अपने ज्ञान और कौशल को नई पीढ़ी तक हस्तांतरित करने के लिए तत्पर हों। इन पहलों से न केवल कौशल की कमी दूर होगी, बल्कि प्रायोगिक शिक्षण की संस्कृति भी विकसित होगी तथा कार्यबल में लगातार सुधार होगा। प्रगतिशील कार्यबल विकास में कर्मचारी प्रशिक्षण को प्रमुख भूमिका देने वाली कंपनियों को सरकारी नीतियों और टैक्स रियायतों से प्रोत्साहन दिया जाना चाहिए। इन व्यवस्थाओं से निजी क्षेत्र लगातार कौशल विकास को प्राथमिकता देगा तथा एक दृढ़ व परिवर्तनशील कार्यबल बनाने में सफल होगा। कुल मिला कर कहा जाए तो सभी पक्षों के बीच सक्रिय सहयोग का विकास किया जाना चाहिए जिनमें युवा, शिक्षण संस्थान, उद्योग जगत, अनुभवी उद्योगपति, सरकारें, स्थानीय संस्थायें, आदि शामिल हैं। शिक्षा और प्रशिक्षण में बड़ी मात्रा में निवेश कर लगातार सीखने और कौशल विकास की एक संस्कृति विकसित की जा सकती है जिससे विविधता के साथ ही समावेशन को भी महत्व मिलेगा। कौशल विकास और कौशल संवर्धन की नीतियों को जमीनी स्तर तक पहुंचाने के लिए राज्य सरकारों को प्रभावी भूमिका निभानी होगी। राज्य सरकारों को विभिन्न जिलों के स्तर पर कौशल विकास की ऐसी योजनायें बनानी चाहिए जिनमें विभिन्न पक्षों के बीच स्थानीय स्तर पर सहयोग सुनिश्चित किया जा सके। श्रम-बहुल विनिर्माण क्षेत्र में कार्यरत श्रमिकों के लिए कौशल संवर्धन सर्वाधिक महत्वपूर्ण है।

सूक्ष्म, लघु एवं मझोले उद्यम-एमएसएमई असंगठित क्षेत्र में अधिकांश श्रमबल को रोजगार देते हैं, इसलिये यहां कौशल संवर्धन सर्वाधिक महत्वपूर्ण है। कौशल प्रशिक्षण के उपरोक्त आयामों से किसी की अनदेखी करना भविष्य में हमारे द्वारा मजबूत व टिकाऊ श्रमबल तैयार करने की दिशा में बड़ी बाधा पैदा कर सकता है। स्वचालन प्रक्रियाओं के विकास के साथ ही कार्यबल को उपयुक्त कौशलों और आवश्यक अनुभवों से लैस करना जरूरी हो गया है।

भारत में हरित ऊर्जा क्रांति

ओपन एक्सेस रूल्स 2022 का लॉन्च भारत के नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र के लिए एक महत्वपूर्ण मोड़ है।

कविराज सिंह
(लेखक, स्वतंत्र स्तम्भकार हैं)

विद्युत (हरित ऊर्जा मुक्त पहुंच के माध्यम से नवीकरणीय ऊर्जा को बढ़ावा देना) नियम, 2022 का शुभारंभ, जिसे व्यापक रूप से हरित ऊर्जा मुक्त पहुंच नियम (गोर) 2022 के रूप में जाना जाता है, भारत में नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र के लिए एक महत्वपूर्ण क्षण है। हरित ऊर्जा के उत्पादन, खरीद और खपत को बढ़ावा देने के लिए डिज़ाइन किए गए ये नियम भारत के महत्वाकांक्षी नवीकरणीय ऊर्जा कार्यक्रमों की प्रगति में आधारशिला हैं।

2022 के लिए केंद्रीय वितरण लाइसेंसधारी के क्षेत्र के भीतर सभी संस्थाओं में एक समान नवीकरणीय खरीद दायित्व (आरपीओ) की स्थापना है। इस आवश्यकता का उद्देश्य नवीकरणीय ऊर्जा खरीद की दिशा में सामूहिक प्रोत्साहन सुनिश्चित करना है, इस प्रकार भारत के हरित ऊर्जा लक्ष्यों को आगे बढ़ाना है। महत्वपूर्ण रूप से, गोर 2022 ने ग्रीन हाइड्रोजन और ग्रीन अमोनिया को शामिल करने के लिए आरपीओ के दायरे का विस्तार किया है, जो नवीकरणीय ऊर्जा मिश्रण को बढ़ाने के लिए सरकार के समर्पण को उजागर करता है।

नियम की प्राथमिक पहलों में से एक सभी उपभोक्ताओं को ग्रीन ओपन एक्सेस प्रदान करना है, जिससे उपभोक्ताओं, जनरेटर और राज्य वितरण कंपनियों (डिस्कॉम) के लिए विद्युत पारेषण और वितरण प्रणालियों तक निष्पक्ष पहुंच की सुविधा मिल सके। यह पहल विभिन्न क्षेत्रों में हरित ऊर्जा को अपनाने को बढ़ावा देने में सहायक है। गोर 2022 की एक और उल्लेखनीय विशेषता हरित ऊर्जा उपभोक्ताओं के लिए ओपन एक्सेस लेनदेन सीमा को 1 मेगावाट से घटाकर 100 किलोवाट करना है, जिससे नवीकरणीय ऊर्जा व्यापक दर्शकों के लिए अधिक सुलभ हो जाएगी।

इसके अलावा, गोर 2022 के तहत, उपभोक्ताओं को अपने डिस्कॉम से ग्रीन पावर का अनुरोध करने का अधिकार है, जिसके बाद उन्हें सस्ती, विश्वसनीय और टिकाऊ ऊर्जा की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए ऐसी हरित ऊर्जा की खरीद और आपूर्ति करने की आवश्यकता होती है। ग्रीन ओपन एक्सेस प्राप्त करने की प्रक्रिया को 15 दिनों की निर्धारित अनुमोदन समयसीमा के साथ सरल बनाया गया है, जिससे नौकरशाही देरी कम हो जाएगी और नवीकरणीय ऊर्जा तक आसान पहुंच को बढ़ावा मिलेगा। नियम वाणिज्यिक और औद्योगिक उपभोक्ताओं को स्वेच्छा से हरित ऊर्जा खरीदने के लिए प्रोत्साहित करते हैं, जिससे व्यवसायों को उनके स्थिरता लक्ष्यों को प्राप्त करने में सहायता मिलती है जबकि संभावित रूप से नवीकरणीय ऊर्जा खपत से जुड़ी लागत में कटौती से लाभ होता है।

गोर 2022 का अधिनियमन भारत के नवीकरणीय ऊर्जा में परिवर्तन और इसके व्यापक जलवायु परिवर्तन शमन प्रयासों की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। यह छोटे उद्योगों, वाणिज्यिक उपभोक्ताओं और बड़े परिवारों के बीच हरित ऊर्जा की ओर बदलाव को प्रोत्साहित करता है, जिससे जीवाश्म ईंधन से दूर भारत के ऊर्जा पोर्टफोलियो के विविधीकरण को बढ़ावा मिलता है। भारत के नवीकरणीय ऊर्जा लक्ष्यों के अनुरूप, गोर 2022 मार्च 2028 तक 250 गीगावॉट नवीकरणीय क्षमता और 2030 तक 500 गीगावॉट स्थापित करने के राष्ट्रीय लक्ष्य में महत्वपूर्ण योगदान देता है। ये नियम अपनी नवीकरणीय ऊर्जा महत्वाकांक्षाओं और जलवायु उद्देश्यों के प्रति भारत की प्रतिबद्धता को रेखांकित करते हैं। इसके अलावा, गोर 2022 का हरित ऊर्जा को बढ़ावा देना 2030 तक उत्सर्जन को 45 प्रतिशत तक कम करने और 2070 तक शुद्ध-शून्य उत्सर्जन प्राप्त करने की भारत की प्रतिबद्धता के अनुरूप है। यह पहल जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को कम करने और कार्बन उत्सर्जन को कम करने के लिए महत्वपूर्ण है। नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र को गोर 2022 के कार्यान्वयन से प्रेरित आर्थिक विकास, रोजगार सृजन और निवेश के अवसरों से लाभ होगा। इस प्रगति से क्षेत्र के भीतर नवाचार, प्रौद्योगिकी विकास और बुनियादी ढांचे के निवेश को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है। अंत में, गोर 2022 के तहत नवीकरणीय स्रोतों को बढ़ावा देने के माध्यम से ऊर्जा मिश्रण में विविधता लाने से आयातित जीवाश्म ईंधन पर निर्भरता कम करके भारत की ऊर्जा सुरक्षा में वृद्धि होती है।

यह रणनीतिक कदम भारत की ऊर्जा स्वतंत्रता को मजबूत करता है और इसे वैश्विक ऊर्जा बाजार के उतार-चढ़ाव से बचाता है। ग्रीन एनर्जी ओपन एक्सेस रूल्स 2022 की शुरूआत से कई लाभ मिलते हैं, जो भारत की जलवायु प्रतिबद्धताओं का समर्थन करते हैं और टिकाऊ ऊर्जा स्रोतों की ओर संक्रमण की सुविधा प्रदान करते हैं। नवीकरणीय ऊर्जा को अपनाने को बढ़ावा देकर, ये नियम जीवाश्म ईंधन पर निर्भरता कम करने और कार्बन उत्सर्जन कम करने में योगदान करते हैं। गोर 2022 के तहत प्रतिस्पर्धी हरित बिजली मूल्य निर्धारण तक पहुंच से उपभोक्ताओं के लिए समय के साथ लागत में बचत हो सकती है, जिससे नवीकरणीय ऊर्जा एक आर्थिक रूप से आकर्षक विकल्प बन जाएगी। इसके अलावा, स्वच्छ ऊर्जा तक पहुंच का विस्तार करके, विशेष रूप से सीमित ग्रिड कनेक्टिविटी वाले क्षेत्रों में, ये नियम ऊर्जा समानता और समावेशिता को बढ़ावा देते हैं, जिससे दूरदराज और वंचित समुदायों के लिए ऊर्जा पहुंच में सुधार होता है।

इसके अलावा, गोर 2022 द्वारा प्रोत्साहित नवीकरणीय ऊर्जा अपनाने की दिशा में बदलाव से पर्यावरणीय प्रभावों को कम करने, ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन, वायु प्रदूषण और गैर-नवीकरणीय संसाधनों पर निर्भरता को कम करने में मदद मिलती है।

हरित ऊर्जा के उत्पादन, खरीद और खपत को बढ़ावा देकर, ओपन एक्सेस नियम भारत के नवीकरणीय ऊर्जा लक्ष्यों, जलवायु लक्ष्यों और स्थिरता को प्राप्त करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

आप की बात

वकील-राजनेता गठजोड़

देश के 600 वकीलों ने भारत के मुख्य न्यायाधीश को पत्र लिखकर कहा है कि कतिपय वकील और राजनीतिज्ञों का गठजोड़ कोर्ट के सही फैसले पर सवाल उठाते हैं। यह न्यायपालिका और लोकतंत्र के लिए ठीक नहीं है। कोर्ट के फैसले पर बेवजह व दबाव डालने के लिए की जाने वाली राजनीतिक बयानबाजी, हस्तक्षेप व इन पर सवाल उठाना संवैधानिक दृष्टि से बिलकुल ठीक नहीं है। भाजपा नेता रविशंकर प्रसाद ने भी कोर्ट के निर्णयों पर राजनीतिक हस्तक्षेप को गलत व अपमानजनक बताया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी एक वरिष्ठ वकील द्वारा चिंता व्यकत करने पर कहा था कि फैसलों पर डराने-धमकाने की राजनीति नहीं करनी चाहिए। पिछले काफी समय से विपक्ष कोर्ट के फैसले पर राजनीति करने से नहीं चूक रहा है। विडंबना है कि जनता की अदालत में लगातार हार रहे व भ्रष्टाचार में गले तक डूबे कुछ राजनेता जब न्यायपालिका से राहत नहीं पाते हैं तो वे अदालतों की आलोचना कर उन पर दबाव डालने का प्रयास करते हैं। दूसरों पर उंगली उठाने वाले नेताओं को अपने गिरेबान में झांकना चाहिए क्योंकि उन्होंने आपातकाल में संविधान और न्यायपालिका को अपना पिछलग्गू बनाने का कोई मौका नहीं छोड़ा था। यह वकील-राजनेता गठजोड़ देश के लिए अत्यन्त घातक है।

– **शकुंतला महेश नेनावा,** इंदौर

भोजन की बरबादी

संयुक्त राष्ट्रसंघ की रिपोर्ट दुनिया भर में भोजन बर्बाद करने की आदतों को रेखांकित करती है। 2022 में 1.05 बिलियन टन भोजन की बर्बादी हुई जो प्रति व्यक्ति 132 किलोग्राम है। यह स्थिति बहुत चिंताजनक है। भोजन के समुचित उपयोग के बारे में अधिक मानवीय दृष्टिकोण अपनाने की आवश्यकता है। भावी पीढ़ियों को पर्यावरण के अनुकूल और भोजन के मामले में सुरक्षित रखना चाहते हैं तो ऐसी प्रवृत्तियां घटाना हमारा नैतिक दायित्व है। विडंबना है कि दुनिया में लगभग 78.3 करोड़ लोग लगातार भूख से जूझते हैं जबकि 19 प्रतिशत खाना बर्बाद हो जाता है। रिपोर्ट ने खाद्य अपशिष्ट की ट्रैकिंग और निगरानी को सक्षम बनाने के लिए बुनियादी ढांचे के विस्तार और मजबूत करने के महत्व पर जोर दिया है। भोजन की बर्बादी केवल किसी समृद्ध देश की समस्या नहीं है। भोजन की बर्बादी और जलवायु परिवर्तन के बीच संबंध स्थापित किया गया है। भारत में भी भोजन का बड़ा हिस्सा उपभोग से पहले बर्बाद या खराब हो जाता है। लोगों को भोजन की बर्बादी के प्रति जागरूक करने के लिए हर साल 30 मार्च को शून्य अपशिष्ट दिवस मनाया जाता है। भोजन की बरबादी रोकने के लिए सभी संबंधित पक्षों को सहयोग करना होगा।

– **विजय सिंह अधिकारी,** नैनीताल

चुनाव आयोग की कार्रवाई

लोकसभा चुनाव में मतदान शुरू होने से पहले चुनाव आयोग ने कुछ बड़बोले नेताओं को नोटिस थमा दिया हैए जिन्होंने महिला उम्मीदवारों को लेकर ओछी बयानबाजी की। चुनाव आयोग का यह समयोचित और स्वागत योग्य कदम है। वैसे यह कार्य न सिर्फ चुनाव के वक्त बल्कि 12 महीने चलते रहना चाहिए, लेकिन मजबूरी है कि चुनाव आयोग केवल आदर्श आचार संहिता लागू होने के बाद ही कार्रवाई कर सकता है। जीवन के लोक व्यवहार में अधिकांश लोग भाषा की मर्यादा का बहुत ध्यान रखते हैं क्योंकि किसी के खिलाफ बोला गया एक भी गलत शब्द जीवन भर के संबंधों को बिगाड़ देता है। ऐसे ही राजनीतिक दलों को भी अपने सभी सदस्यों को सख्त हिदायत देनी चाहिए कि वह ओछे शब्दों के प्रयोग से बचें। गलत शब्दों का प्रयोग कर ऐसे लोग सिर्फ अपनी पार्टी का ही नुकसान करते हैं। अब मतदाता भी ओछा बोलने वाले नेताओं को पसंद नहीं करते। चुनाव आयोग की शुरुआती कार्रवाई इसलिए भी स्वागत योग्य है क्योंकि यदि अभी से राजनीतिक दलों पर समुचित लगाम न लगाई गई तो चुनाव प्रक्रिया आगे बढ़ने पर वे और बेलगाम होते जाएंगे। यह चुनाव सत्ता व विपक्ष के लिए करो या मरो वाला चुनाव है।

सुभाष बुड़ावन वाला, रतलाम

दिल्ली की दशा

दुर्भाग्य है कि देश की राजधानी दिल्ली राजनीतिक अखाड़ा बनी हुई है। केजरीवाल के जेल जाने के बाद आप का धरना प्रदर्शन जारी है, जबकि भाजपा भी सड़कों पर उतर कर केजरीवाल का विरोध कर रही है। आप जोर देकर कह रही है कि केजरीवाल जेल से ही सरकार चलाएंगे। यह अभूतपूर्व स्थिति है जब किसी राज्य का मुख्यमंत्री जेल जाने के बाद जेल से ही सरकार चलाने का दावा करें। दिल्ली पूर्ण राज्य भी नहीं है। ऐसे में दिल्ली के उप-राज्यपाल सीधे शासन अपने हाथ में ले सकते हैं या राष्ट्रपति शासन की अनुशंसा कर सकते हैं। ऐसे में दिल्ली की जनता चाहती है कि उसके लंबित मुद्दों का हल किया जाए तथा उसकी आधारभूत आवश्यकतायें पूरी की जांए। वर्तमान स्थिति को देखते हुए आशंका है कि दिल्ली में आम जनता को और मुसीबतों का सामना करना पड़ सकता है। केजरीवाल की जिद नैतिकता से भी कोसों दूर है। उनको समझ लेना चाहिए कि इस जिद से वे जनता की हमदर्दी पाने के बजाय उसके गुस्से का शिकार हो सकते हैं। उनकी जिद आप को दिल्ली, पंजाब व पूरे देश में विनाश तक पहुंचा सकती है।

– **वीरेंद्र कुमार जाटव,** दिल्ली

पाठक अपनी प्रतिक्रिया ई-मेल से
responsemail.hindipioneer@gmail.com
पर भी भेज सकते हैं।

मोदी की गारंटी पर भारत को भरोसा: योगी

● मुख्यमंत्री ने लोकसभा चुनाव 2024 के लिए मेरठ में आयोजित जनसभा को किया संबोधित

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ/मेरठ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि यह देश मोदी की गारंटी पर विश्वास करता है। मोदी की गारंटी का मतलब 12 करोड़ किसानों के लिए पीएम किसान सम्मान निधि, चार करोड़ गरीबों को आवास, दस करोड़ गरीबों के घर में रसोई गैस का सिलेंडर, 12 करोड़ के घरों में शौचालय की व्यवस्था, 80 करोड़ गरीबों को फ्री राशन, 60 करोड़ गरीबों को पांच लाख की स्वास्थ्य बीमा का कवर, मोदी की गारंटी के कारण यह देश एक स्वर में बोल रहा है फिर एक बार मोदी सरकार। यही मोदी की गारंटी है, जो कहते हैं, वो करके रहते हैं। मोदी की गारंटी पर यूपी को यकीन और भारत को भरोसा है, क्योंकि मोदी केवल सपने नहीं बुनते, हकीकत बुनते हैं, इसीलिए लोग बार-बार मोदी जी को चुनते हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लोकसभा चुनाव 2024 के चुनावी रण में रविवार को मेरठ में भाजपा प्रत्याशियों के लिए जनसमर्थन की अपील की। सीएम योगी ने मेरठ से भाजपा प्रत्याशी अरुण गोविल, कैराना से प्रदीप चौधरी, मुजफ्फरनगर से संजीव बालियान, बिजनौर से एनडीए प्रत्याशी चंदन चौहान, बागपत से राजकुमार सांगवान को जिताने की अपील की।

सीएम ने कहा कि इस क्षेत्र में 10 वर्ष के अंदर काफी परिवर्तन हुआ है। कांग्रेस व सपा सरकारों के समय इस क्षेत्र ने दंगा पॉलिसी व कर्फ्यू की यातनाओं को झेला है। जब भी समाज को जाति और परिवारवादियों के माध्यम से बांटने की चेष्टा होगी तो उसका फायदा उठाकर दंगावादी-कर्फ्यूवादी लोग न केवल आजीविका पर प्रहार करेंगे, बेटियों-व्यापारियों की सुरक्षा पर प्रहार करेंगे, बल्कि विकास को बाधित करने का भी प्रयास करेंगे। आज एक तरफ भाजपा व सहयोगी दल पीएम मोदी के नेतृत्व में विकसित भारत की परिकल्पना को साकार करते हुए पूरी मुश्तैदी व मजबूती के साथ कार्य कर रहे हैं तो दूसरी तरफ विभाजनकारी ताकतें परिवारवाद व जातिवाद के आधार पर सामाजिक तानेबाने को छिन्न-भिन्न करने का कार्य कर रही है।

सीएम योगी ने कहा कि यह चुनाव सिर्फ चुनाव नहीं है, बल्कि उन लोगों को फिर से सही जगह दिखाने का है, जिन लोगों ने सामाजिक तानेबाने को छिन्न-भिन्न करने का कार्य किया है। यह चुनाव फैमिली फस्ट बनाम नेशन फस्ट, माफियाराज बनाम कानूनराज, भ्रष्टाचार बनाम जीरो टॉलरेंस, तुष्टिकरण बनाम सबका साथ-सबका विकास, स्वार्थ के परिवार बनाम मोदी के परिवार, जातिवाद बनाम गरीब कल्याण के बीच का है। एक तरफ विकास को लेकर चलने वाली सरकार है तो दूसरी तरफ हजार षडयंत्र करने वाले नापाक गठबंधन के लोग तमाम तरह के भ्रम की आवाज पैदा कर रहे हैं। हमें तय करना है कि हमें कर्फ्यू चाहिए या कांवड़ यात्रा।

सीएम योगी ने कहा कि किसानों के मसीहा पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह को 'भारत रत्न' मिलना किसानों का सम्मान है। यूपी व देश का किसान इसके लिए पीएम के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित करता है। सीएम ने आह्वान किया कि पीएम मोदी के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश में 2014, 2017, 2019 और 2022 में आपने एनडीए गठबंधन को आशीर्वाद दिया है। एक बार फिर आपका आशीर्वाद 2024 में हमें प्राप्त हो। सीएम योगी ने कहा कि 2014 के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश की तकदीर व तस्वीर बदलकर नए भारत का दर्शन कराया है। यूपी के विकास में जो तत्व बाधक थे, उन बाधाओं को दूर कराकर उप्र को नेतृत्व व मार्गदर्शन देकर नए भारत के नए उप्र को प्रस्तुत किया है। पीएम ने मेरठ को विकास की अनेक सौगातें दीं। 12 लेन का एक्सप्रेसवे हाइवे, खेल विवि, ओडीओपी के माध्यम से यहां उत्पाद को वैश्विक मान्यता प्रदान करने का कार्य, रेल-रोड-एयरकनेक्टिविटी को नए आयाम की ओर ले जाने का कार्य किया गया। इस क्षेत्र में आपके मार्गदर्शन में अन्नदाता किसानों के लिए अभूतपूर्व कार्य हुआ। महज सात वर्ष में उप्र के गन्ना किसानों को ढाई लाख करोड़ से अधिक की धनराशि खातों में भेजी गई। मोहिउद्दीनपुर चीनी मिल का पुनरोद्धार हुआ तो छपरौली चीनी मिल को नए सिरे से बनाने का कार्य हुआ है। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सैनी, भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष चौधरी भूपेंद्र सिंह, लोकदल के राष्ट्रीय अध्यक्ष जयंत चौधरी, अपना दल (एस) की राष्ट्रीय अध्यक्ष व केंद्रीय मंत्री अनुप्रिया पटेल, निषाद पार्टी के अध्यक्ष व प्रदेश सरकार के मंत्री डॉ. संजय निषाद, सुभासपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष व प्रदेश सरकार के मंत्री ओमप्रकाश राजभर, मेरठ के सांसद राजेंद्र अग्रवाल, बागपत के सांसद सत्यपाल सिंह, राज्यसभा सांसद लक्ष्मीकांत वाजपेयी, मेरठ से भाजपा प्रत्याशी अरुण गोविल, कैराना से भाजपा प्रत्याशी प्रदीप चौधरी, मुजफ्फरनगर से भाजपा प्रत्याशी संजीव बालियान, बिजनौर से एनडीए प्रत्याशी चंदन चौहान, बागपत से राजकुमार सांगवान आदि मौजूद रहे।

भाजपा अपने सांस्कृतिक राष्ट्रवाद के संकल्प के साथ आगे बढ़ रही: जेपीएस राठौर

● भाजपा मुख्यालय पर विशेष सम्पर्क अभियान की बैठक आयोजित

लखनऊ। भारतीय जनता पार्टी प्रदेश मुख्यालय पर रविवार को आयोजित विशेष सम्पर्क अभियान की बैठक में विभिन्न सांस्कृतिक, सामाजिक व व्यवसायिक वर्गो में सेमिनार से टू-वे डॉयलाग तथा सम्पर्क से संवाद की कार्ययोजना को अन्तिम रूप दिया गया। भाजपा विशेष सम्पर्क अभियान के तहत शिक्षक, चिकित्सक, अधिवक्ता, शिक्षण संस्थान प्रमुख, व्यवसायिक केन्द्र, व्यापारी, सामाजिक संगठनों के प्रमुख, अवकाश प्राप्त अधिकारी, पूर्व सैनिक, उद्योगपति, सीए, प्रवासी भारतीय, साहित्यकार, स्तम्भकार, कवि, धार्मिक अध्यात्मिक प्रमुख, प्रबुद्ध वर्ग सहित विभिन्न सामाजिक, धार्मिक व व्यवसायिक क्षेत्रों से जुड़े लोगों के साथ सम्पर्क करेगी तथा सेमिनार के माध्यम से संवाद स्थापित करेगी। बैठक को सम्बोधित करते हुए लोकसभा चुनाव प्रबंधन समिति के प्रदेश सहसंयोजक व प्रदेश के सहकारिता मंत्री जेपीएस राठौर ने बैठक में कहा कि भाजपा सतत सम्पर्क व संवाद के माध्यम से सेवा, सुशासन एवं गरीब कल्याण के मंत्र के साथ लगातार जनता के बीच है। विशेष सम्पर्क अभियान के प्रदेश संयोजक ओम प्रकाश श्रीवास्तव सहित अभियान से जुड़े विभिन्न प्रकोष्ठों के प्रदेश संयोजक व सहसंयोजक उपस्थित रहे।

मंत्री जेपीएस राठौर ने कहा कि हमें प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की जनकल्याणकारी योजनाएं, ऐतिहासिक निर्णय, विकसित भारत का संकल्प तथा देश की आन्तरिक व वाह्य सुरक्षा की सुदृढ़ व्यवस्था के 10 वर्षों का लेखा-जोखा लेकर प्रत्येक व्यक्ति तथा प्रत्येक वर्ग के बीच पहुंचना है। उन्होंने कहा कि देश प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में आर्थिक सम्पन्नता के साथ विश्व का नेतृत्व करने के लिए तैयार है। आज भाजपा अपने सांस्कृतिक राष्ट्रवाद के संकल्प के साथ आगे बढ़ रही है, जिससे देश की सांस्कृतिक आभा से पूरा विश्व आलोकित हो रहा है और आंतकवाद व नक्सलवाद का खात्मा करते हुए विश्व क्षितिज पर भारत ने स्वयं को मजबूत किया है।

अभियान के प्रदेश संयोजक श्री ओम प्रकाश श्रीवास्तव ने कहा कि प्रत्येक लोकसभा स्तर पर विशेष सम्पर्क अभियान के लिए 1100 सदस्य चयनित किये गए है। जो अपने-अपने सम्पर्क वर्ग में अपनी टोली बनाकर केन्द्र सरकार की योजनाओं और उपलब्धियों का पत्रक लेकर सम्पर्क करेंगे। इसके साथ ही विभिन्न प्रोफेशनल्स के साथ सेमिनार आयोजित कर टू-वे डॉयलाग के माध्यम से 10 वर्षों में हुए देश के परिवर्तन पर संवाद करेंगे। इस दौरान अभियान के सहसंयोजक डा. अभयमणि त्रिपाठी, एमएलसी उमेश द्विवेदी, पवन चौहान, महंत दिव्यागिरि सहित प्रकोष्ठों के प्रदेश संयोजक व सहसंयोजक उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ आज हाथरस बुलंदशहर और गौतमबुद्धनगर में

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सोमवार 01 अप्रैल को हाथरस, बुलंदशहर और गौतमबुद्धनगर में भारतीय जनता पार्टी द्वारा आयोजित प्रबुद्ध सम्मेलनों को संबोधित करेंगे। प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी सुबह 11:35 बजे अग्रवाल सेवा सदन, आगरा रोड, हाथरस में आयोजित प्रबुद्ध सम्मेलन को संबोधित करेंगे। जबकि दोपहर 01:40 बजे निकुंज हॉल, नुमाइश मैदान, बुलन्दशहर में आयोजित प्रबुद्ध सम्मेलन को संबोधित करेंगे तथा दोपहर 03:40 बजे जी.एल. बजाज इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी कॉलेज, गौतमबुद्धनगर में आयोजित प्रबुद्ध सम्मेलन को संबोधित करेंगे।

वहीं दूसरी ओ भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष भूपेन्द्र सिंह चौधरी सोमवार, 01 अप्रैल को अमरोहा के प्रवास पर रहेंगे। चौधरी दोपहर 12:15 बजे अमरोहा के पुलिस लाइन के सामने जोया रोड में भाजपा प्रत्याशी कंवर सिंह तंवर के नामांकन सभा में सम्मिलित होंगे।

जबकि भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता व प्रदेश के उपमुख्यमंत्री श्री बृजेश पाठक सोमवार, 01 अप्रैल 2024 को आगरा और अलीगढ़ के प्रवास पर रहेंगे। इसके अलावा प्रदेश के उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक सुबह 10:00 बजे आगरा लोकसभा क्षेत्र के केन्द्रीय चुनाव कार्यालय का उद्घाटन करेंगे। जबकि दोपहर 12:15 बजे अलीगढ़ के विद्यानगर पार्क में भाजपा प्रत्याशी सतीष गौतम के नामांकन सभा में सम्मिलित होंगे। प्रदेश सरकार के मंत्री सुनील शर्मा सोमवार, 01 अप्रैल को बागपत के प्रवास पर रहेंगे। श्री सुनील शर्मा सुबह 11 बजे बागपत के केन्द्रीय चुनाव कार्यालय में एनडीए प्रत्याशी डॉ राजकुमार सांगवान के नामांकन सभा में सम्मिलित होंगे। प्रदेश महामंत्री सुभाष यदुवंश सोमवार, 01 अप्रैल को रामपुर के प्रवास पर रहेंगे। यदुवंश रामपुर के सांवरिया बैक्वेट हॉल शाहाबाद रोड, सदर विधानसभा में बूथ अध्यक्ष सम्मेलन में प्रतिभाग करेंगे। इसके पश्चात रामपुर के रतन फॉर्म हाउस, शाहबाद, मिलक विधानसभा में बूथ अध्यक्ष सम्मेलन में प्रतिभाग करेंगे।

विशेष संचारी रोग नियंत्रण अभियान का आज से होगा आगाज

● इस वर्ष 15 जनपद पूर्ण रूप से किए जाएंगे मलेरिया मुक्त

● स्वास्थ्य विभाग के साथ 12 अन्य विभागों के संयुक्त प्रयास से चलाया जाएगा अभियान

लखनऊ। विशेष संचारी रोग नियंत्रण अभियान की शुरुआत पहली अप्रैल (सोमवार) से हो रही है। 30 अप्रैल तक चलने वाले इस अभियान के दौरान संचारी यानी वेक्टरजनित रोगों को नियंत्रित करने के लिए विविध गतिविधियां चलाई जाएंगी। इसके लिए योगी सरकार ने विभिन्न विभागों को दायित्व सौंपे हैं। स्वास्थ्य विभाग के साथ 12 अन्य विभागों के संयुक्त प्रयास से यह अभियान चलाया जाएगा। प्रदेश सरकार ने लोगों से भी अपील की है कि अभियान को सफल बनाने में सहयोग करें। साथ ही उन स्थानों से भी स्वास्थ्य विभाग की टीम को अवगत कराएं, जहां मच्छर पनपते हैं।

शासन ने बढ़ते तापमान को देखते हुए वेक्टरजनित और जलजनित रोगों को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किये हैं। इसके तहत गर्मी से संबंधित रोगों के बारे में विभिन्न विभागों के परस्पर समन्वय से प्राथमिकता के आधार पर भीड़भाड़ वाले स्थानों पर लोगों के लिए शुद्ध एवं शीतल पेयजल की व्यवस्था के निर्देश दिये गये हैं। साथ ही गर्मी से बचाव के लिए शेल्टर्स की सुविधा, व्यस्त स्थानों पर मौसम के पूर्वानुमान तथा तापमान का डिस्प्ले करने को कहा गया है। हीट वेब से बचाव के लिए किए जाने वाले उपायों को विद्यालयों एवं आम जनमानस में भी व्यापक प्रचार प्रसार करने के निर्देश जारी किये गये हैं। गौरतलब है कि वर्ष 2025 तक मलेरिया उन्मूलन का लक्ष्य पाने के लिए इस वर्ष 2024 के अंत तक यूपी के 15 जिलों को पूर्ण रूप से मलेरिया मुक्त किया जाना निर्धारित है। यह जिले अमेठी, चंदौली, सहारनपुर, मथुरा, चित्रकूट, महोबा, रायबरेली, मैनपुरी, ललितपुर, बस्ती, गाजीपुर, आजमगढ़, देवरिया, जालौन और अंबेडकरनगर हैं।

प्रदेश के सभी जिलों में 10 से 30 अप्रैल तक दस्तक अभियान भी चलेगा। इसके तहत स्वास्थ्य कार्यकर्ता घर-घर जाकर साफ-सफाई और स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करेंगे। आशा और आंगनबाड़ी कार्यकर्ता घर-घर जाकर बुखार, इंफ्लुएंजा लाइक इलनेस (आईएलआई), फाइलेरिया, काला जार, कुष्ठ रोग के लक्षण वाले व्यक्तियों, कुपोषित बच्चों का नाम, पता, मोबाइल नंबर सहित सम्पूर्ण विवरण ईङ्ककवच पोर्टल पर अपलोड करेंगी। साथ ही क्षेत्रवार घरों की सूची जहां मच्छरों का प्रजनन पाया गया है, इसका विवरण निर्धारित प्रपत्र पर भरकर संबंधित अधिकारी को उपलब्ध कराएंगी। स्वास्थ्य विभाग के साथ 12 अन्य विभागों के संयुक्त प्रयास से संचारी और दस्तक अभियान चलाया जाएगा। इसमें स्वास्थ्य विभाग, ग्राम्य विकास विभाग, नगर विकास विभाग, पंचायती राज विकास विभाग, बाल विकास सेवा एवं पुष्टाहार विभाग, सिंचाई विभाग, पशुपालन विभाग, बेसिक शिक्षा विभाग, चिकित्सा शिक्षा विभाग, कृषि विभाग, माध्यमिक शिक्षा विभाग, दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग, नमामि गंगे तथा ग्रामीण जलापूर्ति विभाग, वाणिज्य कर-मनोरंजन विभाग तथा सूचना जनसम्पर्क विभाग शामिल है। स्वास्थ्य विभाग नोडल विभाग की भूमिका में होगा।

अभियान के दौरान जिलों में आयुष्मान भारत हेल्थ एकाउंट (आभा आईडी) भी बनाई जाएगी। इससे मरीजों के उपचार करने में सुविधा रहेगी। स्वास्थ्य विभाग के पास यह भी जानकारी रहेगी कि मरीज का किस बीमारी का कब इलाज हुआ है। विश्व स्वास्थ्य संगठन और यूनिसेफ अभियान की लगातार मानीटरिंग करेंगे। किस विभाग ने क्या और कितना काम किया, इस पर भी निगाह रखी जाएगी।

आडवाणी के 'राष्ट्र प्रथम' की भावना का सम्मान है अलंकरण: योगी

लखनऊ। पूर्व उप प्रधानमंत्री व गृहमंत्री लालकृष्ण आडवाणी को रविवार को 'भारत रत्न' से सम्मानित किए जाने पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बधाई दी। अपने सोशल मीडिया अकाउंट 'एक्स' पर सीएम योगी ने लिखा कि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु द्वारा आज 'भारत रत्न' से विभूषित होने पर भाजपा परिवार के वरिष्ठ सदस्य एवं हम सभी के मार्गदर्शक, पूर्व उपप्रधानमंत्री लालकृष्ण आडवाणी जी को हार्दिक बधाई! यह अलंकरण उनकी लोक-निष्ठा, 'राष्ट्र प्रथम' की भावना एवं 'एक भारत-श्रेष्ठ भारत' के निर्माण में उनके अविस्मरणीय योगदानों का सम्मान है।

सड़क दुर्घटना में बाइक से जा रही मां-बेटी घायल

कालपी (जालौन)। रविवार की सुबह कालपी कोतवाली क्षेत्र के उसरगांव हाईवे में मोटर साइकिल दुर्घटनाग्रस्त होने पर उसमें सवार महिला तथा पुत्री घायल हो गए। दोनों घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में इलाज के लिए भर्ती कराया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार उरई कोतवाली क्षेत्र के ग्राम रगेदा निवासी करन सिंह मोटरसाइकिल में पत्नी पिंकी तथा पुत्री काव्य को बैठाकर अपने रिश्तेदारी में कालपी कोतवाली क्षेत्र के ग्राम कुटरा जा रहा था। उसरगांव राष्ट्रीय राजमार्ग में अटल बिहारी इंटर कॉलेज के सामने अचानक शाकर टूटने से मोटर साइकिल दुर्घटनाग्रस्त हो गई। बाइक में बैठी 30 वर्षीय पिंकी तथा 10 वर्षीय काव्या घायल हो गई। एम्बुलेंस के माध्यम से घायल पत्नी तथा पुत्री को सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में भर्ती कराया गया।

इंडिया गठबंधन की एकजुटता से भाजपा घबराई हुई है: अखिलेश यादव

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा है कि इंडिया गठबंधन की एकजुटता से भाजपा घबराई हुई है। इस एकजुटता से तय हो गया है कि भाजपा सरकार अब बचने वाली नहीं है। इंडिया गठबंधन दिल्ली की सत्ता में आ रहा है। भाजपा का एनडीए गठबंधन दिल्ली की सत्ता से बाहर जा रहा है। भाजपा देश में चार सौ सीटें हारने जा रही है। इसीलिए इंडिया गठबंधन के नेताओं को षड्यंत्र कर जेल भेजा जा रहा है।

अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा लोकतंत्र और संविधान खत्म कर रही है। चुने हुए मुख्यमंत्रियों को जेल भेजा जा रहा है। इससे देश के साथ-साथ दुनिया में भाजपा की थू-थू हो रही है। जिस मजबूत लोकतंत्र से दुनिया में भारत को सम्मान से देखा जाता है। उसे भाजपा ने अपनी हरकतों और तानाशाही रवैये से पूरी दुनिया में भारत का सम्मान गिराया है।

अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा ने दस साल में सिर्फ झूठ ही बोला है। झूठे वादे किए। भाजपा ब्रह्मांड की सबसे झूठी पार्टी है। भाजपा सत्ता बचाने के लिए ईडी, सीबीआई, और इनकम टैक्स का दुरुपयोग कर रही है। आज देश में महंगाई, बेरोजगारी चरम पर है। हर वर्ग परेशान है। युवा बेरोजगार है।

भाजपा युवाओं को नौकरी और रोजगार नहीं देना चाहती है। भाजपा ने देश की अर्थव्यवस्था बर्बाद कर दी है। भाजपा ईडी, सीबीआई, आईटी से डराकर दबाव डालकर इलेक्टोरल बांड के नाम पर वसूली कर रही है। देश के इतिहास में पहली बार ऐसी वसूली हो रही है। चंदा वसूली का जो फण्डाफोड़ हुआ है, उसी भ्रष्टाचार से ध्यान हटाने के लिए विपक्षी नेताओं पर झूठे मुकदमें लगाये जा रहे हैं। छापे डाले जा रहे हैं। परेशान किया जा रहा है।

अखिलेश यादव ने कहा कि देश बचाने के लिए भाजपा को हराना जरूरी है। भाजपा आरक्षण खत्म कर रही है। पीडीए-पिछड़े, दलितों, अल्पसंख्यकों का हक मारा जा रहा है। नौजवानों और किसानों का भविष्य बर्बाद कर दिया गया है। अखिलेश यादव ने कहा कि लोकसभा चुनाव में वोट की ताकत से भाजपा को हटाना है। भाजपा को हटाने से ही लोकतंत्र बचेगा, संविधान बचेगा, आरक्षण बचेगा। वोट से ही पीडीए का अधिकार बचेगा।

सपा मुखिया को कृष्ण कन्हैया पाल ने भेंट की पुस्तक

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव को रविवार को समाजवादी अधिवक्ता सभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष कृष्ण कन्हैया पाल एडवोकेट ने 'समाजवादी अधिवक्ता सभा का प्रयास-संविधान साक्षरता दिवस' पुस्तिका भेंट की। इस पुस्तिका से जनता को संविधान साक्षर बनाने का प्रयास किया गया है। पुस्तिका में भारतीय संविधान की पृष्ठभूमि तथा इसकी विशेषताओं पर प्रकाश डाला गया है।

पश्चिमी यूपी में बदली सियासी बिसात, मुस्लिम बहुल सीटों पर टिकी निगाहें

लखनऊ (भाषा)। देश में होने वाले आम चुनाव के पहले चरण की तारीख नजदीक आ रही है और उत्तर प्रदेश में इन चुनावों में पश्चिमांचल की रामपुर, मुरादाबाद और संभल समेत कई मुस्लिम बहुल सीटों पर सबकी निगाहें टिकी हुई है, जहां मुस्लिम मतदाताओं की हिस्सेदारी 23 से 42 प्रतिशत के बीच है। वर्ष 2019 में हुए पिछले लोकसभा चुनाव में बसपा, सपा और रालोद गठबंधन ने पश्चिमांचल के मुस्लिम बहुल क्षेत्र में खासी सफलता हासिल की थी, लेकिन इस बार समीकरण बिल्कुल बदल गए हैं। प्रदेश में जहां बसपा ने अकेले चुनाव मैदान में है, वहीं पश्चिमांचल की जाट बिरादरी में असर रखने वाला रालोद इस बार भाजपा के साथ खड़ा है जबकि सपा उस कांग्रेस के साथ गठबंधन कर मैदान में है जो पिछले तीन दशक से भी ज्यादा समय से प्रदेश में अपनी खोई जमीन तलाश रही है।

सभी दल और गठबंधन पश्चिमी उत्तर प्रदेश में अपनी जीत सुनिश्चित करने के लिए रणनीति बना रहे हैं, लेकिन पिछले कई चुनावों के रुझानों पर नजर डालें तो पश्चिमांचल में ध्रुवीकरण एवं जातीय समीकरण ही हार-जीत का आधार रहे हैं। पश्चिमी उत्तर प्रदेश के जिन लोकसभा क्षेत्र में मुस्लिम मतदाताओं का बाहुल्य है उनमें रामपुर (42 प्रतिशत), अमरोहा (32 प्रतिशत), सहारनपुर (30 प्रतिशत), बिजनौर, नगीना और मुरादाबाद (28-28 प्रतिशत), मुजफ्फरनगर (27 प्रतिशत), कैराना और मेरठ (23-23 प्रतिशत) और सम्भल (22 प्रतिशत) शामिल हैं। इसके अलावा बुलंदशहर, बागपत और अलीगढ़ में मुस्लिम मतदाताओं की भागीदारी (19-19 फीसद) हैं। अगर मुस्लिम मतदाता एकजुट होकर किसी एक पार्टी या गठबंधन को वोट दें तो वे परिणाम बदलने का माद्दा रखते हैं।

वर्ष 2019 के लोकसभा चुनाव में बसपा ने मुस्लिम-दलित बहुल सहारनपुर, बिजनौर, नगीना और अमरोहा सीटों पर जीत हासिल की थी, जबकि उसके गठबंधन की सहयोगी सपा को मुरादाबाद, रामपुर और संभल सीटें मिली थीं। पश्चिमांचल की कई सीटों पर मुस्लिम मतों के बिखराव का फायदा भाजपा को मिला था, और उसने मुस्लिम मतदाताओं की बहुलता के बावजूद मुजफ्फरनगर, कैराना, मेरठ, बुलंदशहर, बागपत और अलीगढ़ की सीटों पर जीत दर्ज की थी। बदले हालात में सपा और कांग्रेस गठबंधन के सामने सबसे बड़ी चिंता मुस्लिम वोटों के बिखराव को रोकने की होगी, क्योंकि मुस्लिम बहुल सीटों पर उसकी जीत की संभावना, तभी बन सकती है जब मुस्लिम वोट उसके पक्ष में एकजुट हों।

राजनीतिक विश्लेषक परवेज अहमद मानते हैं कि इस बार मुस्लिम मतदाताओं को अपने पक्ष में एकजुट रखना समाजवादी पार्टी के लिए सबसे बड़ी चुनौती है। उसकी एक बड़ी वजह यह है कि सपा 2019 के बाद से अब तक मुसलमान से जुड़े मुद्दों को लेकर उतनी मुखर नहीं रही है जितना कि उससे उम्मीद की जाती है। उन्होंने कहा कि एक बात यह भी है कि बसपा ने हर उस सीट पर मुस्लिम प्रत्याशी उतारा है जहां मुस्लिमों के बाद दलित मतदाताओं का दबदबा है। उन्होंने कहा कि रालोद के भाजपा नीत राजग के साथ जाने से वह जाट मतदाता भी भाजपा से जुड़ गया है जो अभी तक उससे दूर था।

हालांकि सपा प्रवक्ता फखरुल हसन का दावा है कि मुस्लिम मतदाता अब भी पूरी मजबूती से सपा के साथ खड़े हैं। रालोद के भाजपा के साथ जाने का भी सपा गठबंधन की संभावनाओं पर कोई असर नहीं होगा क्योंकि भाजपा और रालोद का गठजोड़ नैसर्गिक नहीं है। साथी पिछले कई चावन में यह साबित हुआ है कि रालोद का अब उतना असर नहीं रहा जितना की उसे उम्मीद की जाती है। उन्होंने दावा किया कि वर्ष 2019 में हुए पिछले लोकसभा चुनाव में बसपा को सपा के मुस्लिम वोटों का फायदा मिला था जिसकी बदौलत वह 10 सीटें जीतने में कामयाब रही थी। वर्ष 2022 के विधानसभा चुनाव में सपा और बसपा का गठबंधन नहीं था और पश्चिमी उत्तर प्रदेश की अनेक मुस्लिम बहुल सीटों पर सपा ने बसपा को पकड़ते हुए जीत हासिल की थी इसलिए यह कहना सही नहीं है कि मुस्लिम मतदाताओं का सपा से मोह भंग हो रहा है। भाजपा पिछले लोकसभा चुनाव में मुस्लिम बहुल सीटों पर जीत हासिल करने की रणनीति के तहत मैदान में उतर रही है।

भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा की उत्तर प्रदेश इकाई के अध्यक्ष कुंवर बासित अली ने पीटीआई-भाषा को बताया कि पिछले लोकसभा चुनाव में लगभग 20 हजार ऐसे बूथ थे जहां भाजपा हारी थी इस बार इन सभी बूथों पर 11-11 सदस्यों की टीमें बनाई गई हैं, जिनमें महिलाओं को भी शामिल किया गया है। उन्होंने कहा कि ए टीम खासतौर पर मुस्लिम समाज के उन वर्गों से संपर्क करके उनका वोट भाजपा को दिलाने का प्रयास कर रही है जो सरकार की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं का लाभ हासिल कर रहे हैं। जिन बूथों पर भाजपा दो, तीन या पांच वोट पाई थी वहां इस बार कम से कम 50 वोट हासिल करने का लक्ष्य रखा गया है। उन्होंने कहा कि पिछली बार लोकसभा चुनाव में भाजपा को मुस्लिम समाज का लगभग 10 फीसदी वोट हासिल हुआ था। इस बार इसे बढ़ाकर 15 प्रतिशत करने का लक्ष्य है। खासकर पसमांदा मुसलमान को भाजपा से जोड़ा जा रहा है जिन्हें सरकार की योजनाओं का सबसे ज्यादा लाभ मिला है।

पश्चिमी उत्तर प्रदेश की मुस्लिम बहुल सीटों पर विभिन्न पार्टियों द्वारा घोषित प्रत्याशियों पर गौर करें तो भाजपा ने इस बार भी एक भी मुसलमान को टिकट नहीं दिया है। सपा ने बिजनौर से दीपक सैनी, मुरादाबाद से रुचि वीरा, रामपुर से मुहिबउल्लाह नदवी, संभल से जियाउर रहमान बर्क, बागपत से मनोज चौधरी, बिजनौर से यशवीर सिंह, नगीना से मनोज कुमार, मेरठ से भानु प्रताप सिंह, अलीगढ़ से बिजेंद्र सिंह, कैराना से इकरा हसन और मुजफ्फरनगर से हरेंद्र मलिक को उम्मीदवार बनाया है। सपा ने अमरोहा, सहारनपुर और बुलंदशहर की सीटें गठबंधन के तहत कांग्रेस को दी हैं जिसने इन सीटों पर क्रमश: दानिश अली, इमरान मसूद और शिवराम वाल्मीकि को टिकट दिया है। इसके अलावा बसपा ने सहारनपुर से माजिद अली, कैराना से श्रीपाल सिंह, मुजफ्फरनगर से दारा सिंह प्रजापति, बिजनौर से विजेंद्र सिंह, नगीना से सुरेंद्र पाल सिंह, मुरादाबाद से इरफान सैफी, रामपुर से जीशान खान, संभल से सौलत अली, अमरोहा से मुजाहिद हुसैन, मेरठ से देववृत्त त्यागी, बुलंदशहर से गिरीश चंद्र जाटव, अलीगढ़ से गुफ्रान नूर और बागपत से प्रवीण बंसल को उम्मीदवार बनाया है। पिछले चुनावों के नतीजों पर गौर करें तो जाहिर होता है कि भाजपा को उन निर्वाचन क्षेत्रों में चुनौतियों का सामना करना पड़ा है जहां मुस्लिम वोट 30 से 42 प्रतिशत तक हैं। इन चुनावों की गतिशीलता हिंदू वोटों के ध्रुवीकरण से आकार लेती है, जिसमें मुस्लिम बहुल सीटें कभी दलित समुदायों के साथ जुड़ती हैं तो कभी स्वतंत्र रूप से खड़ी होती हैं। इसके अलावा जाट फैक्टर ने भी चुनावी नतीजों को निर्धारित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। सपा और कांग्रेस से मिलकर बने विपक्षी गठबंधन के लिए चुनौतियां बनी हुई हैं क्योंकि वह मुस्लिम वोटों को प्रभावी ढंग से अपने पक्ष में करना चाहता है।

तीसरी बार मोदी को सत्ता सौंपने जा रही जनता: मुकेश

संवाददाता। फर्रुखाबाद

मोहम्मदाबाद रोड के पट्टी खुर्द स्थित बाबा मथुरा गिरी इंटर कॉलेज में आयोजित पाल समाज के होली मिलन कार्यक्रम कानपुर बुंदेलखंड क्षेत्र के भाजपा क्षेत्रीय अध्यक्ष प्रकाश पाल ने बतौर मुख्य अतिथि के रूप में प्रतिभाग किया।

इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में प्रकाश पाल ने समाज को संगठित होने का आवाहन करते हुए केंद्र में फिर एक बार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार बनाने के लिए भाजपा के समर्थन की बात कही।मुख्य अतिथि कानपुर बुंदेलखंड क्षेत्रीय अध्यक्ष प्रकाश पाल ने कहा होली का त्योहार भारतीय सनातन संस्कृति का सबसे बड़ा त्यौहार है यह त्यौहार समाज में भाईचारे का संदेश देता है उन्होंने अहिल्याबाई होल्कर का जिक्र करते हुए कहा देवी अहिल्याबाई होल्कर ने पूरा जीवन भारत की सेवा के लिए समर्पित कर दिया वह पाल समाज ही नहीं बल्कि पूरे भारत का गौरव है उनको एक महान शासिका के रूप में याद किया जाता है। क्षेत्रीय अध्यक्ष ने राजू पाल एवं उमेशपालहत्याकांड का जिक्र करते हुए कहां की मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विधानसभा में कहा था कि माफिया को मिट्टी में मिला देंगे। मुख्यमंत्री ने समाज को न्याय दिलाने का कार्य किया। इस कार्यक्रम में अपना दल(एस) प्रदेश अध्यक्ष राजकुमार पाल,भाजपा सांस्कृतिक प्रकोष्ठ के प्रदेश संयोजक राष्ट्रीय कवि रवि सतीजा ने अपनी कविताओं के माध्यम से होली के पर्व की व्याख्या की उन्होंने श्रृंगों का त्योहार निराला गीत एवं काले भी गोरे लगते हैं और गोरे भी काले लगते हैं जैसे गीतों लोगों का ध्यान आकर्षित किया।

सांसद मुकेश राजपूत ने कहा सपा और बसपा अपने निजी स्वार्थ के लिए समाज को बताकर सत्ता तक पहुंचे लेकिन सत्ता मिलने के बाद समाज को दरकिनार कर दिया और परिवारवाद की राजनीति करने लगे लेकिन नरेंद्र मोदी ने सामाजिक कुरीतियों को खत्म करने का संदेश दिया उन्होंने कहा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हर वर्ग के गरीब का कल्याण किया उनकी योजनाओं ने जाति और मजहब नहीं देखा बल्कि सिर्फ उनकी गरीबी देखी और योजनाओं का लाभ दिलाना सुनिश्चित किया। जनता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को तीसरी बार देश की कमान सौंपने जा रही है।

भोजपुर विधायक नागेंद्र सिंह राठौर,भाजपा जिला अध्यक्ष रूपेश गुप्ता ने भी संबोधित किया। इस कार्यक्रम का संचालन त्रिलोकी नाथ पाल ने किया। इस कार्यक्रम के अवसर पर जिला महामंत्री हिमांशु गुप्ता, जिला कोषाध्यक्ष संजीव गुप्ता, जिला मीडिया प्रभारी शिवांग रस्तोगी, जिला महामंत्री डीएस राठौर, अभिनंदन पाल, शिवभान पाल, राहुल पाल, कुलदीप पाल, विनोद पाल, स्वदेश पाल, पवन पाल, जिला मंत्री नवनीत पाल प्रवीण पाल आदि लोग मौजूद रहे।

महात्मा रामचंद्र के समाधि स्थल पर उमड़ा जनसैलाब

फर्रुखाबाद। सहज योग से साधना के उच्चतम बिंदु पर पहुंचने का मार्ग दिखाने वाले आध्यात्मिक आदि गुरु श्री रामचंद्र महाराज उर्फलाला जी की समाधि नवदिया कानपुर रोड़ फतेहगढ़ में 99 वां वार्षिक भंडारे का समापन हो गया। बीते 29 से 30 मार्च तक चले दो दिवसीय भंडारे में देश व विदेश नें लाला जी के अनुयायी एकत्रित हुए और उन्होंने उनकी समाधि पर शांति साधना की। कार्यक्रम में आंतरिक अभ्यास, शांति पाठ व प्रवचन के कार्यक्रम चलते रहे । वार्षिक भंडारे में दिगी गांधीनगर के बीजेपी के विधायक अनिल वाजेपयी ने आकर मत्था टेका। विधायक ने एक बताया कि वह 1985 से लगातार फर्रुखाबाद महात्मा रामचंद्र जी की समाधि पर आ रहे हैं।

रूरा पुलिस ने दो शातिर चोरों को किया गिरफ्तार, चोरी का माल भी किया बरामद

● जेवरात, नकदी, तमंचा, कारतूस, 45 हजार का गांजा हुआ बरामद

संवाददाता। कानपुर देहात

प्रभारी निरीक्षक रूरा एसएन सिंह व रूरा चौकी इँचार्ज राकेश कुमार सिंह के कुशल नेतृत्व में रूरा पुलिस बल ने शातिर अर्न्तजनपदीय चोरों को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार चोरों के पास से पुलिस ने 45 हजार रूपये कीमत का गॉजा, चोरी की गयी चॉदी की तोडिया, चोरी के 83 सौ रूपये तथा एक अवैध तमँचा व दो जिन्दा कारतूस बरामद किये।

प्राप्त सूचना के आधार पर रूरा एसओ शिवनारायण सिंह व चौकी इँचार्ज राकेश सिंह, एसआई राजेशकुमार, आरक्षी वैभव कुमार, राकेश कुमार मुख्य आरक्षी दीपक कुमार, राजेश कुमार के साथ शनिवार की देर रात्रि रूरा डेरापुर रोड पर सरकारी जीप से गश्त कर रहे थे, तभी उन्हें मुखबिर द्वारा सूचना मिली कि दो संदिग्ध व्यक्ति शारदा गेस्ट हाउस से चिलौली के बीच मौजूद है, मुखबिर की सूचना पर पुलिस बल ने धावा बोला व मौके पर मौजूद राहुल कॅजड निवासी अकबरपुर, व राहुल निवासी हारामऊ, रनियॉ कोतवाली भोगनीपुर को पकड लिया, तलाशी के दौर राहुल के पास एक तमँचा, दोजिन्दा कारतूस, चोरी के पॉच हजार रूपये व एक जोडी तोडियॉ मिली वहीं छोटे की तलाशी के दौरान उसके पास से दो सौ ग्राम गॉजा, तैतीस रूपये की चोरी की नकदी, व तोडियॉ बरामद की।

रूरा थानाध्यक्ष शिवनारायण सिंह ने बताया कि गिरफ्तार अर्न्तजनपदीय चोरोंके खिलाफ कानपुर देहात, कानपुर नगर, फतेहपुर, उन्नाव जनपदों में विभिन्न धाराओं में करीब दो दर्जन मुकदमें दर्ज है। गिरफ्तार अभियुक्तों के न्यायालय में प्रस्तुत करने के बाद जेल भेजा गया है।

सपा छोड़कर आए कार्यकर्ताओं को दिलाई भाजपा की सदस्यता

लखीमपुर खीरी। विधानसभा पलिया में विकास खण्ड बिजुआ के ग्राम रमुआपुर में केन्द्रीय गृह राज्यमंत्री अजय मिश्र 'टेनी' ने बहुजन समाज पार्टी छोड़कर भारतीय जनता पार्टी में शामिल हुए कार्यकर्ताओं को भाजपा की सदस्यता दिलाई। कार्यक्रम में केन्द्रीय गृह राज्यमंत्री अजय मिश्र 'टेनी' ने बहुजन समाज पार्टी छोड़कर भारतीय जनता पार्टी में शामिल हुए नीरज मौर्या, जिला पंचायत सदस्य, ग्राम रमुआपुर, मलकीत सिंह, बी0डी0सी0, ग्राम रमुआपुर, जय प्रकाश त्रिवेदी, बी0डी0सी0, ग्राम जोधपुर, लाल मोहम्मद, बी0डी0सी0, ग्राम मूसेपुर, सुशील कुमार, बी0डी0सी0, ग्राम रड़ा बाजार, शंकर, बी0डी0सी0, ग्राम मलूकापुर, राजेश कुमार, बी0डी0सी0, ग्राम भानपुर, शिव कुमार, बी0डी0सी0, ग्राम बीबीपुर, सूरज कुमार, बी0डी0सी0, ग्राम रहीमनगर ग्रन्ट, रामस्वरूप, बी0डी0सी0, ग्राम पिपरहिया, उमाकान्त, बी0डी0सी0, ग्राम फूलपुर, श्रीपाल, बी0डी0सी0, ग्राम शंकरपुर, जलीस अहमद, बी0डी0सी0, ग्राम लखरावां, अंसार अली, बी0डी0सी0, ग्राम लखरावां, गुड्डू, बी0डी0सी0, ग्राम हजूरपुरवा, केशवराम, बी0डी0सी0, ग्राम मूड़ाखुर्द, नाजिम अली, बी0डी0सी0, ग्राम अलीगंज आदि को भाजपा की सदस्यता ग्रहण कराई।

भारत-नेपाल सीमा मार्ग पर एसपी ने की सघन चेकिंग

● सीमा पर सुरक्षा को सुदृढ़ बनाए जाने के लिए एसपी ने किया कवच सेल का गठन

संवाददाता। लखीमपुर खीरी

आगामी लोकसभा चुनाव-2024 के दृष्टिगत इण्डो-नेपाल बॉर्डर पर सुदृढ़ सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने तथा अवांछनीय गतिविधियों की रोकथाम के लिए पुलिस अधीक्षक गणेश प्रसाद साहा द्वारा थाना प्रभारी सम्पूर्णानगर, उ0नि0 निराला तिवारी मय पुलिस बल के साथ नेपाल राष्ट्र के ग्राम बिचपटा से भारत राष्ट्र के ग्राम सुमेर नगर को जाने वाले मार्ग पर स्थित केमा बैरियर आजाद नगर घोला पर प्रभावी चेकिंग की गई।

पुलिस अधीक्षक ने केमा बैरियर पर चेकिंग के दौरान मौजूद महिला आरक्षी आरजू व अन्य महिला आरक्षियों को आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए, चेकिंग के दौरान दोनों देशों के आने-जाने वाले लोगों का विस्तृत विवरण रजिस्टर में अंकित करने के संबंध में निर्देशित किया गया।

भारत-नेपाल राष्ट्र के बॉर्डर के मार्गों पर स्थापित बैरियर व नाका पर सघन चेकिंग अभियान निरंतर चलाकर भारत-नेपाल राष्ट्र की सीमा को जोड़ने वाले अन्य मार्गों पगडंडी, कच्चे व पक्के रास्तों पर अवैध रूप से तस्करी करने वालों पर कड़ी नजर रखी जा रही है तथा स्थानीय लोगों को निर्भीक होकर किसी के प्रभाव में आये बिना स्वतंत्र रूप से मतदान करने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। जनपद लखीमपुर में भारत-नेपाल राष्ट्र की सीमा 120 किलोमीटर के परिक्षेत्र में है जिसके अंतर्गत जनपद के चार थाने गौरीफंटा ,चंदन चौकी, तिकुनियां व संपूर्णानगर आते हैं जिनके द्वारा लगातार सीमा की निगरानी की जा रही है। बॉर्डर की सुरक्षा को और सुदृढ़ बनाए जाने के लिए पुलिस अधीक्षक द्वारा कवच सेल का गठन किया गया है जिसके अंतर्गत सीमा सुरक्षा के लिए अतिरिक्त 16 कवच आउटपोस्ट बनाए गए हैं जिन पर उप निरीक्षक रैंक के पुलिस अधिकारी को कवच आउट पोस्ट के प्रभारी के रूप में नियुक्त किया गया है। साथ ही साथ आरक्षियों की पोस्टिंग भी की गई है जिनके द्वारा लगातार सीमा पर निगरानी करते हुए अवांछनीय गतिविधियों पर रोक लगाई जा रही हैं। आगामी लोकसभा चुनाव के दृष्टिगत भारत-नेपाल राष्ट्र की सीमा से सटे कच्चे व पक्के मार्गों पर कुल 23 बैरियर, नाका व चेक पोस्ट का गठन तात्कालिक रूप से किया गया है जिस पर लगातार पुलिस द्वारा निगरानी करते हुए चेकिंग की जा रही है।

पुलिस अधीक्षक गणेश प्रसाद साहा द्वारा थाना संपूर्णानगर स्थित केमा बैरियर पर पुलिस बल के साथ सघन चेकिंग की गई तथा थानाध्यक्ष संपूर्णानगर को निरंतर भारत-नेपाल सीमा पर अवांछनीय गतिविधि की निगरानी बनाए रखने के आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

क्विक न्यूज

ट्रक की चपेट में आकर साइकिल सवार युवक की मौत

संडीला, हरदोई। घर से मिठाई लेने के लिए संडीला आए एक साइकिल सवार को अनियंत्रित गति से आ रहे ट्रक ने टक्कर मार दी जिससे साइकिल सवार गंभीर रूप से घायल हो गया तथा जिसकी बाद में मौत हो गयी। प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम मौलवीखेड़ा कोतवाली संडीला निवासी सोने लाल का 25 वर्षीय पुत्र लाला गांव से संडीला चौराहे पर मिठाई लेने के लिए आया था, वापस लौटते समय रात में लगभग 10 बजे बांगरमऊ रोड की ओर अत्यंत तेज गति से जा रहे ट्रक नं0 यूपी 83बीटी/4551 ने पीँछे से इस साइकिल को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भयावह थी कि साइकिल कई फूट उछलकर दूर जा गिरी और उसपर सवार लाला गंभीर रूप से घायल हो गया। आसपास के लोग उसे उठाकर सीएचसी ले गए, जहां से उसे ट्रॉमा सेंटर भेज दिया गया लेकिन रास्ते में ही लाल की मौत हो गयी। इस घटना की एफ़आईआर मृतक के पिता सोनेलाल पुत्र रामदयाल ने दर्ज कराई है। अभी तक ट्रक चालक को गिरफ्तार नहीं किया जा सका है।

भाजपाइयों ने पन्ना प्रमुखों के आवासों पर लगाए पार्टी ध्वज

गुरसहायगंज, कन्नौज। भाजपा नगर अध्यक्ष एवं शक्ति केंद्र संयोजक द्वारा कार्यकर्ताओं के साथ नगर के सभी पन्ना प्रमुखों के आवासों पर पार्टी ध्वज लगाया गया। इस दौरान उन्होंने बूथ को मजबूत बनाए रखने के लिए प्रेरित किया। रविवार को भाजपा नगर अध्यक्ष धर्मेंद्र कौशल व शक्ति केंद्र संयोजक संजीव कुमार गुप्ता ने बूथ संख्या 510 एवं 513 पर बूथ अध्यक्ष सुरेंद्र कुमार राठौर, शैलेंद्र सविता, शक्ति केंद्र प्रभारी परशुराम देवल, आदर्श चतुर्वेदी के साथ पन्ना प्रमुखों के आवासों पर पहुंचकर पार्टी के ध्वज लगाये। इस दौरान उन्होंने लोकसभा चुनाव में जी जान से जुटने के लिए प्रेरित किया।

प्रोजेक्ट नई किरण में आये 34 मामले

कानपुर देहात। एसपी बीबीजीटीएस मूर्ति की अध्यक्षता में दम्पत्तियों के आपसी विवाद को सुलझाने के लिये गठित किये गये प्रोजेक्ट किरण में कुल 34 मामले आये जिसमें 4 दम्पत्ति समझाने बुझाने के बाद खुशी-खुशी अपने आपसी विवाद समाप्त कर साथ रहने को राजी हो गये। बाकी विवादों के निपटारे के लिये आगे की तिथि दी गयी। बिखरे परिवारों को एक सूत्र में बॉधने के प्रयास के तहत प्रोजेक्ट किरण के कार्यक्रम में महिला थानाध्यक्ष सुमन दीक्षित, आरक्षी आरती, आदि शामिल रहे।

मदर सुहाग ग्रुप आफ एजुकेशन में वार्षिक रिपोर्ट कार्ड वितरित, छात्र-छात्राओं को किया सम्मानित

संवाददाता। फतेहपुर

मदर सुहाग ग्रुप ऑफ एजुकेशन का वार्षिक रिपोर्ट कार्ड वितरण समारोह का आयोजन किया। जिसकी अध्यक्षता विद्यालय की प्रबंधक कुसुम सिंह व संचालक मोहित सिंह ने किया। मदर सुहाग एजुकेशन सेंटर सुल्ताननगर के प्रधानाचार्य डी.के. श्रीवास्तव, शिवम शुक्ला व मदर सुहाग पब्लिक स्कूल की प्रधानाचार्य बीना श्रीवास्तव ने वार्षिक परीक्षाफल विभिन्न कक्षाओं में अपने विद्यार्थियों के उत्कृष्ट शैक्षणिक प्रदर्शन के लिए पुरस्कृत किया।

कार्यक्रम में उन विद्यार्थियों की लगन और कड़ी मेहनत को दर्शाया गया, जिन्होंने पूरे शैक्षणिक वर्ष में अपनी पढ़ाई में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। नर्सरी श्रेणी में अन्वी विश्वकर्मा ने प्रथम, आश्रित यादव ने दूसरा, अनन्या प्रजापति ने तीसरा स्थान हासिल किया। जूनियर केजी में मोहम्मद हुसैन रजा, आस्था सोनी और अन्नपूर्णा सिंह ने असाधारण शैक्षणिक कौशल का प्रदर्शन किया। इसी तरह सीनियर केजी में उत्कर्ष सिंह, मयंक और नैना श्रीवास्तव ने शीर्ष तीन स्थान प्राप्त किए, जबकि अशीर अली दूसरे स्थान पर रहे। उच्च कक्षाओं में भी उत्कृष्टता का सिलसिला जारी रहा, जिसमें कक्षा 01 से कक्षा 5 तक के विद्यार्थियों ने अनुकरणीय प्रदर्शन किया। कक्षा 01 में समर्थ द्विवेदी और पारुल सिंह ने सूफ्यिान खान के साथ-साथ उत्कृष्ट शैक्षणिक क्षमताओं का प्रदर्शन किया। कक्षा 2 में शानवी, मोहम्मद हसन राजा और शिवा सोनी को सम्मानित किया गया। जबकि कक्षा 3 में अमृता अधिराज और फरहान को पुरस्कृत किया गया। उच्च कक्षाओं में जाने पर आयुष सिंह और ओजस अग्रहरि कक्षा 4 में शैक्षणिक रूप से अग्रणी रहे। उसके बाद उज्मा सिद्दीकी का स्थान रहा। कक्षा 5 में अंशिका श्रीवास्तव, क्लास 6 से पलक साहू, क्लास 7 से अनमोल प्रकाश क्लास 8 अंश पटेल, क्लास 9 आराध्या पटेल, कार्तिकेय और क्लास 11 से श्रेया गुप्ता ने उत्कृष्टता के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को दर्शाते हुए शीर्ष स्थान हासिल किया।

नगर आगमन पर भाजपा क्षेत्रीय अध्यक्ष का हुआ स्वागत

गुरसहायगंज, कन्नौज। कार्यकर्ता लोकसभा चुनाव 2024 की सफलता के लिए अभी से जी जान से जुट जायें और आम जनमानस को मतदान के महत्व से अवगत कराते हुए सत प्रतिशत मतदान करने के लिए प्रेरित करें। जिस देश के लोकतंत्र को मजबूती मिल सके। यह बात रविवार को नगर के मोहल्ला रामगंज स्थित भाजपा कार्यालय पर भाजपा क्षेत्रीय अध्यक्ष प्रकाश पाल ने कही। इससे पूर्व उन्होंने भाजपा पिछड़ा मोर्चा क्षेत्रीय मंत्री विनय वर्मा, भाजपा नेता योगेंद्र भदौरिया, पूर्व छात्र संघ अध्यक्ष राजीव ठाकुर के साथ लोकसभा चुनाव के संबंध में रणनीति बनाई। इस दौरान पूर्व छात्र संघ अध्यक्ष राजीव ठाकुर ने स्मृति चिन्ह भेंटकर एवं फूल मालायें पहनाकर जोरदार स्वागत किया। इस दौरान अनुज ठाकुर, राहुल राठौर, ओमी तिवारी, शशांक वर्मा, रानू ठाकुर, अशोक चौरसिया सहित तमाम लोग मौजूद रहे।

अधिवर्षता आयु पूर्ण करने वाले उपनिरीक्षकों को दी यादगार विदाई

कन्नौज। अपर पुलिस अधीक्षक डॉ0 संसार सिंह द्वारा अधिवर्षता आयु पूर्ण कर सेवानिवृत्त होने वाले पुलिसकर्मियों को शॉल भेंट कर यादगार विदाई दी एवं उनके उगवल भविष्य व अच्छे स्वास्थ्य की कामना की गयी। इस दौरान उन्होंने कहा कि अपनी डियूटी को ईमानदारी से अंजाम देनें बाले कर्मी सदैव याद रहते हैं। रविवार को जनपद से 3 पुलिसकर्मी उपनिरीक्षक रामकुमार शुक्ला, सुंदरलाल, राम नारायण अपनी सम्पूर्ण सेवाकाल के दौरान पूर्ण निष्ठा, ईमानदारी एवं लगन से कार्य करते हुए अधिवर्षता आयु पूर्ण कर सेवानिवृत हुए। इस अवसर पर पुलिस लाइन सभागार कक्ष में पुलिस सेवा से सेवानिवृत्त हुए पुलिसकर्मियों हेतु विदाई समारोह आयोजित किया गया। एएसपी द्वारा विदाई समारोह में सम्मिलित होकर पुलिसकर्मियों को उपहार, स्मृति चिन्ह देकर उनके आगामी सुखमय व समृद्ध जीवन की कामना कर विदाई दी गयी। इस दौरान प्रतिसार निरीक्षक व अन्य अधिकारी कर्मचारियों द्वारा भी सेवानिवृत होने वाले पुलिसकर्मियों को शुभकामनायें दी गई।

होली मिलन व संगीत संध्या में सैकड़ों लोगों ने भाग लिया

फर्रुखाबाद। पंडित विमल प्रसाद तिवारी स्मृति संस्थान द्वारा आज होली मिलन एवम् संगीत संध्या का आयोजन किया गया।इस अवसर पर विभिन्न समुदाय के लोगो ने बड़ी संख्या भाग लिया एवम् एकदूसरे को गुलाल लगाकर एवम् होली की गुझिया खिलाकर एक दूसरे को होली की शुभकामनाएं दी। संस्थान के सचिव आदेश तिवारी ने सभी अतिथियों का स्वागत किया। इस मौके पर मुख्य अतिथि नगर पालिका श्रीमती अध्यक्ष वत्सला अग्रवाल ने सभी को होली की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि होली का पर्व भाई चारे का पावन पर्व है। विशिष्ट अतिथि इलाहाबाद उच्च न्यायालय के सेवानिवृत न्यायमूर्ति बी डी चतुर्वेदी ने कहा कि होली का पर्व हम सब के गौरव का पर्व है। राष्ट्रीय कवि डा.शिव ओम अम्बर ने होलिका माता और भक्त प्रह्लाद के सस्मरण सुनाए। कार्तिक तिवारी ने कार्यक्रम में उपस्थित सभी लोगो पर पुष्प वर्षा की। संदीप वर्मा के संगीत ग्रुप द्वारा विभिन्न कलात्मक संगीत प्रस्तुत किए गए। कार्यक्रम में अनिल कुमार मिश्रा, फैसल शमसी, चित्रा अघिनोत्री, असद सिद्दीकी, स्पर्श मिश्रा, फिरोज खान, तन्मय मिश्रा, संजय गर्ग, सचिन साध, उदित अग्रवाल, दिनेश प्रताप सिंह, विनोद वर्मा आदि मौजूद रहे।

ट्रेजरी बाबू पर लगाया सेवानिवृत्त कर्मी व पत्नी के इलाज पर खर्च पैसों में कमीशन मांगने का आरोप

आशुलिपिक पद से सेवानिवृत्त हैं पीड़ित

संवाददाता। फतेहपुर

कई गंभीर बीमारियों से ग्रसित सेवानिवृत्त कर्मी ने खुद के व पत्नी के मेडिकल बिल भुगतान के एवज में बाबू पर बीस प्रतिशत कमीशन मांगने का आरोप लगाया है। पीड़ित ने मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर बाबू के भ्रष्टाचार को उजागर करते हुए कार्रवाई की मांग किया है। अधिशाषी अभियंता निचली गंगा नहर कार्यालय से आशुलिपिक पद से 2007 में सेवानिवृत्त राम मनोहर अवस्थी नासिरपीर कालोनी में निवास करते है।

रविवार को पत्रकार वार्ता के दौरान उन्होंने ट्रेजरी विभाग के बाबू मनीष राय पर उनके व बीमार पत्नी के चिकित्सकीय क्षतिपूर्ती के बिलों के भुगतान में 20 प्रतिशत कमीशन की मांग करने व पैसे न देने पर अड़चन डालकर भुगतान रुकवाने का आरोप लगाया। पत्रकारो से बातचीत में उन्होंने बताया कि वह एनीमिया, बॉन काइटिस, अस्थमा समेत अन्य रोग से पीड़ित है एव उनकी पत्नी शकुंतला देवी गॉलब्लेडर में पथरी के ऑपरेशन के बाद से लीवर इंफेक्शन व एनीमिया आदि रोग से पीड़ित है जिसका निरन्तर इलाज चल रहा है।

उन्होंने मेडिकल बिलो को अधिशाषी अभियंता निचली गंगा नहर के कार्यालय से 28 फरवरी को भुगतान के लिये ट्रेजरी में प्रेषित किया था जहां कार्यरत लिपिक मनीष राय द्वारा बिलो को भुगतान के एवज में 20 प्रतिशत की मांग की गयी। पैसे देने में असमर्थ होने पर उन्हें बिलो को अगले महीने लाने को कहा गया। बिलों का भुगतान न होने पर उन्हें इलाज जारी रखने में समस्या हो रही है जबकि शासन द्वारा मेडिकल बिलो के भुगतान को दस दिनों में करने का नियम है। उन्होंने लिपिक पर मूल रकम का 20 प्रतिशत कमीशन मांगने का आरोप लगाते हुए भ्रष्ट कर्मी पर कार्रवाई की मांग की।

कार्य में लापरवाही बरतने पर निविदा बिजली कर्मी की सेवाएं समाप्त

फतेहपुर। भ्रष्टाचार के आरोप में अवर अभियंता के निलंबन के बाद विभाग के निविदा कर्मी सौरभ यादव की शिकायते मिलने के बाद कम्पनी ने उनकी भी सेवाएं समाप्त कर दी हैं। प्राइम वन कम्पनी की ओर से शांतिनगर पावर हाउस में तैनात कर्मी सौरभ यादव की सेवाओ के दौरान अनियमिताओं के आरोपों के कारण उनके पद से निष्काषित करते हुए उनकी सेवाएं समाप्त करने का कारण बताया गया है। प्राइम वन वर्क फोर्स के अस्थाई स्टाफिंग एव प्रशासन के उप महाप्रबंधक धवल अग्रवाल की ओर से भेजे गये निलबंन व सेवा समाप्ति के पत्र में निविदा कर्मी पर बिजली चोरी रोकने में असमर्थ रहने व कर्तव्यों के निर्वाहन में लापरवाही बरतने के आरोप लगाते हुए ततकाल पद से निष्काषित करते हुए सेवाएं समाप्त करने का निर्देश दिया गया। पूर्व में शासन द्वारा शान्तिमगर पावर हाउस के जेई पर र्भ्ष्टाचार के आरोप में निलंबन किया गया था जेई को मुख्य अभियंता कार्यालय मिर्जापुर से अटैच किया गया था। वही निविदा कर्मी की सेवाएं समाप्त करने के विषय मे उप खण्ड अधिकारी शांतिनगर आशीष मिश्रा ने बताया कि पूर्व में जेई,मीटर रीडर समेत अन्य कर्मियों पर कार्यो के दौरान लापरवाही बरतने पर कार्रवाई की गई थी जिसके क्रम में सम्बंधित एजेंसी द्वारा निविदा कर्मी सौरभ यादव की सेवाएं ततकाल प्रभाव से समाप्त करने का कम्पनी द्वारा आदेश पत्र जारी किया गया है।

सट्टे के मकड़ जाल में फंसकर लोग हो रहे कंगाल, पुलिस मौन

संडीला, हरदोई। नगर में पुलिस की पूर्ण रूपीण अनदेखी से जगह जगह सट्टे की खुलेआम फड़ लगी हुई है। पर्चियां जारी का जा रही हैं और सट्टे के मोह में पड़कर विशेषकर गरीब लोग और अधिक कंगाल होते जा रहे हैं।

नगर में लगभग एक डेढ़ मास से सट्टे का अवैध कारोबार चरम पर है। जगह जगह चाय के होटलों, छोटी दुकानों और कुछ मोहल्लों में लोगों के कमरों से सट्टे का अवैध कारोबार चलाया जा रहा है। यह सट्टा राजनीतिक गतिविधियों से लेकर सेनसक्स, डाजोन्स तथा वर्तमान में आइपीएल मैचों को लेकर चलाया जा रहा है। जगह जगह सट्टे के छोटे बुकी बैठे रहते हैं जो निर्धारित नंबर पर लगाए गए सट्टे की धनराशि और सट्टे के नंबर की पर्ची इशु करते हैं। हालांकि इस पर्ची पर किसी के कोई हस्ताक्षर इत्यादि नहीं होते लेकिन इस पर्ची पर ऐसा निशान बना दिया जाता है कि यह पर्ची बीयरर चेक बन जाती है और संबंधित नंबर आने पर सट्टा लगाने वाले को पूरी धनराशि दे दी जाती है।

नगर में सट्टे के इस कारोबार में कई बड़े और सफेदपोश लोगों की पूंजी लगी हुई है। यही सफेदपोश लोग इन छोटे बुकी को विभिन्न मोहल्लों में तैनात करते हैं और उसके बाद फिर क्लेम का भुगतान करते हैं। यहां यह बताना समीचीन होगा कि इन बड़े सटोरियों का बेहतरीन राजनीतिक लिंक है।

यही कारण है कि जल्दी जल्दी इनपर कोई कार्रवाई नहीं होती और नगर में रोजाना हो रहे लाखों के सट्टे की पुलिस को कोई खबर ही नहीं होती और कभी कभार जब मामला तूल पकड़ने लगता है तो पुलिस एक आध छोटे बुकी को पकड़कर उसका चालान कर देती है तथा अखबारों में इसकी खबरें छप जाती हैं और सारा मामला पहले ही टाएं टाएं फिस्स हो जाता है।

गठबंधन प्रत्याशी के लिए सपा के जोनल प्रभारियों ने लिया संकल्प

संडीला, हरदोई। सपा के जोनल प्रभारियों की बैठक में पार्टी प्रत्याशी के पक्ष में एकजुट होने और भाजपा को उखाड़ फेकने का संकल्प लिया गया। सपा विधानसभा अध्यक्ष मुकेश यादव के नेतृत्व में जोनल प्रभारियों की बैठक का आयोजन किया गया, जिसमें जिलाध्यक्ष शराफत अली मौजूद रहे। बैठक में सपा के घोषित प्रत्याशी की ओर से बोलते हुए पूर्व मंत्री रामपाल रजवंशी ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी ने लोगों के साथ छल किया है। सिवाए झूठ बोलने और सांप्रदयिक विद्वेश फैलाने के कोई काम नहीं किया। चुनाव घोषित होने के बाद भी वह सांप्रदायिक सदभाव को बिगाड़ने का प्रयास कर रही है।

जिलाध्यक्ष शराफत अली ने कहा कि गठबंधन प्रत्याशी संगीता राजवंशी को महिला सशक्तिकरण के पार्टी राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के संकल्प स्वरूप यहां भेजा गया है। सभी अब प्रत्याशी को विजयी बनाने के लिए पूरी शक्ति लगाएं। इस अवसर पर वरिष्ठ सपा नेता वसीम वारसी, अभिषेक दीक्षित एडवोकेट, तिलक चंद पासी, बिजेन्द्र सिंह आदि ने भी अपने विचार व्यक्त किए।

मोदी के 370 का लक्ष्य हासिल करने में दक्षिण भारत करेगा मदद: गडकरी

भाषा। नागपुर

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 370 सीट जीतने के लक्ष्य को लेकर पूरा भरोसा जताते हुए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता नितिन गडकरी ने कहा है कि आगामी लोकसभा चुनाव में पार्टी की मौजूदा 288 सीट में अतिरिक्त सीट दक्षिण भारत से जुड़ेंगी।

नागपुर स्थित अपने आवास पर पीटीआई-भाषा के साथ साक्षात्कार में गडकरी ने कहा कि उनके मन में इस बात को लेकर कोई संदेह नहीं है कि भाजपा के नेतृत्व वाला राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) 400 सीट के आंकड़े को पार करेगा। उन्होंने कहा कि पिछले 10 वर्षों में सरकार द्वारा किए गए ठोस कार्यों के कारण मोदी तीसरी बार प्रधानमंत्री के रूप में कार्यभार संभालेंगे। उन्होंने इन आरोपों को खारिज कर दिया कि मोदी सरकार विपक्ष को कमजोर करने के लिए प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) और केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) का हथियार के तौर पर इस्तेमाल कर रही है। उन्होंने कहा कि भाजपा के प्रतिद्वंद्वियों को लोगों का विश्वास जीतकर विपरीत परिस्थितियों से उबरने का प्रयास करना चाहिए।

गडकरी ने कहा, क्या विपक्ष को कमजोर या मजबूत बनाना हमारी जिम्मेदारी है? जब हमारे पास सिर्फ दो सांसद थे और हम कमजोर थे तो हमें सहानुभूति के तौर पर कभी कोई

पैकेज नहीं मिला। वह लोकसभा के लगातार तीसरे कार्यकाल के लिए नागपुर से एक बार फिर चुनाव मैदान में हैं।गडकरी ने शनिवार को नागपुर में बड़े रोड शो के जरिए अपना प्रचार अभियान शुरू किया। उनकी गाड़ियों का काफिला लोगों के हुजूम में रेंग रहा था और लोग 40 डिग्री सेल्सियस तापमान के बावजूद गडकरी का स्वागत करने के लिए खड़े थे। यह कार्यक्रम दो घंटे का था, लेकिन यह चार घंटे में खत्म हुआ। उनके समर्थकों ने गुलाब उड़ाया, जिससे वह पूरी तरह सराबोर हो गए और जहां कहीं भी वह रुके, लोगों ने उन्हें कुछ न कुछ खाने की पेशकश की। गडकरी ने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में भाजपा अपने कार्यकर्ताओं की कड़ी मेहनत के कारण मजबूत होकर उभरी है और विपक्ष को भी लोगों का विश्वास हासिल करने के लिए प्रयास करना होगा। उन्होंने कहा, लोकतंत्र की प्रकृति ऐसी है कि यह बदलता रहता है। आप चाहे जो भी भूमिका निभाएं, आपको हमेशा प्रयास करते रहना होगा और विपरीत परिस्थितियों से उबरना होगा। यह किसी भी विपक्षी दल के लिए महत्वपूर्ण है।

गडकरी से भाजपा के 370 और राजग के 400 सीट से अधिक सीट जीतने के गणित के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा, राज्यवार विश्लेषण करने की जरूरत नहीं है। इस बार हम दक्षिण भारत में सफलता हासिल करेंगे। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में हमने पिछले 10 वर्षों में दक्षिण और पूर्वोत्तर (भारत) में जो काम किया है...उसी का परिणाम हमें मिलना शुरू हो गया है। गडकरी ने कहा, हमने तमिलनाडु, केरल, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश और कर्नाटक में कड़ी मेहनत की है। इन राज्यों में हमारी मौजूदगी बहुत कम थी। इस बार हम तेलंगाना और आंध्र प्रदेश में अच्छा प्रदर्शन करेंगे। हम उत्तर भारत में अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। इसलिए, मुझे लगता है कि भाजपा को अकेले 370 सीट मिलेंगी और राजग 400 सीट का आंकड़ा पार करेगा। भाजपा के वरिष्ठ नेता ने कहा कि देश के लोग विकास देखना चाहते हैं और उन्हें मोदी के नेतृत्व पर भरोसा है, जो चुनाव में दिखाई देगा। जब उनसे पूछा गया कि कुछ हलकों में दावा किया जा रहा है कि भाजपा बहुमत के आंकड़े तक भी नहीं पहुंचेगी, जिसके परिणामस्वरूप प्रधानमंत्री पद के लिए दौड़ शुरू हो सकती है, गडकरी ने जोरदार तरीके से कहा, बिल्कुल नहीं। उन्होंने कहा, हमें पूरा विश्वास है कि हमें पूर्ण बहुमत मिलेगा और हम 400 का आंकड़ा भी पार करेंगे और नरेन्द्र मोदी जी लगातार तीसरी बार देश के प्रधानमंत्री बनेंगे। मेरे मन में इस बारे में कोई संदेह नहीं है।राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के 2025 में होने वाले शताब्दी समारोह के लिए उनके व्यक्तिगत एजेंडे के बारे में सवाल किया गया तो गडकरी ने कहा कि उनका व्यक्तिगत एजेंडा केवल अपने निर्वाचन क्षेत्र के प्रति है जिसके लोगों ने उन्हें चुना है।

तहखाने में पूजा की अनुमति को चुनौती देने वाली मस्जिद कमेटी की अर्जी पर आज सुनवाई

नई दिल्ली। ज्ञानवापी मस्जिद प्रबंधन समिति की उस याचिका पर उच्चतम न्यायालय एक अप्रैल को सुनवाई करेगा जिसमें मस्जिद के दक्षिणी तहखाने में हिंदुओं को पूजा की अनुमति देने वाले निचली अदालत के आदेश को बरकरार रखने के इलाहाबाद उच्च न्यायालय के फैसले को चुनौती दी गई है। प्रधान न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़, न्यायमूर्ति जे बी पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ उच्च न्यायालय के 26 फरवरी के फैसले को चुनौती देने वाली अंजुमन इंतजामिया मस्जिद कमेटी की याचिका पर सुनवाई करेगी। यह कमेटी वाराणसी में ज्ञानवापी मस्जिद के मामलों का प्रबंधन करती है। उच्च न्यायालय ने कमेटी की याचिका खारिज कर दी थी जिसमें उसने जिला अदालत के 31 जनवरी के आदेश को चुनौती दी थी। जिला अदालत ने अपने आदेश में हिंदुओं को तहखाने में पूजा करने की अनुमति दी थी। उच्च न्यायालय ने 26 फरवरी को मस्जिद कमेटी की याचिका को खारिज करते हुए कहा था कि ज्ञानवापी के दक्षिणी तहखाने में स्थित व्यास तहखानों के अंदर पूजा पाठ रोकने का उत्तर प्रदेश सरकार का 1993 का निर्णय अवैध था। उसने कहा था कि पूजा-पाठ को बिना किसी लिखित आदेश के राज्य की अवैध कार्रवाई द्वारा रोक दिया गया था और मस्जिद प्रबंधन कमेटी द्वारा दायर दो अपील खारिज कर दी थीं। कमेटी ने अपनी एक अपील में वाराणसी जिला न्यायाधीश के 17 जनवरी के उस आदेश को चुनौती दी थी जिसमें जिला मजिस्ट्रेट को व्यास तहखाने का रिसीवर नियुक्त किया गया था जबकि कमेटी ने दूसरी याचिका में 31 जनवरी के आदेश को चुनौती दी थी जिसके द्वारा न्यायाधीश ने वहां पूजा करने की अनुमति दी थी। उच्च न्यायालय ने आदेश दिया कि मस्जिद के व्यास तहखानों में पूजा जारी रहेगी, जो काशी विश्वनाथ मंदिर के निकट स्थित है। अदालत के आदेश पर भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) द्वारा किए गए एक सर्वेक्षण में यह बात सामने आई थी कि ज्ञानवापी मस्जिद का निर्माण मुगल सम्राट औरंगजेब के शासनकाल के दौरान एक हिंदू मंदिर के अवशेषों पर किया गया था। जिला अदालत ने 31 जनवरी को फैसला सुनाया था कि एक हिंदू पुजारी मस्जिद के दक्षिणी तहखाने में मूर्तियों की पूजा कर सकता है। अब पूजा-अर्चना काशी विश्वनाथ मंदिर ट्रस्ट द्वारा नामित एक हिंदू पुजारी और याचिकाकर्ता शैलेन्द्र कुमार पाठक द्वारा की जा रही है। पाठक का दावा है कि उनके नाना सोमनाथ व्यास, जो एक पुजारी भी थे, ने दिसंबर 1993 तक तहखाने में पूजा-अर्चना की थी। उन्होंने कहा था कि छह दिसंबर 1992 को अयोध्या में बाबरी मस्जिद ढहाए जाने के बाद उत्तर प्रदेश के तत्कालीन मुख्यमंत्री मुलायम सिंह यादव के कार्यकाल में पूजा रोक दी गई थी। निचली अदालत में सुनवाई के दौरान मुस्लिम पक्ष ने याचिकाकर्ता की बात का विरोध किया था। उसने कहा था कि तहखाने में कोई मूर्ति मौजूद नहीं थी और इसलिए, 1993 तक वहां पूजा करने का कोई सवाल ही नहीं था।

आगामी लोकसभा चुनाव विकसित भारत के निर्माण के लिए: प्रणव त्रिपाठी

प्रयागराज। भारतीय जनता पार्टी युवा मोर्चा प्रयागराज महानगर की आगामी लोकसभा के चुनाव को लेकर बैठक भाजपा कार्यालय सिविल लाइन में आयोजित की गई। इस अवसर पर कार्यक्रम के मुख्य अतिथि युवा मोर्चा लोकसभा प्रभारी प्रणव त्रिपाठी ने कहा कि आगामी लोकसभा का चुनाव भारतीय जनता पार्टी विकसित भारत निर्माण के लिए लड़ने जा रही है। इस लड़ाई में देश की युवाओं की बहुत बड़ी भूमिका निभानी होगी। इसके लिए भाजपा युवा मोर्चा के कार्यकर्ता एक जुट होकर संघटनात्मक सभी कार्यों को सपन्न बनाएं और अबकी बार 400 पार कर प्रधानमंत्री मोदी की तीसरी बार सरकार बनाएं। बैठक की अध्यक्षता युवा मोर्चा अध्यक्ष रोहित पप्पू पांडे ने किया। बैठक में आगामी कार्यक्रमों को सपन्न बनाने की चर्चा की। मीडिया प्रभारी राजेश केसरवानी ने बताया कि लोकसभा चुनाव की दृष्टि से युवा मोर्चा के द्वारा विधानसभा स्तर पर युवाओं का सम्मेलन एवं बैठक का आयोजन किया जाएगा और घर.घर जाकर युवाओं एवं लाभार्थियों से जनसंपर्क किया जाएगा। बैठक का संचालन आशीष त्रिवेदी ने और समापन शुभम पांडे बाला ने किया। इस अवसर पर बचपन गुप्ता अमित जैन तन्मय उपाध्याय रतन मित्तल विक्रांत शुक्ला मनीष सिंह मनीष पांडे यश कौशल अमन केसरवानी सिद्धार्थ पांडे रजत दुबे अमन कुशवाहा शुभम त्रिपाठी आकाश चौरसिया लव कुश केसरवानी अंकित गोस्वामी सतीश केसरवानी आदर्श सोनकर अभिषेक सिंह आदि युवा मोर्चा कार्यकर्ता रहे।

हर बूथ पर खिलेगा कमल का फूल

प्रयागराज। भाजपा खुल्दाबाद मंडल द्वारा खुल्दाबाद मंडल कार्यालय में कार्यकर्ता होली मिलन एवं बैठक का आयोजन किया गया। इस अवसर पर पूर्व कैबिनेट मंत्री और विधायक सिद्धार्थ नाथ सिंह भाजपा महानगर अध्यक्ष राजेंद्र मिश्रा लोकसभा संयोजक विधायक गुरु प्रसाद मौर्य ने कार्यकर्ताओं को होली की बधाई दी। सभी ने कहा कि देश की जनता ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तीसरी बार सरकार बनाने का मन बना चुकी है। निश्चित रूप से देश की जनता के द्वारा हर बूथ पर कमल का फूल खिलेगा। ऐसे में सभी कार्यकर्ता मतदान से एक सप्ताह पहले मतदाता पर्ची बनाकर मतदाताओं के घर तक जाकर और मतदाता पर्ची दें और उनसे संवाद संपर्क स्थापित कर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तीसरी बार प्रचंड बहुमत के साथ सरकार बनाने के लिए प्रेरित करें। इस अवसर लोकसभा प्रभारी बालेंदु त्रिपाठी ने संगठन द्वारा किए जाने वाले कार्यों की चर्चा की। बैठक में लोकसभा विस्तारक ऋषभ महाजन विधानसभा प्रभारी अनीता त्रिपाठी संयोजक राजेश सिंह पूर्व पार्षद दिगंबर त्रिपाठी राजेश केसरवानी रतन शुक्ला राजू राय रामजी शुक्ला अपूर्व चंद्रा अनिल विश्वकर्मा बब्लू शर्मा सीताराम चौरसिया नवीन श्रीवास्तव दिवाकर केसरवानी रानी पांडे अनिल चौहान विकास पांडे शिवम केसरवानी धीरज कुशवाहा अनिकेत श्रीवास्तव विजय पांडे प्रेमलता श्रीवास्तव राजेश कुशवाहा विनोद सोनकर मुकेश श्रीवास्तव सहित मंडल के सभी मोर्चा प्रकोष्ठ प्रकल्प विभाग के संयोजक उपस्थित रहे।

भाजपा को 200 सीट का आंकड़ा पार करने की चुनौती देती हूं

भाषा। कृष्णानगर (बंगाल)

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने रविवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के लोकसभा चुनाव में 400 से अधिक सीट जीतने के लक्ष्य का मखौल उड़ाया तथा उसे 200 सीट का आंकड़ा पार करने की चुनौती दी। ममता ने यह भी कहा कि वह नागरिकता संशोधन कानून (सीएए) को इस राज्य में लागू होने नहीं देंगी। उन्होंने लोगों को आगाह किया कि सीएए के लिए आवेदन करने वाला व्यक्ति विदेशी बन जाएगा। तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ने लोगों से इसके लिए आवेदन न करने का अनुरोध किया। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) सुप्रीमो ने कृष्णानगर इलाके में टीएमसी उम्मीदवार महुआ मोइत्रा के लिए चुनाव प्रचार करते हुए कहा, भाजपा कह रही है 400 पार , मैं उन्हें पहले 200 सीट का आंकड़ा पार करने की चुनौती देती हूं। वर्ष

2021 के विधानसभा चुनाव में उन्होंने 200 से अधिक सीट लाने का आह्वान किया था, लेकिन उसे महज 77 पर रुकना पड़ा। इन 77 सीटों पर जीतने वाले कुछ लोग हमारे साथ आ गए हैं। भाजपा को जुमला पार्टी बताते हुए टीएमसी सुप्रीमो ने उन पर सीएए के संबंध में झूठ फैलाने का आरोप लगाया और कहा, सीएए पर मोदी की गारंटी शून्य गारंटी है। उन्होंने इस महीने की शुरुआत में लगी चोट के बाद पहली रैली को संबोधित करते हुए कहा, सीएए वैध नागरिकों को विदेशी बनाने का जाल है। एक बार आप सीएए लागू कर देंगे तो उसके बाद राष्ट्रीय नागरिक पंजी (एनआरसी) लागू होगा। हम पश्चिम बंगाल में न तो सीएए और न ही राष्ट्रीय नागरिक पंजी लागू होने देंगे। केंद्र सरकार के झूठे वादे के जाल में न फंसे। अगर आप आवेदन करेंगे तो आपको पांच साल के लिए विदेशी ठहरा दिया जाएगा। सीएए के लागू होने से मटुआ समुदाय को सबसे अधिक फायदा मिलने की उम्मीद है। ममता ने इस समुदाय से उन पर विश्वास करने का अनुरोध करते हुए कहा कि वह कभी किसी को भी आपकी नागरिकता छीनने नहीं देंगी।उन्होंने कहा, मतुआ लोग, कृपया मुझ पर भरोसा रखिए। मैं किसी को भी आपकी नागरिकता छीनने नहीं दूंगी। क्या आप यह चाहते हैं या शांतिपूर्वक जीना चाहते हैं? सीएए के जरिए वे आपसे सबकुछ छीन लेंगे और आपको निरुद्ध केंद्र में रखेंगे। मूल रूप से पूर्वी पाकिस्तान (अब बांग्लादेश)के रहने वाले मतुआ लोग हिंदुओं का एक कमजोर वर्ग है जो धार्मिक उत्पीड़न के कारण विभाजन के दौरान और बांग्लादेश की स्थापना के बाद भारत में विस्थापित हुआ। नब्बे के दशक से राजनीतिक दलों को मतुआ वर्ग का समर्थन प्राप्त हुआ है जिनकी अच्छी-खासी आबादी और एकजुट होकर वोट करने की प्रवृत्ति उन्हें अल्पसंख्यक समूहों की तरह एक अहम मतदाता वर्ग बनाती है। नागरिकता संशोधन कानून (सीएए) के अनुसार, सरकार 31 दिसंबर 2014 से पहले पाकिस्तान, बांग्लादेश और अफगानिस्तान से भारत आए हिंदू, सिख, जैन, बौद्ध, पारसी और ईसाई शरणार्थियों को भारतीय नागरिकता देगी। सरकार ने 13 मार्च को सीएए नियमों को अधिसूचित किया है।

मध्य प्रदेश के सागर में दो संप्रदायों में विवाद के बाद झड़प

सागर। सागर जिले में किसी बात को लेकर हुए विवाद के बाद दो समूह कथित तौर पर आपस में भिड़ गए और एक दूसरे पर पथराव किया। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। पुलिस के मुताबिक कैंट थाना क्षेत्र के सदर इलाके में शनिवार रात हुई इस घटना में कुछ लोग घायल हो गए। इस घटना के कारण इलाके में तनाव फैल गया और पुलिस ने भीड़ को तितर-बितर करने के लिए आंसूगैस के गोले छोड़े। कैंट पुलिस थाना प्रभारी रवींद्र सिंह चौहान ने पीटीआई-भाषा को फोन पर बताया कि पुलिस ने इस घटना के सिलसिले में तीन प्राथमिकियां दर्ज की हैं और घटना में शामिल लोगों की पहचान करने की प्रक्रिया जारी है। थाना प्रभारी रवींद्र सिंह चौहान ने कहा, इस घटना के पीछे तात्कालिक कारण था। एक व्यक्ति ऑटो-रिक्शा चला रहा था और विवाद के बाद भीड़ ने उसकी पिटाई कर दी। बाद में दूसरे गुट के लोग भी जुट गए और दोनों गुटों ने एक-दूसरे पर पथराव किया। सागर जिले के पुलिस अधीक्षक अभिषेक तिवारी ने बताया कि शनिवार की रात दो गुटों के बीच हुए विवाद की जानकारी मिली थी। उन्होंने बताया कि पुलिस ने दोनों समूहों के सदस्यों को तितर-बितर करने के लिए आंसू गैस के गोले छोड़े। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि पुलिस इलाके के सीसीटीवी फुटेज की जांच कर रही है और मामले में कार्रवाई की जाएगी।यह पूछे जाने पर कि क्या विवाद एक धार्मिक गीत बजाने को लेकर शुरू हुआ था जिसके बाद भीड़ ने दो-तीन लोगों पर हमला कर दियाअ अभिषेक तिवारी ने कहा कि घायलों के बयान, सीसीटीवी फुटेज और प्रत्यक्षदर्शियों के बयान के आधार पर तथ्यों की जांच की जा रही है और इस मामले में सख्त कार्रवाई की जाएगी। घटना के बाद मौके पर पहुंचे भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के विधायक प्रदीप लारिया ने दावा किया कि यह पूर्व नियोजित था। प्रदीप लारिया ने आरोप लगाया, यह एक पूर्व नियोजित घटना थी। यह पुलिस जांच का विषय है कि घरों के अंदर (संघर्ष प्रभावित क्षेत्र में) बोतलें और पत्थर कैसे जमा किए गए। सौरभ नाम के एक व्यक्ति पर 250-300 लोगों के एक समूह ने तब हमला किया जब वह अपने घर में था और वह घायल हो गया। पत्थरों और बोतलों से हुए हमले में कुछ अन्य लोग भी हुए हैं।

जम्मू-कश्मीर में सेना के आतंकवाद-रोधी सुविधा केंद्र में प्रशिक्षण ले रहे 1,000 से अधिक पुलिस अधिकारी

जम्मू। जम्मू कश्मीर के डोडा जिले मे स्थित सेना के आतंक-रोधी व्हाइट नाइट कोर युद्ध स्कूल मे 62 पुलिस उपाधीक्षकों सहित 1,000 से अधिक परिवीक्षाधीन पुलिस अधिकारी छह सप्ताह का प्रशिक्षण ले रहे है। अधिकारियो ने यह जानकारी दी। एकीकृत प्रशिक्षण कार्यक्रम 19 मार्च को शुरू हुआ। पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद से तीन दशकों से अधिक समय से जूझ रहे इस केंद्र शासित प्रदेश मे अपनी तरह का यह पहला कार्यक्रम है। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने हाल ही मे एक साक्षात्कार मे कहा था कि सरकार की योजना जम्मू-कश्मीर से सैनिकों को वापस बुलाने और कानून व्यवस्था को केंद्र शासित प्रदेश की पुलिस के हवाले करने की है। उन्होने कहा था, हमारी योजना सैनिकों को वापस बुलाने और कानून-व्यवस्था को अकेले जम्मू-कश्मीर पुलिस के हवाले करने की है। पहले, जम्मू-कश्मीर पुलिस पर भरोसा नहीं किया जाता था, लेकिन आज वे ऑपरेशन का नेतृत्व कर रहे है। पुलिस के अनुसार, एकीकृत प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्देश्य दोनो बलो के समन्वय और संयुक्त परिचालन क्षमताओ को बढ़ाना था, जिन्होने तीन दशको से अधिक समय से एक साथ मिलकर आतंकवाद का मुकाबला किया है। एक पुलिस अधिकारी ने कहा, प्रशिक्षण परिचालन रणनीति, खुफिया जानकारी साझा करने और आतंक-रोधी रणनीतियो पर केंद्रित है, जो इन क्षेत्रो मे भारतीय सेना के व्यापक अनुभव पर आधारित है। यह संयुक्त प्रशिक्षण क्षेत्र के निवासियो की सुरक्षा और भलाई के लिए निरंतर प्रतिबद्धता का प्रतीक है।

पेज 1 का शेष

इंडिया...

संविधान छीनने के लिए किया जा रहा है। उन्होंने कहा, संविधान लोगों की आवाज है और जिस दिन यह खत्म हो जाएगा, यह देश खत्म हो जाएगा। पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा, भाजपा के एक सांसद ने कहा जब हमें 400 से अधिक सीटें मिलेंगी तो हम संविधान बदल देंगे। संविधान में संशोधन के बारे में अनंत कुमार हेगड़े की टिप्पणी का जिक्र करते हुए राहुल ने कहा, यह ऐसे ही नहीं कहा गया था, यह विचार का परीक्षण करने के लिए था। उन्होंने कहा, उन्हें लगता है कि देश को पुलिस, सीबीआई और ईडी की धमकी और धमकी से चलाया जा सकता है। आप मीडिया को खरीद सकते हैं और उन्हें दबा सकते हैं लेकिन आप भारत की आवाज को नहीं दबा सकते। इस दुनिया की कोई भी ताकत लोगों की इस आवाज को दबा नहीं सकती। यह चुनाव सिर्फ वोटों के बारे में नहीं है, यह देश और संविधान को बचाने के लिए है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने आरएसएस-भाजपा गठबंधन को 'जहर' बताया जिसने देश को 'बर्बाद' कर दिया है, और सभी विपक्षी दलों से आगामी लोकसभा चुनावों में सत्तारूढ़ दल को हराने के लिए एकजुट होने का आह्वान किया। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा ने यहां रामलीला मैदान में 'लोकतंत्र बचाओ रैली' में विपक्षी गठबंधन की मांगों को पढ़ा। उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग को लोकसभा चुनाव में सभी दलों के लिए समान अवसर सुनिश्चित करना चाहिए। कांग्रेस नेता ने मांग की कि चुनाव आयोग को चुनावों पर प्रतिकूल प्रभाव डालने के लिए विपक्षी दलों के खिलाफ प्रवर्तन निदेशालय, सीबीआई और आयकर विभाग की कार्रवाइयों को रोकना चाहिए, साथ ही उन्होंने कहा कि झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल को तुरंत रिहा किया जाना चाहिए। उन्होंने रैली में इंडिया ब्लॉक की मांगों को पढ़ते हुए कहा, चुनाव के दौरान, विपक्षी दलों के वित्त को जबरदस्ती बाधित करने की कार्रवाई को तुरंत रोका जाना चाहिए। प्रियंका ने कहा कि वह उन्हें बताना चाहती हैं कि भगवान राम के जीवन का संदेश यह है कि सत्ता स्थायी नहीं होती और अहंकार टूट जाता है। संसाधन, सेना और सोना लेकिन भगवान राम के पास सत्य, आशा, विश्वास, प्रेम, दया, शील, धैर्य, साहस और सच्चाई थी। मैं सत्ता में बैठे लोगों और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को बताना चाहता हूं कि भगवान राम के जीवन का संदेश है कि शक्ति नहीं है स्थायी... और अहंकार टूट जाता है।

भाजपा ने...

के राष्ट्रीय प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने भी राहुल के इस दावे पर कांग्रेस की आलोचना की कि अगर भगवा पार्टी सत्ता में लौटती है तो संविधान बदल दिया जाएगा पूरे देश में आग लग जाएगी। उन्होंने कहा कि मुख्य विपक्ष में विभाजनकारी राजनीति डीएनए में है। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने 1947 में जम्मू-कश्मीर के एक हिस्से को पाकिस्तान के कब्जे में छोड़कर धर्म के आधार पर देश का विभाजन करने में भी संकोच नहीं किया।

वरिष्ठ नेता...

आडवाणी अपने पूरे जीवन में राष्ट्रीय कल्याण और सामाजिक उत्थान के लिए निस्वार्थ भाव से समर्पित रहे। राष्ट्रपति भवन ने आडवाणी को भारतीय राजनीति का पुरोधा बताया और कहा कि उन्होंने सात दशकों से अधिक समय तक अटूट समर्पण और विशिष्टता के साथ देश की सेवा की है। इसमें कहा गया, एक सांसद के रूप में संवाद पर उनके जोर ने संसदीय परंपराओं को समृद्ध किया। एक्स पर पोस्टों की एक शृंखला में यह कहा गया, चाहे गृह मंत्री के रूप में या उपप्रधानमंत्री के रूप में, आडवाणी ने हमेशा राष्ट्रीय हित को सर्वोपरि प्राथमिकता दी, जिससे उन्हें पार्टी लाइनों से परे सम्मान और प्रशंसा मिली। इसमें कहा गया, भारत के सांस्कृतिक उत्थान के लिए उनका लंबा और अथक संघर्ष 2024 में अयोध्या में श्री राम मंदिर के पुनर्निर्माण के रूप में परिणत हुआ। एक्स पर राष्ट्रपति भवन ने कहा कि स्वतंत्रता के बाद के मुट्ठी भर राजनीतिक नेता जो राष्ट्रीय एजेंडे को नया आकार देने और इसे विकास के पथ पर लाने में सफल रहे, उनमें से आडवाणी की उपलब्धियां भारत की प्रतिभा और इसकी समावेशी परंपराओं का सबसे अच्छा अभिव्यक्ति प्रदान करती हैं।

भ्रष्टाचार...

बैंकों का, हजारों करोड़ रुपए हड़पे जाने का दावा करते हुए उन्होंने कहा, आपको खुशी होगी साथियों, हमने भ्रष्टाचारियों की संपत्ति जब्त करके 17 हजार करोड़ रुपए से ज्यादा मैंने उनके, जिनके पैसे गए थे, उनको वापस लौटा दिया। उन्होंने यह भी कहा कि जिनका पैसा गया, उनके पैसे वापस मिलें, इसके लिए मैं लगातार काम कर रहा हूं। ईडी ने जो संपत्ति जब्त की, अगर रिकार्ड मिलता है कि जिसके पैसे हैं, उसी से गए हैं तो मोदी आपके पैसे वापस दिलवाने के लिए जी जान से लड़ने वाला है। उन्होंने कहा कि हमने सुनिश्चित किया है कि गरीब का पैसा बीच में कोई और न हड़प पाए। हमारी सरकार ने कागजों से 10 करोड़ फर्जी लाभार्थी हटाए हैं। पूर्ववर्ती सरकारों पर तंज कसते हुए मोदी ने कहा, पहले ऐसी सरकार चलती थी जिनका जन्म नहीं हुआ, ऐसे लोगों के नाम पर पैसे जाते थे। ऐसे 10 करोड़ नाम हटाने की मोदी ने हिम्मत की है। ऐसे करके हमने देश के पौने तीन लाख करोड़ रुपए गलत हाथों में जाने से बचाए हैं। मोदी ने कहा, मेरठ की ये धरती क्रांति और क्रांति वीरों की धरती है। इस धरती पर बाबा औघड़ धाम का आशीर्वाद है। इस धरती ने चौधरी चरण सिंह जैसे महान सपूत देश को दिए हैं। हमारी सरकार को उन्हें भारत रत्न देने का सौभाग्य मिला है। प्रधानमंत्री ने कहा, मैं चौधरी साहब को आदरपूर्वक श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं। नमन करता हूं। मोदी ने आरोप लगाया कि किसानों से नफरत करने वाले इंडी गठबंधन ने चौधरी चरण सिंह को उचित सम्मान नहीं दिया। उन्होंने कहा, जब चरण सिंह पर भारत रत्न पर संसद में चर्चा हो रही थी तो इंडी गठबंधन ने जो किया वह पूरे देश ने देखा। हमारे छोटे भाई जयंत चौधरी संसद में चौधरी चरण सिंह के भारत रत्न के सम्मान को लेकर बोलने खड़े हुए तो उनकी आवाज को रोकने की कोशिश की। उन्होंने कहा कि जयंत चौधरी को अपमानित करने का प्रयास किया गया।

श्रीलंका को....

जवाब पर आधारित है, तत्कालीन इंदिरा गांधी सरकार ने 1974 में भारतीय तट से 20 किमी दूर पाक जलडमरूमध्य में स्थित 1.9 वर्ग किमी द्वीप को श्रीलंका को सौंप दिया था। शाह ने एक्स पर लिखा, कांग्रेस के लिए धीमी ताली! उन्होंने स्वेच्छा से कच्चातीवू को छोड़ दिया और उन्हें इसका कोई पछतावा भी नहीं था। कभी कांग्रेस के एक सांसद देश को विभाजित करने के बारे में बोलते हैं और कभी-कभी वे भारतीय संस्कृति और परंपराओं को बदनाम करते हैं। इससे पता चलता है कि वे भारत की एकता और अखंडता के खिलाफ हैं। वे केवल हमारे देश को विभाजित करना या तोड़ना चाहते हैं।

त्रिपुरा के...

अब दूर-दराज के इच्छुक खरीदारों से ऑनलाइन के साथ-साथ फेसबुक और व्हाट्सएप पर भी ऑर्डर किया जा सकता है। दूसरी ओर, रिगनाई पचरा को स्वदेशी सामग्रियों और तकनीकों का उपयोग करके कुशल कारीगरों द्वारा सावधानीपूर्वक तैयार किया जाता है, जो अपने पारंपरिक आकर्षण के लिए शहरी निवासियों, विशेष रूप से महानगरीय क्षेत्रों में महत्वपूर्ण रुचि पैदा करता है। रीसा, जिसे इस महीने की शुरुआत में जीआई टैग मिला था, अपने आश्चर्यजनक और स्टाइलिश डिजाइन, विशेष बहु-रंग संयोजन और स्थायी बनावट के लिए जाना जाता है। यह त्रिपुरा की कला के लिए भी बहुत महत्व रखता है।

भोजपुरी...

भोजपुरी सुपरस्टार आगामी लोकसभा चुनाव के लिए मैदान में हैं, लेकिन क्षेत्रीय फिल्म जगत के केंद्र कहे जाने वाले बिहार या पड़ोसी राज्य झारखंड से किसी को भी मैदान में नहीं उतारा गया है। कुमार नवादा लोकसभा क्षेत्र से निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ रहे हैं जहां 19 अप्रैल को मतदान होगा। कुमार ने पीटीआई-भाषा से कहा कि उन्होंने अपने गृह नगर नवादा से चुनाव लड़ने के लिए टिकट के वास्ते सभी प्रमुख राजनीतिक दलों से संपर्क किया था, लेकिन किसी ने उन्हें टिकट नहीं दिया, इसीलिए उन्हें निर्दलीय चुनाव लड़ना पड़ा। गायक ने कहा, ऐसा लगता है कि राजनीतिक दल बिहार से ही भोजपुरी गायको/ अभिनेताओं को लोकसभा चुनाव में उतारने में रुचि नहीं दिखा रहे हैं। हालांकि, विधानसभा में भोजपुरी गायक विनय बिहारी पश्चिमी चंपारण की लौरिया विधानसभा सीट से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के विधायक हैं।

कच्चातिवु मुद्दे पर झूठ फैलाना बंद करे द्रमुक: सीतारमण

भाषा। चेन्नई

केंद्रीय मंत्री निर्मला सीतारमण ने रविवार को कहा कि तमिलनाडु की सत्तारूढ़ द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) को कच्चातिवु मुद्दे पर गलत जानकारी देना बंद करना चाहिए। सीतारमण ने कच्चातिवु मुद्दे पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की तमिलनाडु इकाई के अध्यक्ष के. अन्नामलाई द्वारा सरकारी अधिकारियों से प्राप्त एक आरटीआई जवाब का जिक्र करते हुए एक्स पर कहा, आरटीआई जवाब से जो खुलासा हुआ है, ऐसा पूर्व मुख्यमंत्री जयललिता अम्मा ने तमिलनाडु राज्य विधानसभा में आधिकारिक तौर पर कहा था। अन्नामलाई ने एक्स पर कहा कि एक प्रमुख अंग्रेजी दैनिक ने रविवार को सूचना का अधिकार (आरटीआई) के माध्यम से प्राप्त जानकारी के आधार पर एक खबर प्रकाशित की। अन्नामलाई ने आरोप लगाया, कांग्रेस और द्रमुक ने श्रीलंका को कच्चातिवु सौंपने के लिए सांठगांठ की। कांग्रेस जब भी सत्ता में रही, उसे हमारे देश की सीमा, क्षेत्रीय अखंडता और संप्रभुता की रक्षा करने में सबसे कम दिलचस्पी थी। सीतारमण ने एक वीडियो क्लिप टैग किया जिसे एक्स पर पोस्ट किया गया था। वीडियो में दिवंगत जयललिता द्वारा वर्षों पहले विधानसभा में द्रमुक विधायक के पोनमुडी के सवाल पर दिया गया जवाब दिखाया गया है। जयललिता ने विधानसभा में (2011-16 के दौरान) कहा था कि द्रमुक सदस्यों के पास कच्चातिवु पर सवाल उठाने का कोई अधिकार नहीं है।उन्होंने कहा था कि द्रमुक सरकार में जब एम करुणानिधि तमिलनाडु के मुख्यमंत्री थे, तब केंद्र सरकार द्वारा कच्चातिवु द्वीप श्रीलंका को सौंप दिया गया था। उन्होंने पूछा था, करुणानिधि क्या कर रहे थे जब केंद्र ने 1974 और 1976 में द्वीप को श्रीलंका को सौंपने के लिए समझौते पर हस्ताक्षर किए थे? जयललिता ने इस बात की भी जानकारी मांगी थी कि क्या करुणानिधि ने उस समय केंद्र के फैसले को रोकने के लिए कदम उठाए थे या उन्होंने इसके खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया था? जयललिता ने द्रमुक विधायक पोनमुडी के सवाल का जवाब दिया था। पोनमुडी ने कहा था कि जयललिता ने 1991 में कहा था या नहीं कि वह कच्चातिवु को वापस ले आएंगी। उस समय, जयललिता ने अपनी टिप्पणी को याद करते हुए कहा था कि वह केंद्र सरकार के माध्यम से इस मामले पर कदम उठाएंगी। उन्होंने 1991 में यह नहीं कहा था कि वह सैनिकों को सक्रिय करके कच्चातीवू को पुन: प्राप्त कर लेंगी। उन्होंने आरोप लगाया था कि यह द्रमुक है जो मछुआरों की परेशानियों के लिए पूरी तरह से जिम्मेदार है।

भारत की एकता अखंडता के खिलाफ है कांग्रेस

नई दिल्ली। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने मीडिया की उस खबर को लेकर रविवार को कांग्रेस पर निशाना साधा जिसमें कहा गया है कि इंदिरा गांधी की सरकार ने कच्चातिवु द्वीप श्रीलंका को दे दिया था और कहा कि यह दर्शाता है कि पार्टी भारत की एकता और अखंडता के खिलाफ है। मीडिया की खबर भाजपा की तमिलनाडु इकाई के अध्यक्ष के. अन्नामलाई के आरटीआई (सूचना का अधिकार) आवेदन पर मिले जवाब पर आधारित है। इस खबर के अनुसार इंदिरा गांधी सरकार ने भारतीय तट से 20 किलोमीटर दूर पाक जलसंधि में स्थित 1.9 वर्ग किलोमीटर के इस द्वीप को 1974 में पड़ोसी देश श्रीलंका को सौंप दिया था। शाह ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर पोस्ट किया, कांग्रेस ने कच्चातिवु स्वेच्छा से छोड़ दिया और उन्हें इसका कोई पछतावा भी नहीं है। कांग्रेस के एक सांसद कभी देश को विभाजित करने के बारे में बोलते हैं और कभी-कभी वे भारतीय संस्कृति और परंपराओं को बदनाम करते हैं। इससे पता चलता है कि वे भारत की एकता और अखंडता के खिलाफ हैं। वे केवल हमारे देश को विभाजित करना या तोड़ना चाहते हैं। मीडिया की खबर में भारत और श्रीलंका के बीच विवाद के स्रोत इस मुद्दे पर प्रथम प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू की टिप्पणी का भी हवाला दिया गया है कि उन्हें द्वीप पर दावा छोड़ने में कोई हिचकिचाहट नहीं होगी।

कांग्रेस को हार का डर सता रहा इसलिए अब तक प्रत्याशी घोषित नहीं किए: मुख्यमंत्री सैनी

भाषा। भिवानी

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने रविवार को विपक्षी कांग्रेस पर करारा प्रहार करते हुए कहा कि उसे लोकसभा चुनाव में हार का डर सता रहा है और इसलिए विपक्षी दल ने हरियाणा में अबतक अपने प्रत्याशियों की घोषणा नहीं की है। मुख्यमंत्री भिवानी जिले के बवानीखेड़ा कस्बा में आयोजित विजय संकल्प यात्रा रैली को संबोधित कर रहे थे।उन्होंने केंद्र व राज्य सरकार की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं का उल्लेख करते हुए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के पक्ष में मतदान करने की अपील की। सैनी ने दावा किया, केंद्र सरकार व राज्य सरकार ने मिलकर प्रदेश को आगे बढ़ाया है। आयुष्मान योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना, किसान सम्मान निधि योजना व उज्ज्वला योजना के साथ ही देश व प्रदेश में सड़क निर्माण के क्षेत्र में अभूतपूर्व कार्य हुए हैं। उन्होंने कहा, बगैर पर्ची व खर्ची के युवाओं को रोजगार मिला है। मुख्यमंत्री ने कहा कि वह जनता से अपील करते हैं कि 25 मई को 18वीं लोकसभा के चुनाव में वह कमल (भाजपा के चुनाव चिह्न) के निशान पर बटन दबाएं और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा दिए गए 400 पार के नारे को चरितार्थ करें। सैनी ने दावा किया कि भाजपा हरियाणा की सभी 10 सीट पर जीत दर्ज करेगी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस 2019 के चुनाव की हार से डरकर अब 2024 में अपने प्रत्याशी खड़े नहीं कर रही है क्योंकि उसे लगता है कि इस आम चुनाव में फिर से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सरकार बनाएंगे।

शाह ने सीकर में रोड शो कर राजस्थान में चुनाव प्रचार की शुरुआत की

भाषा। जयपुर

राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के साथ केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह

राजस्थान में लोकसभा चुनाव के लिए प्रचार की शुरुआत करते हुए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और पार्टी उम्मीदवार एवं दो बार के सांसद स्वामी सुमेधानंद के साथ सीकर लोकसभा क्षेत्र में एक रोड शो किया।इससे पूर्व शाह जयपुर पहुंचे और रोड शो के लिए सीकर जाने से पहले जयपुर के एक होटल में पांच लोकसभा क्षेत्रों दौसा, करौली-धौलपुर, नागौर, चूरू और झुंझुनू के पार्टी नेताओं के साथ बैठक की।सीकर में अमित शाह, भजनलाल शर्मा और पार्टी प्रत्याशी सुमेधानंद ने खुले वाहन में रोड शो किया। रोड शो श्री कल्याण मंदिर से शुरू हुआ और न्यू दूजोद गेट, घंटाघर, जाट बाजार से होकर गुजरा और एक घंटे से अधिक समय में लगभग दो किलोमीटर की दूरी तय करते हुए टपरिया बगीची में समाप्त हुआ।रोड शो पर लोगों ने फूल बरसाए और भाजपा, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और अन्य नेताओं के समर्थन में नारे लगाए। शाह ने भी हाथ हिलाकर लोगों का अभिवादन किया। रोड शो में भारी भीड़ उमड़ी।जाट बाहुल्य सीकर लोकसभा सीट पर कांग्रेस गठबंधन की सहयोगी मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) के उम्मीदवार अमराराम चुनाव लड़ रहे हैं। सीकर सीट पर माकपा के पूर्व विधायक अमराराम का मुकाबला भाजपा के दो बार सांसद रहे सुमेधानंद से है।सीकर कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा का गृहनगर भी है। डोटासरा का विधानसभा क्षेत्र लक्ष्मणगढ़ सीकर लोकसभा सीट में आता है।सीकर लोकसभा सीट के तहत आने वाले आठ विधानसभा क्षेत्रों में से पांच पर कांग्रेस और तीन पर भाजपा का कब्जा है।राजस्थान में लोकसभा चुनाव दो चरणों में 19 और 26 अप्रैल को होंगे और सीकर उन 12 सीट में शामिल है जहां 19 अप्रैल को पहले चरण में चुनाव होंगे।पहले चरण में 12 लोकसभा सीटों गंगानगर, बीकानेर, चूरू, झुंझुनू, सीकर, जयपुर ग्रामीण, जयपुर, अलवर भरतपुर, करौली-धौलपुर, दौसा और नागौर पर 19 अप्रैल को मतदान होगा।दूसरे चरण में 13 लोकसभा सीट टोंक-सवाई माधोपुर, अजमेर, पाली, जोधपुर, बाड़मेर, जालौर, उदयपुर, बांसवाड़ा, चित्तौड़गढ़, राजसमंद, भीलवाड़ा, कोटा और झालावाड़-बारां पर 26 अप्रैल को मतदान होगा।

सीयूईटी-स्नातक के लिए आवेदन की अंतिम तिथि पांच अप्रैल की गई

नई दिल्ली। राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) ने रविवार को कहा कि संयुक्त विश्वविद्यालय प्रवेश परीक्षा- स्नातक (सीयूईटी-यूजी) के लिए आवेदन की अंतिम तिथि एक बार फिर बढ़ाकर पांच अप्रैल कर दी गई है। आवेदन की पहली समयसीमा 26 मार्च थी, जो बढ़ाकर 31 मार्च कर दी गई थी। राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) की वरिष्ठ निदेशक (परीक्षा) साधना पाराशर ने कहा, छात्रों और अन्य हितधारकों के अनुरोध के आधार पर सीयूईटी-यूजी 2024 के लिए ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि बढ़ाकर पांच अप्रैल 2024 कर दी गई है। उक्त तारीख को रात 9:50 बजे तक आवेदन किया जा सकता है। उन्होंने कहा, छात्र पहचान प्रकट करने के लिए स्कूल आईडी या फोटो वाला कोई सरकारी पहचान पत्र भी इस्तेमाल कर कर सकते हैं। परीक्षा 15 मई से 31 मई के बीच आयोजित की जाएगी।

शराब देने से मना करने पर सेल्समैन की गोली मारकर हत्या

नोएडा। उत्तर प्रदेश के गौतमबुध नगर जनपद के बिसरख थाना क्षेत्र के न्यू हैबतपुर गांव स्थित शराब की दुकान पर शनिवार की देर रात तीन लड़के आए और वहां मौजूद सेल्समैन से जबरन शराब लेने का प्रयास किया, जब सेल्समैन ने मना किया तो उन्होंने मारपीट कर उसे गोली मार दी, जिससे इस घटना में उसकी मौत हो गई। पुलिस अधिकारी ने इसकी जानकारी दी।पुलिस उपायुक्त (जोन द्वितीय) सुनीति ने बताया कि शनिवार की देर रात लगभग दो बजे के करीब न्यू हैबतपुर गांव स्थित शराब की दुकान पर तीन लड़के आए और वहां मौजूद सेल्समैन से शराब मांगा। उन्होने बताया कि सेल्समैन ने कहा कि दुकान बंद है और वह शराब नही देगा। उन्होंने कहा कि इस बात को लेकर तीनों लड़को ने सेल्समैन के साथ मारपीट की तथा उसे गोली मार दी। उन्होंने कहा कि इस घटना में अमरोहा का रहने वाला सेल्समैन हरिओम नागर घायल हो गया। उसे उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती करवाया गया, जहां पर उसकी मौत हो गई है। उन्होने बताया कि घटना के खुलासे के लिए पुलिस की चार टीमें बनाई गई है। उन्होंने दावा किया कि जल्द ही आरोपियो की गिरफ्तारी कर ली जाएगी।

केंद्र ने पेंशन योजना बहाल करने से रोकने के लिए कई पाबंदियां लगाईं : कांग्रेस

शिमला। कांग्रेस ने रविवार को कहा कि केंद्र सरकार ने हिमाचल प्रदेश को पुरानी पेंशन योजना (ओपीए) बहाल करने से रोकने के लिए कई पाबंदियां लगा दी है। मुख्य संसदीय सचिव आशीष बुटेल और उप मुख्य सचेतक केवल सिंह पठानिया ने यहां जारी संयुक्त बयान में कहा कि केवल कांग्रेस सरकार में ही कर्मचारियों के हित सुरक्षित हैं। उन्होंने कहा कि केंद्र की ओर से मिलने वाली सहायता कम कर दी गई है, लेकिन इसके बावजूद मौजूदा राज्य सरकार ने तय कर रखा है कि किसी भी सूरत में कर्मचारियों को ओपीएस प्रदान की जाएगी। कांग्रेस नेताओ ने कहा कि पिछली भाजपा नीत राज्य सरकार के कार्यकाल के दौरान ओपीएस की बहाली की मांग करने वाले कर्मचारियो पर पानी की बौछारें की गईं और लाठियां बरसाई गईं। उन्होंने कहा, कर्मचारियों ने ओपीएस के लिए लंबे समय तक संघर्ष किया और वर्तमान राज्य सरकार ने उनकी काफी समय से लंबित मांग को पूरा किया है। मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने बिना किसी राजनीतिक कारण के कर्मचारियों का भविष्य सुरक्षित कर दिया ताकि कर्मचारियों को बुढ़ापे मे किसी से मदद न मांगनी पड़े और वे अपना शेष जीवन आत्मसम्मान के साथ बिता सकें। उन्होंने पाला बदलने वाले छह पूर्व विधायकों पर निशाना साधते हुए कहा कि विद्रोही अब कर्मचारी विरोधी भाजपा के साथ खड़े है और पार्टी के टिकट पर उपचुनाव लड़ रहे है।

गोवा में आप के रिश्वत राशि के इस्तेमाल का खुलासा आयकर, सीबीआई की जांच में भी हुआ

भाषा। नई दिल्ली

केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) और आयकर विभाग ने भी अलग-अलग जांच में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के दावे की पुष्टि की है कि दिल्ली आबकारी मामले में 45 करोड़ रुपए की कथित रिश्वत का इस्तेमाल आम आदमी पार्टी (आप) ने 2022 के गोवा चुनाव प्रचार के लिए किया। अदालत में दाखिल दस्तावेजों से यह जानकारी मिली। इस मामले में ईडी हवाला ऑपरेटर और अंगड़िया के एक विस्तृत नेटवर्क की भी जांच कर रही है। ईडी ने आबकारी मामले में हाल में दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को गिरफ्तार किया था और दावा किया था कि कोष के कथित धन शोधन के लिए केजरीवाल और उनकी पार्टी पर मुकदमा चलाया जा सकता है। ईडी ने 45 करोड़ रुपए की कथित रिश्वत राशि के लेन-देन को स्थापित करने के लिए पांच अंगड़िया फर्म संचालकों के बयान भी दर्ज किए हैं। अंगड़िया हवाला जैसी अनौपचारिक कूरियर और बैंक सेवाएं हैं जिनका इस्तेमाल विशेष रूप से हीरे और आभूषण क्षेत्र के व्यवसायों द्वारा सरकारी करों और देनदारी से बचने के लिए केवाईसी-आधारित औपचारिक बैंकिंग मार्ग से बचते हुए बड़ी नकद राशि और अन्य कीमती सामान स्थानांतरित करने के लिए किया जाता है। ईडी द्वारा इस मामले में गिरफ्तार किए गए 16 प्रमुख लोगों में तेलंगाना के पूर्व मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव की बेटी और विधान पार्षद के. कविता, दिल्ली के पूर्व उपमुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी के नेता मनीष सिसोदिया और आप के राज्यसभा सदस्य संजय सिंह शामिल हैं।

आरएसएस-माकपा के बीच समझौते के चलते संघ के कार्यकर्ताओं को बरी किया गया : कांग्रेस

तिरुवनंतपुरम। केरल में सात साल पहले मस्जिद के अंदर मदरसा शिक्षक की हत्या से संबंधित मामले में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के तीन कार्यकर्ताओं को हाल ही में बरी किए जाने को लेकर कांग्रेस ने रविवार को प्रदेश की वाम मोर्चा सरकार पर निशाना साधा और पुलिस एवं अभियोजन पर मामले को सही तरीके से नहीं संभालने का आरोप लगाया। कांग्रेस ने पूछा कि क्या उन्हें लोकसभा चुनाव के तहत आरएसएस और मार्क्सवादी पार्टी के बीच गुपचुप समझौते के चलते छोड़ा गया है। राज्य विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष वी.डी. सतीशन और केरल प्रदेश कांग्रेस कमेटी (केपीसीसी) के कार्यवाहक अध्यक्ष एम.एम. हसन ने मुख्यमंत्री व गृह मंत्री पिनराई विजयन से उन परिस्थितियों को स्पष्ट करने का आग्रह किया जिनके कारण आरएसएस कार्यकर्ताओं को बरी कर दिया गया। हसन ने कहा, मुख्यमंत्री को पुलिस और अभियोजन पक्ष द्वारा की गई गंभीर खामियों पर प्रतिक्रिया देनी चाहिए क्योंकि अदालत ने खुद जांच की तीखी आलोचना की है। उन्होंने एक बयान में कहा कि क्या आरएसएस और मार्क्सवादी पार्टी के बीच गुप्त समझौते के कारण कार्यकर्ताओं को रिहा किया गया। सतीशन ने मामले में पुलिस जांच और अभियोजन की भी आलोचना की और कहा कि उन्होंने सत्तारूढ़ वाम दलों की जानकारी में गंभीर चूक की है।

बिहार कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष अनिल शर्मा ने पार्टी छोड़ी

पटना। लोकसभा चुनाव से पहले बिहार में कांग्रेस को एक बड़ा झटका देते हुए पार्टी की राज्य इकाई के पूर्व अध्यक्ष अनिल शर्मा ने रविवार को पार्टी छोड़ दी और दावा किया कि उसने (पार्टी) राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के साथ विनाशकारी साझेदारी की है। शर्मा ने यहां एक संवाददाता सम्मेलन में पार्टी छोड़ने की घोषणा की और विवादास्पद पूर्व सांसद राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव को हाल में बहुत धूमधाम से पार्टी में शामिल किए जाने पर नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने कहा, आज पार्टी नेतृत्व दिल्ली में रैली करने में व्यस्त हैं और वह लोकतंत्र को बचाने की जरूरत की बात कर रहे हैं। दुखद है पर कांग्रेस में ही कोई लोकतंत्र नहीं बचा है और हमारे निर्वाचित राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी से या उनके करीबी के सी वेणुगोपाल से विचार विमर्श किए बना कोई कदम नहीं उठा सकते। शर्मा लगभग एक दशक में पार्टी छोड़ने वाले बिहार कांग्रेस के चौथे पूर्व अध्यक्ष बन गए हैं। इससे पहले अशोक चौधरी ने पार्टी छोड़ी थी और 2018 में जनता दल यूनाइटेड (जदयू) में शामिल हो गए थे। इससे पहले, 2015 में, राम जतन सिन्हा ने कांग्रेस छोड़ दी थी। उससे एक साल पहले महबूब अली कैसर दिवंगत राम विलास पासवान की लोक जनशक्ति पार्टी (लोजपा)में शामिल हो गए थे।

जयराम ठाकुर ने कंगना से की मुलाकात की

● आगामी चुनावों की रणनीति पर चर्चा की

भाषा। शिमला

हिमाचल प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री जय राम ठाकुर ने चुनावी रणनीति पर चर्चा करने के लिए मंडी लोकसभा सीट से भाजपा की उम्मीदवार कंगना रनौत से उनके भांबला स्थित आवास पर रविवार को मुलाकात की।बॉलीवुड में अपने अभिनय का जलवा बिखेरने वाली कंगना रनौत पहली बार चुनाव मैदान में हैं और भाजपा ने उन्हें इस सीट से पार्टी उम्मीदवार बनाया है। इस मौके पर सरकाघाट सीट से विधायक दिलीप सिंह ठाकुर और भाजपा के अन्य स्थानीय पदाधिकारी भी उपस्थित थे। कंगना ने शुक्रवार को एक रोड शो और रैली के साथ अपने चुनाव प्रचार अभियान की शुरुआत की थी। उन्होंने मंडी की महिलाओं के संबंध में की गई टिप्पणी को लेकर रविवार को कांग्रेस नेताओं की आलोचना की और लोगों से आगामी चुनाव में पार्टी को सबक सिखाने का आह्वान किया। कांग्रेस नेता सुप्रिया श्रीनेत और एच. एस. अहीर द्वारा कंगना और मंडी को लेकर टिप्पणी के बाद विवाद खड़ा हो गया था। कंगना ने कहा, कोई फर्क नहीं पड़ता कि आप कहां काम करते हैं, आप कहां जाते हैं, घर-घर है और यहां के लोग मेरे अपने हैं। उन्होंने कहा, मैंने हमेशा महिलाओं के अधिकारों और महिला सशक्तीकरण के लिए संघर्ष किया है। राज्य विधानसभा में विपक्ष के नेता ठाकुर ने एक बयान में कहा कि जनता उनसे झूठे वादे करने और राज्य में लगभग 1,000 सरकारी संस्थानों को बंद करने के लिए कांग्रेस को जवाब देगी।

सेना का ध्यान स्वदेशीकरण पर केंद्रित रहेगा: लेफ्टिनेंट जनरल सिंह

भाषा। पुण

दक्षिणी कमान के जनरल ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ लेफ्टिनेंट जनरल अजय कुमार सिंह ने कहा कि सेना की दक्षिण कमान स्वदेशीकरण, तकनीक को अपनाने और परिचालन क्षमता बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित करेगी। एक अप्रैल को अपना 130वां स्थापना दिवस मना रही दक्षिणी कमान भारतीय सेना की सबसे पुरानी और बड़ी कमान है, जिसके तहत 11 राज्यों और चार केंद्र शासित प्रदेशों का 41 प्रतिशत भूमि क्षेत्र आता है। दक्षिणी कमान के 38वें जनरल ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ ने पीटीआई-भाषा को दिए एक साक्षात्कार में 2024 के दौरान परिवर्तनकारी बदलाव के लिए एक उत्प्रेरक के रूप में प्रौद्योगिकी का लाभ उठाने के लिए कमान की प्रतिबद्धता के बारे में बात की। सेना 2024 को प्रौद्योगिकी अवशोषण के वर्ष के रूप में मना रही है। लेफ्टिनेंट जनरल सिंह ने कहा, यह थीम परिवर्तनकारी बदलाव के साथ ही हमारी परिचालन और साजोसामान संबंधी आवश्यकताओं के नवोन्मेषी समाधान के लिए घरेलू विशेषज्ञता का इस्तेमाल करने के लिए एक उत्प्रेरक के रूप में प्रौद्योगिकी का लाभ उठाने की हमारी प्रतिबद्धता को दिखाता है। उन्होंने कहा, दक्षिणी कमान ने रक्षा विनिर्माण में आत्मनिर्भर होने के भारत के लक्ष्य में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। भौगोलिक रूप से देश के उद्योग केंद्रों के साथ स्थित होने और बड़ी संख्या में फील्ड फायरिंग रेंज (एफएफआर) होने के कारण, दक्षिणी कमान विभिन्न हथियार मंचों, महत्वपूर्ण रक्षा उपकरणों और परिष्कृत गोला-बारूद के परीक्षणों के लिए एक परीक्षण मंच के रूप में कार्य करता है। उन्होंने कहा, एकाधिक डोमेन दृष्टिकोण के साथ संयुक्त एकीकृत संचालन ही आगे का रास्ता है और तीनों सेवाओं के बीच एकीकरण तथा तालमेल में सुधार करने के लिए दक्षिण कमान ने हाल ही में दो प्रमुख संयुक्त अभ्यास अभ्यास भारत शक्ति और अभ्यास त्रिशक्ति प्रहार किया।

अपाचे हेलीकॉप्टर पश्चिमी क्षेत्र में सेना की हवाई हमले की ताकत बढ़ाएंगे

मुंबई। विभिन्न मौसम और इलाके की परिस्थितियों में मिशन संचालित करने की क्षमता के लिए मशहूर अपाचे हेलीकॉप्टर पश्चिमी क्षेत्र में भारतीय सेना की परिचालन पहुंच और हवाई हमले की क्षमताओं को बढ़ाने के लिए तैयार है। सेना के एक उच्चाधिकारी ने रविवार को यह बात कही। सेना के दक्षिणी कमान के जनरल ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ लेफ्टिनेंट जनरल ए के सिंह ने पीटीआई-भाषा के साथ एक विशेष साक्षात्कार में सेना के परिवर्तन और परिचालन प्रभावशीलता पर इस कदम के महत्वपूर्ण प्रभाव को रेखांकित किया। दक्षिणी कमान क्षेत्र के भीतर पहला मीडियम लिफ्ट अटैक हेलीकॉप्टर स्क्वाड्रन इस साल 15 मार्च को शुरू किया गया था। यह स्क्वाड्रन बोइंग द्वारा निर्मित अत्याधुनिक अपाचे एच-64ई हेलीकॉप्टरों से सुसज्जित होगा। उन्होने कहाकि ये हेलीकॉप्टर हमारी सीमाओं के साथ विभिन्न मौसम और इलाके की स्थितियों में मिशन में शामिल होने की क्षमता रखते है। नए अधिग्रहीत अपाचे हेलीकॉप्टर में कई प्रकार की क्षमताएं है, जिनमे टैंक रोधी निर्देशित मिसाइल, हवा से हवा मे मार करने वाली मिसाइल, रॉकेट और अन्य गोला-बारूद लॉन्च करने की क्षमता शामिल है। भारत द्वारा अपाचे हेलीकॉप्टरों को हासिल करना एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। इसके साथ ही भारत इस गुप्त और बहुमुखी मशीन को अपने सैन्य शस्त्रागार में शामिल करने वाला 16वां देश बन गया है।

क्विक न्यूज

रिलायंस के केजी-डी6 ब्लॉक सहित कठिन क्षेत्रों से उत्पादित गैस की कीमत घटाकर 9.87 डॉलर की गई

नई दिल्ली। सरकार ने रविवार को रिलायंस इंडस्ट्रीज के गहरे समुद्र केजी-डी6 ब्लॉक जैसे कठिन क्षेत्रों से उत्पादित प्राकृतिक गैस की कीमत में मामूली कटौती करते हुए इसे 9.87 डॉलर प्रति 10 लाख ब्रिटिश थर्मल यूनिट कर दिया। एक आधिकारिक अधिसूचना में कहा गया कि मानक अंतरराष्ट्रीय गैस कीमतों में नरमी के अनुरूप यह कटौती की गई है। वाहनों में इस्तेमाल होने वाली सीएनजी या खाना पकाने में इस्तेमाल होने वाली पीएनजी को बनाने के लिए उपयोग की जाने वाली गैस की कीमत में कोई बदलाव नही किया गया है। इनके लिए मूल्य सीमा रिलायंस को भुगतान की जाने वाली बाजार दरों से 30 प्रतिशत कम निर्धारित की गई है। अधिसूचना में कहा गया कि पेट्रोलियम योजना और विश्लेषण प्रकोष्ठ (पीपीएसी) के अनुसार एक अप्रैल से शुरू होने वाली छमाही के लिए गहरे समुद्र और उच्च दबाव, उच्च तापमान (एचपीटीपी) वाले क्षेत्रों से गैस की कीमत 9.96 अमेरिकी डॉलर से घटाकर 9.87 अमेरिकी डॉलर प्रति एमएमबीटीयू कर दी गई है। सरकार स्थानीय रूप से उत्पादित प्राकृतिक गैस की कीमतें साल में दो बार तय करती है। नए फॉर्मूले के मुताबिक घरेलू प्राकृतिक गैस की कीमत 6.5 डॉलर प्रति एमएमबीटीयू पर बनी रहेगी।

सावरकर के जीवन और संघर्ष को दर्शाती है विनायक दामोदर सावरकर

नई दिल्ली। हिंदुत्व विचारक विनायक दामोदर सावरकर के संबंध मे हाल ही में आई पुस्तक विनायक दामोदर सावरकर : नायक बनाम प्रतिनायक मे हिंदू राष्ट्र की अवधारणा, भारत विभाजन, सनातन धर्म, अल्पसंख्यकों और बहुसंख्यकों के संबंध मे उनके विचारों के साथ ही उनके जीवन के संघर्ष और आजादी की लड़ाई में उनकी भूमिका पर प्रकाश डाला गया है। पुस्तक में सावरकर के हवाले से लिखा गया है, इस देश को अपनी मातृभूमि और पुण्यभूमि मानने वाला हर व्यक्ति हिंदू है। यह परिभाषा समाज में और अधिक बिखराव एवं अलगाव को रोकने तथा हिंदुओं को भारत के लोगों का एक समुदाय बनाने में सशक्त भूमिका अदा करेगी। लेखक कमलाकांत त्रिपाठी लिखित इस पुस्तक में भारत के विभाजन के संबंध में कहा गया है कि मोहम्मद अली जिन्ना जहां हिंदुस्तान को दो भागों मे बांटे जाने के समर्थक थे, तो वही सावरकर ने कहा था कि दोनों राष्ट्र एक ही संविधान के तहत एक ही देश में रह सकते है, किंतु संविधान ऐसा होना चाहिए जिसमें हिंदू राष्ट्र की प्रधानता रहे और मुस्लिम राष्ट्र उसके साथ सहयोग करे। लेखक कहते है कि सावरकर इस व्यवस्था को इस आधार पर साकार करना चाहते थे कि इसमें हर व्यक्ति का, चाहे वह हिंदू हो या मुसलमान, एक वोट होगा और इसमें मुसलमानों को कोई ऐसा लाभ नही मिलेगा जो हिंदुओं को उपलब्ध न हो। पुस्तक के अनुसार, उनका कहना था किसी समुदाय की अल्पसंख्या उसके किसी विशेषाधिकार के लिए औचित्य प्रदान नही करती। इसी तरह किसी समुदाय की बहुसंख्या उसके किसी अधिकार से वंचित करने के दंड का भी आधार नही बन सकती। किताबघर प्रकाशन द्वारा प्रकाशित इस पुस्तक में लेखक लिखते है कि जब हम सावरकर को तिरस्कारपूर्वक माफीवीर कहकर उनकी खिल्ली उड़ाते है तो पहले हमें उन दिनों के सेल्युलर जेल में दस साल के बजाय दस दिन भी रह पाने की अपनी क्षमता पर दृष्टि डालनी चाहिए।

क्षत्रिय समुदाय के विरोध प्रदर्शनों के बीच रूपाला के राजकोट स्थित आवास की सुरक्षा बढ़ाई गई

राजकोट। केंद्रीय मंत्री और गुजरात की राजकोट लोकसभा सीट से भाजपा के उम्मीदवार परषोत्तम रूपाला के इस महीने की शुरुआत में चुनावी रैली में दिए गए एक बयान को लेकर क्षत्रिय समुदाय के विरोध प्रदर्शनों के बीच उनके आवास पर सुरक्षा बढ़ा दी गई है। रूपाला ने कहा था कि कई क्षत्रिय शासकों ने अतीत में अंग्रेजो का साथ दिया था। इस बयान से समुदाय के सदस्य आक्रोशित हो गए और उन्होंने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) से उनकी उम्मीदवारी वापस लेने का अनुरोध किया और ऐसा नही करने पर हार के लिए तैयार रहने की चेतावनी दी है। सहायक पुलिस आयुक्त बी.जे. चौधरी ने रविवार को कहा, हमने (राजकोट शहर में) रूपाला के आवास पर सुरक्षा कड़ी कर दी है, ताकि किसी भी अप्रिय घटना से बचा जा सके। एहतियात के तौर पर बंदोबस्त किया गया है। दस पुलिसकर्मी, चार पुलिस अपर निरीक्षक, एक पुलिस निरीक्षक की तैनाती की गई है। शनिवार रात यहां प्रद्युम्न नगर पुलिस ने रूपाला का पुतला फूंकने के आरोप में तीन लोगों को गिरफ्तार किया था। उनके खिलाफ गैरकानूनी जमावड़ा, लोकसेवक के काम मे बाधा डालना, आगजनी, सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाना आदि आरोपों मे भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। करणी सेना नेता पद्मिनीबाई वाला ने कहा कि रूपाला के खिलाफ विरोध प्रदर्शन जारी रहेगा। शनिवार को करणी सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष राज शेखावत ने कहा था कि मंत्री के खिलाफ कार्वाई नही करने पर वह भाजपा छोड़ देंगे।

ईडी ने गैंगस्टर सुरेंद्र सिंह के रिश्तेदारों की संपत्तियां कुर्क की

नई दिल्ली। लॉरेंस बिश्नोई गिरोह और अन्य के खिलाफ धनशोधन जांच के तहत गैंगस्टर सुरेंद्र सिंह उर्फ चीकू के परिवार के सदस्यो की 17.82 करोड़ रुपए की बैंक जमा, नकदी और जमीन कुर्क की गई है। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने रविवार को यह जानकारी दी। केंद्रीय एजेंसी ने एक बयान में कहा कि अचल संपत्तियां हरियाणा के नारनौल और राजस्थान के जयपुर में स्थित है।इसमें कहा गया है कि चीकू अपने गिरोह के सदस्यो के माध्यम से लॉरेंस बिश्नोई के अपराध से अर्जित पैसो को ठिकाने लगा रहा था और अपने परिवार के सदस्यो और रिश्तेदारो के नाम पर संपत्ति अर्जित कर रहा था। चीकू वर्तमान में तिहाड़ जेल में बंद है और उसे इस मामले में फरवरी में ईडी द्वारा गिरफ्तार किया गया था। ईडी ने कहा कि जांच मे पाया गया कि निमावत ग्रेनाइट्स प्राइवेट लिमिटेड नामक कंपनी के माध्यम से नारनौल में खनन कारोबार में चीकू की कथित अवैध संलिप्तता थी। एजेंसी ने कहा कि सुरेंद्र सिंह चीकू ने अपने बहनोई विकास कुमार को इस कंपनी मे निदेशक और शेयरधारक के रूप मे पेश किया, जिसे नारनौल मे बखरीजा खदानो मे खनन का पट्टा दिया गया था। एजेंसी ने दावा किया, इस सौदे के जरिए सुरेंद्र सिंह चीकू और विकास कुमार ने बिना व्यावसायिक निवेश के 2.84 करोड़ रुपए की उगाही की।

बारामती की लड़ाई शरद पवार को खत्म करने की भाजपा की चाल: सुप्रिया सुले

पुणे। लोकसभा सदस्य सुप्रिया सुले ने रविवार को दावा किया कि बारामती निर्वाचन क्षेत्र मे उनके और उनकी भाभी सुनेत्रा पवार के बीच लड़ाई राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के संस्थापक शरद पवार को राजनीतिक रूप से समाप्त करने की भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की साजिश है। सुले ने कहा कि लोकसभा चुनाव मे अंत:-पारिवारिक द्वंद्व सुनेत्रा पवार के प्रति उनके सम्मान को कम नही करेगा, क्योंकि वह (सुनेत्रा) उनके बड़े भाई की पत्नी और मां की तरह है। तीन बार की सांसद सुले के खिलाफ महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार की पत्नी सुनेत्रा पवार के चुनावी अखाड़े मे उतरने के बाद शरद पवार का गृह क्षेत्र बारामती एक हाई-प्रोफाइल चुनावी संघर्ष के लिए तैयार है। पवार-बनाम-पवार का संघर्ष पिछले साल मूल राकांपा में हुए विभाजन का नतीजा है। अजित पवार पिछले वर्ष अपने वफादार विधायकों के साथ सत्तारूढ़ भाजपा और एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना के साथ चले गए थे। सुले ने पीटीआई-भाषा से बातचीत मे कहा कि सुनेत्रा पवार उनके बड़े भाई की पत्नी है और बड़ी भाभी को मां के समान माना जाता है। उन्होंने कहा, इसलिए यह चाल (सुनेत्रा को सुले के खिलाफ उतारने की) पवार परिवार और महाराष्ट्र के खिलाफ है। भाजपा पवार साहब को (राजनीतिक तौर पर) समाप्त करना चाहती है। यह मै नही कह रही, (बल्कि) भाजपा के एक वरिष्ठ नेता ने बारामती का दौरा करने के बाद ऐसी टिप्पणी की थी। सुले (54) ने दावा किया कि सुनेत्रा पवार (60) को नामांकित करने का कदम दर्शाता है कि ऐसा विकास के लिए नही किया गया है।

ट्रंप खेमे और बाइडन में वार-पलटवार

31 मार्च को ट्रांसजेंडर डे ऑफ विजिबिलिटी घोषित करने के लिए अमेरिकी राष्ट्रपति की आलोचना की

भाषा। वाशिंगटन

अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन को 31 मार्च को ट्रांसजेंडर डे ऑफ विजिबिलिटी घोषित करने के कारण पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की चुनाव प्रचार अभियान टीम और धार्मिक रूढ़िवादियों की आलोचना का सामना करना पड़ रहा है, क्योंकि इसी दिन ईस्टर संडे भी है। डेमोक्रेटिक पार्टी से ताल्लुक रखने वाले राष्ट्रपति ने शुक्रवार को यह घोषणा करते हुए कहा, सभी अमेरिकियों को हमारे देश में ट्रांसजेंडर लोगों के जीवन को सुधारने, उनकी आवाज को उठाने और लैंगिंग पहचान के आधार पर हिंसा एवं भेदभाव को खत्म करने की दिशा में हमारे साथ मिलकर काम करना चाहिए। इस साल 31 मार्च को ईस्टर भी पड़ रहा है, जो ईसाई समुदाय के सबसे पवित्र त्यौहारों में से एक है। ट्रंप खेमे ने ईसाई धर्म के रोमन कैथोलिक पंथ को मानने वाले बाइडन पर धर्म के प्रति असंवेदनशील होने का आरोप लगाया और रिपब्लिकन पार्टी ने इसका समर्थन किया। ट्रंप के चुनाव प्रचार अभियान की प्रेस सचिव कैरोलीन लेविट ने शनिवार को कहा, हम जो बाइडन के चुनाव प्रचार अभियान दल और व्हाइट हाउस से मांग करते हैं कि वह अमेरिका के उन लाखों कैथोलिक और ईसाइयों से माफी मांगे, जो मानते हैं कि कल केवल एक बात का जश्न मनाने का दिन है और वह है ईशु मसीह का पुनर्जीवित होना। उन्होंने बाइडन प्रशासन द्वारा ईसाई धर्म पर कथित रूप से वर्षों से किए जा रहे हमले को लेकर भी उसे आड़े हाथों लिया।

अमेरिकी संसद की प्रतिनिधि सभा के अध्यक्ष एवं रिपब्लिकन नेता माइक जॉनसन ने सोशल मीडिया पर कहा कि व्हाइट हाउस ने ईस्टर के अहम सिद्धांत के साथ विश्वासघात किया है और बाइडन के निर्णय को अपमानजनक और घृणित कहा है। बाइडन श्रद्धापूर्वक प्रार्थना सभा में भाग लेते हैं और अपनी कैथोलिक परवरिश को अपनी नैतिकता और पहचान का मुख्य हिस्सा मानते हैं। उन्होंने 2021 में वेटिकन में पोप फ्रांसिस से मुलाकात की थी।

यूक्रेन के ऊर्जा बुनियादी ढांचे पर रूस के हमले में दो व्यक्तियों की मौत

भाषा। कीव

यूक्रेन के पश्चिमी लवीव क्षेत्र में बुनियादी ढांचे पर रूस के एक क्रूज मिसाइल हमले में एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि पूर्वोत्तर हिस्से में हुए हमले में एक अन्य व्यक्ति की जान चली गई। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। गवर्नर मैकस्यम कोजीयस्की ने सोशल मीडिया ऐप टेलीग्राम पर यह जानकारी दी कि लवीव में हुए हमले में एक इमारत नष्ट हो गई। उन्होंने कहा कि बचाव अभियान जारी है। खारकीव क्षेत्र में, गवर्नर ओले सयनीहुबोव ने कहा कि रविवार को एक हवाई हमले में 19 वर्षीय एक व्यक्ति मारा गया। गवर्नर ओले किपर ने कहा कि इस बीच, यूक्रेन के ओडेसा क्षेत्र में हजारों लोगों को रविवार को बिजली के बिना रहना पड़ रहा है क्योंकि नष्ट किए गए रूसी ड्रोन के मलबे के कारण एक ऊर्जा प्रतिष्ठान में आग लग गई। यूक्रेन की सबसे बड़ी निजी बिजली आपूर्तिकर्ता डीटीईके ने कहा कि हमले के परिणामस्वरूप लगभग।,70,000 घरों की बिजली आपूर्ति ठप हो गई। यूक्रेन की वायुसेना ने कहा कि इसने बीती रात रूस के नौ शहीद ड्रोन और इतनी ही संख्या में क्रूज मिसाइल को मार गिराया। यूक्रेन के कैथोलिक, प्रोटेस्टेंट और ग्रीक ऑर्थोडॉक्स ईसाई ग्रेगोरियन कैलेंडर के अनुसार ईस्टर रविवार मनाते हैं। देश के धार्मिक बहुसंख्यक, रूढ़िवादी ईसाई, जूलियन कैलेंडर का पालन करते हैं, जिसके अनुसार 2024 में ईस्टर पांच मई को मनाया जाएगा।

गाजा में अस्पताल पर इजराइली हवाई हमले में दो फ्लस्तीनियों की मौत

भाषा। गाजा पट्टी

मध्य गाजा में भीड़-भाड़ वाले एक अस्पताल के प्रांगण में एक शिविर पर हुए इजराइली हवाई हमले में दो फलस्तीनियों की मौत हो गई जबकि नजदीक ही काम कर रहे कुछ पत्रकारों समेत 15 अन्य लोग घायल हो गए। समाचार एजेंसी एसोसिएटेड प्रेस के एक संवाददाता ने दीर अल बलाह में अल-अक्सा शहीद अस्पताल में इस हवाई हमले और उसके बाद की स्थिति का फिल्मांकन किया, जहां हजारों लोगों ने युद्धग्रस्त क्षेत्र में अपने घरों को छोड़कर अन्यत्र शरण ली हुई है। हमले के दौरान महिलाएं और बच्चों समेत कई लोग जान बचाने के लिए इधर उधर भागते हुए चिल्लाने लगे। इजराइली सेना ने कहा कि उसने इस्लामिक जिहाद आतंकवादी समूह के एक कमांड सेंटर पर हमला किया।

कुछ चीनी कर्मचारी पाकिस्तान छोड़ने की योजना बना रहे हैं: सुरक्षा विश्लेषक

भाषा। इस्लामाबाद

कर्मियों के घातक हमले ने उनके आत्मविश्वास को झकझोर कर रख दिया है : अधिकारी

पाकिस्तान में चीन के श्रमिकों पर हुए हालिया घातक हमले ने उनके आत्मविश्वास को झकझोर कर रख दिया है और उनमें से कुछ सुरक्षा कारणों से देश छोड़ने की योजना बना रहे हैं। एक सुरक्षा विश्लेषक ने यह बात कही है। डॉन समाचार पत्र में रविवार को प्रकाशित एक लेख में मुहम्मद आमिर राणा ने लिखा कि चीनी इंजीनियरों के वाहन पर मंगलवार को हुए आतंकवादी हमले में पांच चीनी नागरिकों के मारे जाने के परिणामस्वरूप चीन की कंपनियों ने कम से कम तीन महत्वपूर्ण पनबिजली परियोजनाओं डासू बांध, डायमर-बाशा बांध और तरबेला एक्सटेंशन पर काम रोक दिया है। उन्होंने लिखा, इस हमले से काफी चिंता फैल गई है। इन महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचा परियोजनाओं को बाधित करने के अलावा इस हमले ने पाकिस्तान में काम कर रहे चीनी नागरिकों के आत्मविश्वास को भी झकझोर कर रख दिया है। रिपोर्टों से संकेत मिलता है कि कुछ लोग सुरक्षा चिंताओं के कारण देश छोड़ने पर विचार कर रहे हैं। उल्लेखनीय है कि 60 अरब अमेरिकी डॉलर के चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारे के तत्वावधान में जारी परियोजनाओं में हजारों चीनी कर्मी पाकिस्तान में काम कर रहे हैं।राणा ने कहा कि पाकिस्तान का उग्रवादी परिदृश्य बहुत जटिल न हो, लेकिन विविध जरूर है, जहां विचारधाराएं, सामाजिक-राजनीतिक कारक और समूहों की गतिशीलता सभी स्थानीय संदर्भों में काम करती हैं। उन्होंने कहा कि किसी भी आतंकवाद विरोधी जांच में, व्यापक वैचारिक और राजनीतिक पहलुओं की तुलना में स्थानीय संदर्भ और गतिशीलता अधिक महत्वपूर्ण हैं।

सीरिया के विरोधी लड़ाकों के कब्जे वाले क्षेत्र में कार बम विस्फोट, दो बच्चों समेत तीन लोगों की मौत

भाषा। बेरूत

उत्तरी सीरिया में तुर्किए स्थित सीरियाई विरोधी लड़ाकों के कब्जे वाले एक शहर के भीड़भाड़ वाले बाजार में शनिवार देर रात हुए कार बम विस्फोट में कम से कम तीन लोगों की मौत हो गई। बचावकर्मियों और युद्ध निगरानी संस्था ने यह जानकारी दी। अलेप्पो प्रांत के अजीज शहर में बम विस्फोट हुआ। सीरियन सिविल डिफेंस के स्वयंसेवकों ने बताया कि मध्यरात्रि के बाद हुए विस्फोट में दो बच्चों और एक महिला की मौत हो गई। उन्होंने बताया कि भीड़भाड़ वाले बाजार में हुए विस्फोट में पांच नागरिक घायल भी हो गए और इलाके में दुकानें तथा मकान क्षतिग्रस्त हो गए हैं। अभी किसी समूह ने इस हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है। इस बीच, ब्रिटेन स्थित युद्ध निगरानी संस्था सीरियन ऑब्जर्वेटरी फॉर ह्यूमैन राइट्स ने कहा कि कम से कम आठ लोगों की मौत हुई है और 23 घायल हुए हैं। तुर्किए ने 2016 के बाद से सीरिया में तीन प्रमुख सीमा पार अभियान शुरू किए और उत्तरी सीरिया में कुछ इलाकों को अपने कब्जे में ले लिया।

ईस्टर की प्रार्थना सभा में शामिल हुए पोप फ्रांसिस, 10 मिनट का धर्मोपदेश दिया

भाषा। रोम

पोप फ्रांसिस ने ईस्टर से एक दिन पहले शनिवार रात को प्रार्थना सभा की अध्यक्षता करते हुए 10 मिनट का धर्मोपदेश दिया और आठ लोगों को चर्च की सदस्यता (बपतिस्मा) दिलाई। इससे एक दिन पहले वह स्वास्थ्य संबंधी एहतियात बरतते हुए रोम के एक बड़े कलागृह में निकाले गए गुड फ्राइडे के पारंपरिक जुलूस में शामिल नहीं हुए थे। फ्रांसिस अपनी व्हीलचेयर से सेंट पीटर्स बासिल्का पहुंचे, एक कुर्सी पर अपना स्थान ग्रहण किया और प्रार्थना शुरू की। करीब एक घंटे बाद उन्होंने तेज आवाज में 10 मिनट का धर्मोपदेश दिया। यह प्रार्थना सभा ईसा मसीह के पुनर्जन्म के जश्न में आयोजित की जाती है। वेटिकन ने कहा था कि पोप फ्रांसिस गुड फ्राइडे के अवसर पर वे ऑफ क्रॉस जुलूस में शामिल नहीं हुए ताकि वह शनिवार की प्रार्थना और ईस्टर संडे को होने वाली सभा के लिए स्वस्थ रह सकें। वेटिकन ने बताया कि 87 वर्षीय पोप फ्रांसिस फ्लू, ब्रोंकाइटिस या सर्दी से जूझ रहे हैं। पिछले कई हफ्तों से वह अक्सर अपने एक सहायक को उनके भाषण को जोर से पढ़ने के लिए कहते हैं। पोप ने अपने उपदेश में उस पत्थर का जिक्र किया जिसे ईसा मसीह की मौत के बाद उनके मकबरे से हटा दिया गया था। उन्होंने कैथोलिक समुदाय के लोगों से अपनी जिंदगियों में उन पत्थरों को हटाने का अनुरोध किया जो हमारे दिल के दरवाजों को अवरुद्ध करते हैं, उम्मीद को खत्म करते हैं और हमें हमारे डर एवं पछतावे की कब्र में कैद कर देते हैं।

श्रीलंका ने ईस्टर बम विस्फोटों की स्वतंत्र एवं निष्पक्ष जांच की अनुमति दी थी : विक्रमसिंघे

भाषा। कोलंबो

श्रीलंका के राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे ने रविवार को कहा कि सरकार ने 2019 में ईस्टर संडे को हुए बम विस्फोटों की स्वतंत्र और निष्पक्ष जांच की अनुमति दी थी। देशभर के ईसाइयों ने शांतिपूर्ण माहौल में, परंतु कड़ी सुरक्षा के बीच ईस्टर संडे की प्रार्थना सभा आयोजित कीं। पुलिस ने कहा कि रविवार को श्रीलंका भर के गिरजाघरों को सुरक्षा के दायरे में रखा गया था। पुलिस प्रवक्ता निहाल थल्दुवा ने कहा कि।,873 गिरजाघरों में सुरक्षा प्रदान करने के लिए 6,522 पुलिस अधिकारियों, पुलिस के विशेष कार्य बल के 300 से अधिक अधिकारियों और 2,746 सैन्यकर्मियों को तैनात किया गया है। वर्ष 2019 में 11 भारतीयों सहित 270 से अधिक लोग मारे गए थे, जब आईएसआईएस से जुड़े स्थानीय इस्लामी चरमपंथी समूह नेशनल तौहीद जमात (एनटीजे) से जुड़े आत्मघाती हमलावरों ने ईस्टर संडे पर श्रीलंका के गिरजाघरों और इतने ही होटलों में विस्फोटों को अंजाम दिया था।

क्विक न्यूज

पाकिस्तान के प्रधानमंत्री ने सरकारी कार्यक्रमों में रेड कारपेट के इस्तेमाल पर रोक लगाई

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने देश में आर्थिक संकट के चलते फिजूलखर्ची को कम करने के प्रयासों के तहत सरकारी कार्यक्रमों में रेड कारपेट के इस्तेमाल पर रोक लगा दी है और केवल राजनयिकों के स्वागत कार्यक्रम में ही इसका इस्तेमाल किया जा सकेगा। शरीफ ने सरकारी कार्यक्रमों में मंत्रियों और वरिष्ठ अधिकारियों के दौरे के दौरान रेड कारपेट के इस्तेमाल पर नाराजगी व्यक्त की। मंत्रिमंडल मामलों के प्रभाग के मुताबिक प्रधानमंत्री के निर्देश पर रेड कारपेट के इस्तेमाल पर प्रतिबंध लगा दिया है। प्रभाग की अधिसूचना के अनुसार प्रधानमंत्री ने निर्देश दिया है कि भविष्य में सरकारी कार्यक्रमों में मंत्रियों और अधिकारियों के लिए रेड कारपेट का इस्तेमाल नहीं किया जाएगा। द एक्सप्रेस ट्रिब्यून अखबार की खबर के अनुसार हालांकि, इसका इस्तेमाल केवल विदेशी राजनयिकों के लिए एक प्रोटोकॉल के रूप में किया जा सकेगा। फिजूलखर्ची को कम करने के प्रयासों के तहत पिछले हफ्ते प्रधानमंत्री शरीफ और मंत्रिमंडल के सदस्यों ने अपनी इच्छा से वेतन तथा भत्ते नहीं लेने का फैसला किया था। रेड कारपेट के इस्तेमाल को समाप्त करके, सरकार का लक्ष्य धन बचाना और सार्वजनिक खर्च के लिए अधिक जिम्मेदार और विवेकपूर्ण दृष्टिकोण को बढ़ावा देना है। पिछले महीने, प्रधानमंत्री ने कहा कि मितव्ययिता उपाय सरकार की शीर्ष प्राथमिकता है। इससे पहले, पाकिस्तान के राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी ने देश के सामने मौजूद आर्थिक चुनौतियों के कारण वेतन और भत्ते नहीं लेने का फैसला किया था।

पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा में मूसलाधार बारिश, सात लोगों की मौत

पेशावर। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में बीते 24 घंटे के दौरान मूसलाधार बारिश और ओलावृष्टि के कारण कुछ घर गिरने से पांच बच्चों समेत सात लोगों की मौत हो गई। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। शनिवार को लगातार दूसरे दिन खैबर पख्तूनख्वा के बड़े हिस्से में भारी बारिश और ओलावृष्टि हुई। कबायली जिले बजौर में बारिश के कारण एक घर ढह जाने से तीन बच्चों समेत पांच लोग मलबे में दफन हो गए। प्रांतीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (पीडीएमए) ने कहा कि शांगला जिले में मूसलाधार बारिश के कारण कमरे की छत गिरने से दो बच्चों की मौत हो गई। बारिश ने खैबर कबायली जिले, पेशावर, नौशेरा और चारसद्दा जिलों में भी फसलों को नुकसान पहुंचाया है। जिला प्रशासन ने प्रभावित परिवारों को सहायता प्रदान करने के लिए बारिश से प्रभावित क्षेत्रों में तत्काल राहत उपाय शुरू किए। अधिकारियों ने कहा कि इस महीने की शुरुआत में, पूरे पाकिस्तान में बारिश से संबंधित घटनाओं में कम से कम 37 लोग मारे गए थे।

ब्राजील के पूर्व राष्ट्रपति बोलसोनारो का पासपोर्ट लौटाने से मना

रयो डी जिनेरियो। ब्राजील के उच्चतम न्यायालय ने इजराइल की यात्रा करने के लिए पासपोर्ट लौटाने के पूर्व राष्ट्रपति जायर बोलसोनारो के अनुरोध को खारिज कर दिया है। यहां जारी एक आधिकारिक दस्तावेज में यह जानकारी दी।बोलसोनारो के अधिवक्ता ने बृहस्पतिवार को बयान में कहा कि इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने मई में आयोजित होने वाले एक कार्यक्रम के लिए बोलसोनारो को आमंत्रित किया है। ऐसे में उन्होंने उच्चतम न्यायालय से उनका पासपोर्ट लौटाने का अनुरोध किया था।उच्चतम न्यायालय के न्यायमूर्ति अलेक्जेंडर डी मोरेस ने अपने फैसले में कहा, जिस व्यक्ति के खिलाफ जांच जारी है, उस पर लगाए गए प्रतिबंध को हटाना जल्दबाजी होगी। अभियोजक जनरल के कार्यालय ने अपनी दलील में कहा कि बोलसोनारो को देश छोड़ने से रोकने के लिए उनका पासपोर्ट जब्त किया गया था। संघीय पुलिस ने पूर्व राष्ट्रपति बोलसोनारो के खिलाफ छापेमारी कर फरवरी में उनका पासपोर्ट जब्त कर लिया था। बोलसोनारो पर आरोप है कि उन्होंने और उनके सहयोगियों ने 2022 के चुनाव परिणामों को अनदेखा करने और हारे हुए नेता को सत्ता में बनाए रखने के लिए विद्रोह करने की साजिश रची थी।

भोजन की बर्बादी को कम करने का एक शानदार तरीका

भाषा। लेस्टर (ब्रिटेन)

बचा हुआ खाना सेवन के लिए सुरक्षित हो सकता है

बचे हुए खाने को खाना पैसे बचाने, व्यंजनों में विविधता लाने और भोजन की बर्बादी को कम करने का एक शानदार तरीका हो सकता है। मगर बचा हुआ भोजन खाना जोखिम भरा भी हो सकता है, क्योंकि यह जीवाणु के संपर्क में भी आ जाता है। अगर आपने बचे हुए खाने को सही तरीके से नहीं रखा और सही तरीके से गर्म नहीं किया तो आप विषाक्त भोजन की चपेट में आ सकते हैं, जो जानलेवा भी हो सकता है। इसका मतलब यह नहीं है कि आप बचे हुए भोजन को खाना छोड़ दें। खाने को ठीक रखने के लिए सही तरीकों का पालन कर आप यह सुनिश्चित कर सकते हैं कि जब आप बचा हुआ भोजन करें तो आप सुरक्षित रहें। बचे हुए भोजन को कितनी जल्दी फ्रिज में रखा जाए? हमारी दुनिया में जीवाणु हर जगह मौजूद हैं, जिनमें रसोई और उनके भीतर रखे खाद्य पदार्थ भी शामिल हैं। भोजन को खराब करने वाले जीवाणु पोषक तत्वों, नमी और तापमान के साथ तेजी से बढ़ सकते हैं। कुछ की संख्या 20 मिनट में दोगुनी हो जाती है। यह अहम है कि बचे हुए खाने को यथाशीघ्र और अधिकतम दो घंटे के अंदर फ्रिज या फ्रीजर में रख देना चाहिए। समय को लेकर दी गई यह सलाह इस बात पर आधारित है कि फ्रिज के बाहर के तापमान पर भोजन में जीवाणु कितनी तेजी से बढ़ सकते हैं और इसका मतलब है कि बचे हुए खाने को पांच डिग्री सेल्सियस से ज्यादा के तापमान पर अधिक समय तक छोड़ा गया तो यह सेवन के लिए कम सुरक्षित हो जाता है। आपको यह सुनिश्चित करना चाहिए कि बचे हुए भोजन को अच्छी तरह से ढका जाए। भोजन को ढकने के लिए इस्तेमाल की जाने वाली प्लास्टिक की पन्नी या एयरटाइट ढक्कन से खाने को ढकना चाहिए जो भोजन को हवा के संपर्क में आने से रोकता है। यह अहम है, क्योंकि बहुत से जीवाणुओं को बढ़ने के लिए ऑक्सीजन की जरूरत होती है।फ्रिज में रखे बचे हुए भोजन को कब तक खाना सुरक्षित है?अपने फ्रिज को शून्य से पांच डिग्री के बीच के तापमान पर रखें, क्योंकि इतना तापमान बचे हुए भोजन में ऐसे जीवाणुओं को पनपने से रोकता है जो खाद्य विषाक्तता का कारण बनते हैं। बचे हुए खाने को दो दिन के अंदर खा लेना चाहिए, क्योंकि इसके बाद हानिकारक जीवाणु को पनपने का समय मिल जाता है। दरअसल, लिस्टेरिया जैसे रोगाणु फ्रिज के तापमान में भी पनप सकते हैं और दो दिन से अधिक वक्त के बाद इनके बढ़ने की अधिक संभावना है इसीलिए आपको बचे हुए खाने को रखने के लिए यह समय सीमा दी गई है। अगर आपको नहीं लगता कि आप उस समय सीमा में अपना बचा हुआ भोजन खा लेंगे, तो खाने को जमाने पर विचार करें। बचे हुए खाने को शून्य से 18 डिग्री सेल्सियस नीचे के तापमान पर जमाकर तीन महीने तक रखा जा सकता है। जब आप बचे हुए खाने को दोबारा गर्म करते हैं, तो आपको यह सुनिश्चित करना चाहिए कि भोजन पूरी तरह गर्म हो। अगर ऐसा नहीं हो तो भोजन न खाएं।बचे हुए खाने को इतना गर्म किया जाना चाहिए कि खाने के अंदर का तापमान कम से कम 74 डिग्री सेल्सियस हो जाए। चटनी, सूप और ग्रेवी (तरी) को कम से कम तीन मिनट तक हिलाते हुए पूरी तरह उबालना सबसे अच्छा है। ए तरीके ज्यादातर जीवाणुओं को मार देंगे और विषाक्तता पैदा करने वाले अन्य पदार्थों को निष्क्रिय कर देंगे। माक्रोवेव में गर्म करने पर भी यही ध्यान रखना चाहिए कि खाने का अंदर का तापमान 74 डिग्री सेल्सियस हो जाए।क्या आप बचे हुए भोजन को एक से अधिक बार गर्म कर सकते हैं? आपको बचे हुए भोजन को एक से अधिक बार गर्म नहीं करना चाहिए। खाना जब भी गर्म होता है और ठंडा होता है, तो यह किसी भी हानिकारक जीवाणु को फिर से पनपने के लिए सही तापमान और आवश्यक समय प्रदान करता है। इसके बाद अगली बार जब आप बचे हुए भोजन को फिर गर्म करेंगे तो सभी रोगाणुओं को मारना कठिन हो जाएगा। अगर आपको नहीं लगता कि आप दो दिन में अपना सारा बचा हुआ खाना खा लेंगे, तो उसे फ्रीजर में जमा दें। क्या आप पैक कराकर लाए खाने को दोबारा गर्म कर सकते हैं? आप पैक कराकर लाए भोजन को सुरक्षित रूप से दोबारा गर्म कर सकते हैं या नहीं, यह इस बात पर निर्भर करता है कि आपने इसे कैसे संग्रहीत किया है।अगर आपने इसे अपनी कार के पीछे गर्म रखा या घर में कमरे के तापमान पर दो घंटे से अधिक समय तक छोड़ दिया था, तो भोजन से खाद्य विषाक्तता का खतरा हो सकता है - खासकर तब जब आप इसे पहले ही छू चुके हैं या आंशिक रूप से खा चुके हैं। लेकिन अगर आपने खाने को ज्यादा हाथ नहीं लगाया और खरीदने के दो घंटे के अंदर ही उसे फ्रिज में रख दिया तो खाने को फिर से गर्म करना सुरक्षित है। पके हुए चावल के व्यंजनों को बचाना संभवत: सबसे जोखिम भरा है। कच्चे चावल में बैसिलस सेरेस के बीजाणु हो सकते हैं, जो भोजन विषाक्तता का कारण बनता है। चावल पकाने पर मूल जीवाणु मर जाते हैं, लेकिन इसके बीजाणु उबलते पानी के तापमान में जीवित रह सकते हैं। चावल को पकाने के बाद दो से तीन घंटे के भीतर फ्रिज में नहीं रखा गया तो जीवाणु पनप सकते हैं और यह चावल को खराब कर सकते हैं जिनका सेवन करने से अतिसार, पेट दर्द और उलटी जैसी समस्याएं हो सकती हैं।

नेपाल और भारत संस्कृत शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए करेंगे सहयोग

भाषा। काठमांडू

नेपाली और भारतीय संस्कृत विद्वानों ने हर साल एक अंतरराष्ट्रीय संस्कृत सम्मेलन आयोजित करने का प्रस्ताव दिया है। एक बयान में इसकी जानकारी दी गई है। विद्वानों ने संस्कृत ग्रंथों, विशेषकर हिमालई राष्ट्र में पाई जाने वाली पांडुलिपियों पर शोध करने और प्रकाशन की व्यवस्था करने के लिए एक अध्ययन केंद्र स्थापित करने का भी प्रस्ताव दिया। एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार काठमांडू में तीन दिवसीय नेपाल-भारत अंर्ताष्ट्रीय संस्कृत सम्मेलन के अंत में पांच सूत्री प्रस्ताव को अपनाते हुए प्रतिभागियों ने महर्षि सांदीपनि वेद विद्या प्रतिष्ठान, उज्जैन के सहयोग से नेपाल में गुरुकुल के विकास के लिए सहायता प्रदान करने का संकल्प भी अपनाया। एक प्रस्ताव में उल्लेख किया गया है कि नीति अनुसंधान प्रतिष्ठान भारत-नेपालसंस्कृत अध्ययन केंद्र के प्रधान कार्यालय के रूप में कार्य करेगा। अनुमान है कि नेपाल के पुरातत्व विभाग में लगभग पाँच लाख अप्रकाशित संस्कृत पांडुलिपियाँ संरक्षित हैं।

मोहित-मिलर की पारी से टाइटंस चमका

सनराइजर्स को सात विकेट से शिकस्त दी

भाषा। अहमदाबाद

अनुभवी तेज गेंदबाज मोहित शर्मा (25 रन पर तीन विकेट) की अगुवाई में गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन के बाद डेविड मिलर की 44 रन की आक्रामक पारी के दम पर गुजरात टाइटंस ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) मैच में रविवार को यहां सनराइजर्स हैदराबाद को सात विकेट से शिकस्त दी। मोहित शर्मा ने डैथ ओवरों में बेहतरीन प्रदर्शन किया जबकि अफगानिस्तान के स्पिनरों राशिद खान और नूर अहमद ने बीच के ओवरों में किफायती गेंदबाजी की जिसके दम पर गुजरात टाइटंस ने सनराइजर्स हैदराबाद को आठ विकेट पर 162 रन पर रोक दिया। टाइटंस ने 19.1 ओवर में तीन विकेट पर 168 रन बनाकर मैच अपने नाम किया।मिलर ने मांसपेशियों में खिंचाव के बावजूद 27 गेंद में नाबाद पारी में चार चौके और दो छक्के लगाए। उन्होंने बी साई सुदर्शन (36 गेंद में 45 रन) के साथ तीसरे विकेट के लिए 64 रन की साझेदारी कर जीत की नींव रखी और फिर विजय शंकर (11 गेंद में नाबाद 14 रन) के साथ 18 गेंद में 30 रन जोड़कर टीम को लक्ष्य के पार पहुंचाया। सलामी बल्लेबाज ऋद्धिमान साहा (13 गेंद में 25 रन) और शुभमन गिल (28 गेंद में 36 रन) ने भी बल्ले से उपयोगी योगदान दिया। सनराइजर्स के लिए पैट कमिंस, मयंक मार्कंडेय और शाहबाज अहमद ने एक-एक विकेट लिए। लक्ष्य का पीछा करते हुए साहा ने शाहबाज और जयदेव उनादकट के खिलाफ छक्के जड़े। शाहबाज ने हालांकि पारी के पांचवें ओवर में कमिंस के हाथों साहा की पारी को खत्म किया। गिल ने इसी ओवर में छक्का जड़ा तो वहीं इंपैक्ट सब्सीट्यूट सुदर्शन ने भुवनेश्वर के खिलाफ चौका लगाकर टीम के स्कोर को पावर प्ले में एक विकेट पर 52 रन कर दिया। सनराइजर्स के गेंदबाजों ने इसके बाद गुजरात टाइटंस को तेजी से रन बनाने का मौका नहीं दिया। टीम को इसका फायदा 10वें ओवर में गिल के विकेट के रूप में मिला। वह मार्कंडेय का शिकार बने। साई सुदर्शन और डेविड मिलर अगले कुछ ओवरों में दौड़ कर रन लेने पर जोर दिया। अब तक रक्षात्मक खेल रहे सुदर्शन ने कमिंस और वाशिंगटन के खिलाफ 13वें और 14वें ओवर में चौका जड़ दबाव कम किया।

स्कोरबोर्ड

सनराइजर्स हैदराबाद पारी : मयंक क दर्शन बो अजमतुल्लाह 16,हेड बो नूर अहमद 19, अभिषेक क गिल बो मोहित 29, मार्करम क राशिद बो उमेश 17,क्लासेन बो राशिद 24, अहमद क तेवतिया बो मोहित 22,समाद रन आउट 29, सुंदर क राशिद बो मोहित 0, कमिंस नाबाद 2, **अतिरिक्त :** चार रन, **कुल योग :** 20 ओवर में आठ विकेट पर 162 रन, **विकेट पतन :** 34-1, 58-2, 74-3, 108-4, 114-5, 159-6, 159-7, 162-8, **गेंदबाजी :** उमरजई 3-0-24-1, यादव 3-0 -28-1, राशिद 4- 0 -33-1, अहमद4-0 -32-1, मोहित 4-0-25-3, दर्शन 2-0-18- 0

गुजरात पारी:ऋद्धिमान क कमिंस बो शाहबाज 25, गिल क समद बो मार्कंडेय 36, सुदर्शन क अभिषेक बो कमिंस 45, मिलर नाबाद 44, विजय शंकर नाबाद 14,**अतिरिक्तः** 04,**कुल योगः** 19.1 ओवर में तीन विकेट पर 168 रन, **विकेट पतनः**1-36, 2-74, 3-138,**गेंदबाजी:**भुवनेश्वर4-0-27-0,शाहबाज 2-0-20-1,उनादकट 3.1-0-33-0,वाशिंगटन 3-0-27-0,मार्केंडेय3-0-33-1, कमिंस 4-0-28-1

संघर्ष कर रहे मुंबई इंडियंस को जीत की तलाश

राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ घरेलू मैदान पर आज मैच

भाषा। मुंबई

हार्दिक पंड्या की अगुवाई में शुरुआती दो मैचों में हार का सामना करने वाली मुंबई इंडियंस की टीम लय में चल रही राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ सोमवार को यहां अपने घरेलू मैदान पर उतरेगी तो हार के सिलसिले को खत्म करना चाहेगी। मुंबई को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में अपनी धीमी शुरुआत के लिए जाना जाता है और पंड्या के कप्तान बनने के बाद भी इस में कोई बदलाव नहीं आया है। मुंबई इंडियंस को पांच खिताब दिलाने वाले रोहित शर्मा की जगह पंड्या को कप्तान बनाए जाने का फैसला प्रशंसकों को नागवार गुजरा और इस हरफनमौला खिलाड़ी को शुरुआती मैचों में दर्शकों की हूटिंग का भी सामना करना पड़ा। मुंबई इंडियंस को पंड्या की पूर्व टीम गुजरात टाइटंस ने सत्र के पहले मैच में छह रन से हराया जबकि हैदराबाद में बड़े स्कोर के रिकॉर्ड वाले मैच में सनराइजर्स हैदराबाद ने उसे 32 रन से शिकस्त दी। इन दो हार के बाद टीम अंक तालिका में सबसे नीचे 10वें पायदान पर है। यह हालांकि आईपीएल के 17 वें सत्र का शुरुआती चरण है लेकिन मुंबई की टीम हार के सिलसिले को खत्म करने के साथ अपने नेट रन रेट (-0.925) को भी सुधारना चाहेगी। मुंबई को अपने अनुभवी खिलाड़ी सूर्यकुमार यादव की कमी खल रही है जो चोट से उबर रहे है। दोनों टीमों के बीच पिछले पांच मैचों में मुंबई की टीम चार जीत दर्ज करने में सफल रही है लेकिन संजू सैमसन की अगुवाई वाली राजस्थान रॉयल्स ने इस सत्र में अब तक कमाल का प्रदर्शन किया है। टीम ने अपने दोनों मैच जीते है और इस दौरान उसके ज्यादातर खिलाड़ियों का प्रदर्शन अच्छा रहा है।

हार्दिक पंड्या को अपने काम पर ध्यान लगाए रखना होगा: बोल्ट, चावला

मुंबई। राजस्थान रॉयल्स के तेज गेंदबाज ट्रेंट बोल्ट ने मौजूदा इंडियन प्रीमियर लीग में अहमदाबाद और हैदराबाद में दर्शकों की हूटिंग का शिकार होने वाले मुंबई इंडियंस के कप्तान और अपने पूर्व साथी हार्दिक पंड्या का समर्थन करते हुए कहा कि उन्हें अपने काम पर ध्यान लगाए रखना होगा। बोल्ट ने कहा, आप इसे नियंत्रित नहीं कर सकते हो। पेशेवर खिलाड़ी के तौर पर आपको इसका सामना करना होता है। आपको इस पर ध्यान नहीं देकर अपने काम पर ध्यान लगाए रखना होगा। लेकिन यह कहने जितना आसान नहीं है।

भारत में मुझे अभी तक कोई समस्या नहीं हुई : हॉकी टीम के मुख्य कोच फुल्टन

नई दिल्ली। भारतीय हॉकी टीम के मुख्य कोच क्रेग फुल्टन की पूर्व सहयोगी यानेक शॉपमैन ने भले ही भारत में भेदभाव करने का आरोप लगाते हुए अपने पद से इस्तीफा दे दिया हो लेकिन उन्हें इस तरह की समस्या का सामना नहीं करना पड़ा है और उन्हें हर तरफ से पूरा सहयोग मिल रहा है। शॉपमैन भारतीय महिला हॉकी टीम की मुख्य कोच थी जबकि फुल्टन पुरुष टीम के मुख्य कोच हैं। शॉपमैन ने फरवरी में इस पद से इस्तीफा दे दिया था। फुल्टन ने कहा, मुझे अब तक कोई समस्या नहीं हुई है। मुझे अच्छा समर्थन मिला है। मेरे ध्यान में स्पष्टता है। मुझे सीनियर खिलाड़ियों का पूरा समर्थन मिला है और उन्हें मेरी चीजें अच्छी तरह समझ आती है। मौजूदा स्टाफ से लेकर नए स्टाफ तक हम सभी एकसा ही सोचते है। उन्होंने कहा, जब टीम में इस स्तर का भरोसा हो, खिलाड़ियों का भरोसा हो और आप क्या करना चाहते हो, आपके लक्ष्य क्या है, यह पता हो तो मुझे लगता है कि आपके पास भारत में अच्छा करने का अच्छा मौका है। फुल्टन ने हालांकि कहा कि उनके जैसे विदेशी कोच के लिए भारत में जिंदगी थोड़ी अलग है। उन्होंने कहा, निश्चित रूप से मेरे बेटे, मेरी बेटी के लिए यह मुश्किल है। यह आसान नहीं है। लोलो 12 साल की है और जेक 15 और मिलर 17 साल का है। मैं आयरलैंड के डबलिन में रहता हूं। यह निश्चित रूप से अलग है।

ब्रेंटफोर्ड ने मैनचेस्टर यूनाइटेड को बराबरी पर रोका

लंदन। मैनचेस्टर यूनाइटेड की टीम इंग्लिश प्रीमियर लीग फुटबॉल मैच में शनिवार को यहां ब्रेंटफोर्ड के खिलाफ बढ़त लेने के बाद जीत दर्ज करने में नाकाम रही। दोनो टीमों ने मैच के स्टॉपेज समय मे गोल किया। मैसन माउंट (90६ मिनट) के गोल से मैनचेस्टर यूनाइटेड ने बढ़त बनाई। टीम जीत की ओवर बढ़ रही थी लेकिन इसके तीन मिनट बाद ही क्रिस्टोफर अजेर के गोल से स्कोर।-। से बराबर हो गया। मैनचेस्टर यूनाइटेड 29 मैचो मे 48 अंक के साथ तालिका मे छठे पायदान पर है जबकि ब्रेटफोर्ड 30 मैच मे 27 अंक के साथ 15वे स्थान पर है।

पीसीबी अलग-अलग विदेशी कोच नियुक्त करेगाः सूत्र

लाहौर। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने लाल गेद और सफेद गेद प्रारूपो के लिए अलग-अलग विदेशी कोच नियुक्त करने का फैसला किया है और सूत्रो के अनुसार इसमे ऑस्ट्रेलिया के पूर्व तेज गेंदबाज जेसन गिलेस्पी और पूर्व दक्षिण अफ्रीकी बल्लेबाज गैरी कर्स्टन को संभावित उम्मीदवारो के रूप मे शामिल किया गया है। पीसीबी ने शनिवार को आधिकारिक तौर पर लाल गेद और सफेद गेद कोच के पदो के लिए विज्ञापन जारी किया। इच्छुक उम्मीदवार (विदेशी और स्थानीय) 15 अप्रैल तक आवेदन कर सकते है और उनके पास न्यूनतम लेवल दो कोचिंग की पात्रता होने के अलावा घरेलू, अंतरराष्ट्रीय या फ्रेंचाइजी टीम को कोचिंग देने का कम से कम पांच साल का अनुभव होना चाहिए। इसमे कहा गया है कि उच्च स्तर की कोचिंग पात्रता वाले उम्मीदवारो को नियुक्तियो मे प्राथमिकता दी जाएगी। पीसीबी के एक सूत्र ने हालांकि पीटीआई-भाषा को बताया कि विज्ञापन मे आवेदन आमंत्रित किए गए है लेकिन बोर्ड ने कर्स्टन और गिलेस्पी के साथ बातचीत की है। बोर्ड को उनके आवेदन का इंतजार है ताकि उन्हे दीर्घकालिक आधार पर नियुक्त किया जा सके। सूत्र के अनुसार भारतीय टीम को कोचिंग दे चुके कर्स्टन सफेद गेद प्रारूप (सीमित ओवरो की टीम) के लिए चुना गया है, जबकि गिलेस्पी को लाल गेद (टेस्ट) टीम का मुख्य कोच बनाए जाने की उम्मीद है।सूत्र ने कहा कि पीसीबी अध्यक्ष मोहसिन नक्वी सब कुछ तयशुदा तरीके से कर रहे थे और उन्होने सभी घटनाक्रमो के बारे मे बोर्ड ऑफ गवर्नर्स को सूचित भी कर दिया था।

जेट से प्रेरणा लेने वाले मयंक तेज गति से होते है रोमांचित

लखनऊ। भारत के नए तेज गेंदबाजी सनसनी मयंक यादव को गति रोमांचित करती है और वह बचपन से जेट विमान, रॉकेट और सुपर बाइक की गति की कल्पना कर उत्साहित होते रहे हैं। दिल्ली के इस 21 साल के गेंदबाज ने शनिवार को लगातार 150 किलोमीटर से अधिक रफ्तार की गेंद फेंक कर पंजाब किंग्स के बल्लेबाजों को परेशान किया। उन्होंने जॉनी बेयरस्टो, प्रभसिमरन सिंह और जितेश शर्मा जैसे अनुभवी बल्लेबाजों का विकेट झटक कर अपने आईपीएल (इंडियन प्रीमियर लीग) पदार्पण को यादगार बनाया। अपने चार ओवर में 27 रन देकर तीन विकेट लेने वाले इस गेंदबाज ने पंजाब की पारी के 12वें ओवर में 155.8 किलोमीटर प्रतिघंटे की रफ्तार से गेंद डाली, जो मौजूदा आईपीएल सत्र का सबसे तेज गेंद है। मयंक ने मैच के बाद संवाददाता सम्मेलन में कहा, क्रिकेट के अलावा सामान्य जीवन में भी मुझे ऐसी चीजें पसंद हैं जिनकी गति अधिक हो। चाहे वह रॉकेट हो, हवाई जहाज हो या सुपर बाइक, गति मुझे उत्साहित करती है। बचपन में मुझे जेट विमान पसंद थे और उनसे प्रेरणा मिलती थी। पंजाबी बाग के इस गेंदबाज ने कहा, मैंने इससे पहले कभी भी 156 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से गेंद नहीं फेंकी। मैंने मुश्ताक अली (घरेलू टी20 ट्रॉफी) के दौरान 155 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से गेंदबाजी की है लेकिन यह मेरी सबसे तेज गेंद थी। मयंक को लखनऊ की टीम ने आईपीएल 2022 से पहले चुना था। उन्होंने तब सिर्फ दो लिस्ट ए मैच खेले थे। वह 2022 सत्र में आईपीएल का एक भी मैच नहीं खेल सके थे और पिछले साल मांसपेशियों में खिंचाव के कारण वह पूरे सत्र से बाहर थे। उन्होंने चोट से उबरने के बाद 50 ओवर प्रारूप में खेले जाने वाले देवधर ट्रॉफी में उत्तर क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करते हुए अनुभवी राहुल त्रिपाठी का मिडिल स्टंप उखाड़ दिया था। उन्होंने कहा, चोट तेज गेंदबाजों के जीवन का हिस्सा हैं, वे आपके दोस्त हैं। पिछले एक-डेढ़ साल में मुझे दो-तीन बड़ी चोटें लगीं। यह मेरे लिए थोड़ा निराशाजनक भी था। इस युवा गेंदबाज ने कहा, पिछले सत्र में भी मैं चोट के कारण आईपीएल में नहीं खेल पाया था। मुझे पसलियों में फ्रैक्चर के साथ साइड स्ट्रेन की चोट थी। यह चोट मुझे विजय हजारे ट्रॉफी के दौरान लगी थी। मेरा प्रयास है कि मैं अभ्यास और शारीरिक रूप से रिकवरी और खुद पर अधिक ध्यान दूं। मयंक दक्षिण अफ्रीका के पूर्व तेज गेंदबाज डेल स्टेन से काफी प्रेरित है। उन्होंने कहा, मैं केवल एक ही तेज गेंदबाज से प्रेरणा लेता हूं और वह डेल स्टेन हैं। वह मेरे आदर्श हैं और मैं उन्हें बहुत मानता हूं। उन्होंने कहा कि अपने पदार्पण मैच के दौरान उन्हें कोई दबाव या घबराहट महसूस नहीं हुई। मेरे डेब्यू को लेकर काफी उत्साह था। पिछले दो साल से मैं सिर्फ एक ही चीज की कल्पना कर रहा हूं कि जब मैं डेब्यू करूंगा तो पहली गेंद फेंकने पर मुझे कैसा महसूस होगा। हर किसी ने कहा कि कुछ तो होगा दबाव या घबराहट लेकिन मुझे यह बिल्कुल महसूस नहीं हुआ। उन्होंने कहा, जब मेरे कप्तान ने मुझे पहला ओवर फेंकने के लिए कहा तो मुझे अपने अंदर महसूस हुआ कि मैं यहीं का हूं और काफी आत्मविश्वास था।

मयंक से लैंग्थ सही रखने और बाउंसर का इस्तेमाल करने को कहा था : मोर्कल

लखनऊ। पंजाब किंग्स को 21 रन से हराकर आईपीएल 2024 में पहली जीत दर्ज करने वाली लखनऊ सुपर जाइंट्स के गेंदबाजी कोच मोर्नी मोर्कल ने तेज गेंदबाज मयंक यादव की तारीफ करते हुए कहा कि उसने लैंग्थ और बाउंसर का सही इस्तेमाल किया। मयंक ने 27 रन देकर तीन अहम विकेट चटकाए। मैच के बाद मोर्कल ने कहा , मयंक ने इतनी उमस के बीच इस रफ्तार से शानदार गेंदबाजी की। उसके लिए पिछला साल कठिन था चूंकि पहले अभ्यास मैच के बाद वह चोटिल हो गया था। हमने उसे अपनी लैंग्थ बनाए रखने और बाउंसर का सही इस्तेमाल करने के लिए कहा था। उन्होंने कहा , गेंदबाजों ने यह जीत दिलाई। पहले टाइमआउट में ही गेंदबाजों से मैच में बने रहने के लिए कहा था और उसके बाद मयंक ने ऐसी शानदार गेंदबाजी की। वहीं पंजाब किंग्स के कप्तान शिखर धवन ने कहा कि लियाम लिविंगस्टोन के चोटिल होने से टीम के प्रदर्शन पर असर पड़ा चूंकि वह चौथे नंबर पर नहीं उतर सके।

द्रविड़ ने कर्नाटक की 1974 रणजी टीम की सराहना की

बेंगलुरु। भारतीय टीम के पूर्व कप्तान और मौजूदा मुख्य कोच राहुल द्रविड़ ने 1974 रणजी ट्राफी जीतने वाली कर्नाटक टीम के सदस्यों की सराहना करते हुए कहा कि ए खिलाड़ी सभी के लिए प्रेरणा थे। रणजी ट्राफी से जीआर विश्वनाथ, सैयद किरमानी, ब्रजेश पटेल, ईरापल्ली प्रसन्ना और बीएस चंद्रशेखर जैसे चैम्पियन निकले है। लेकिन इनमें से कोई भी द्रविड़ जितना चमकदार नही रहा है। द्रविड़ ने यहां एक प्रेस कांफ्रेंस में कहा, हम सभी के लिए यह (रणजी ट्राफी की जीत) एक प्रेरणा थी। हमारे अंडर-15 और अंडर-17 दौरों में हम केवल यही सुनते थे कि कैसे कर्नाटक ने मजबूत बम्बई को हरा (तब सेमीफाइनल में) दिया। द्रविड़ ने 1974 रणजी ट्राफी टीम के खिलाड़ियों को सम्मानित करने के लिए आयोजित समारोह में कहा, इससे कर्नाटक क्रिकेट और देश की बाकी टीम के लिए दरवाजे खोल दिए कि बम्बई को हराना संभव है। कर्नाटक क्रिकेट इन सभी दिग्गजों के कंधों पर ही आगे बढ़ी। उस समय मुंबई की टीम 15 सत्र में पहली बार रणजी ट्राफी फाइनल में जगह नही बना सकी थी। फाइनल में कर्नाटक ने राजस्थान को 185 रन से हराया था जिसमें कप्तान प्रसन्ना ने नौ विकेट चटकाए थे जिससे टीम ने पहला रणजी ट्राफी खिताब जीता था। सेमीफाइनल में कर्नाटक के लिए विश्वनाथ और ब्रजेश ने शतक जड़े थे जबकि प्रसन्ना और चंद्रशेखर ने मिलकर नौ विकेट चटकाए थे। द्रविड़ ने कुछ बातें साझ करते हुए कहा, जीआरवी सर मेरे पहले मैनेजर थे। एक बार हम एक मैच के लिए विशाखापत्तनम गए थे और आंध्र क्रिकेट संघ ने हमें 20-25 किलोमीटर दूर रेलवे स्टेशन से लेने के लिए बस की व्यवस्था की थी। उन्होंने कहा, तब बस ड्राइवर और कंडक्टर ने कहा कि बस में केवल 15 खिलाड़ी ही है तो रास्ते में लोगों को लेकर अतिरिक्त पैसा कमाया जा सकता है। मुझे याद है विशी सर चिल्ला रहे थे कि नही, नही, आप ऐसा नही कर सकते।

ग्लोबल रैली में जुटेंगे लोग

मुंबई। फॉरएवर लिविंग प्रोडक्ट्स ने आगामी फॉर एवर ग्लोबल रैली 2024 के साथ उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है। जो इनके सालाना कैलेंडर में महत्वपूर्ण आयोजन है। 9 अप्रैल से 14 अप्रैल 2024 के बीच नई दिल्ली में आयोजित यह रैली बेजोड़ अनुभव का वादा करती है। फॉरएवर द्वारा आयोजित यह असाधारण कार्यक्रम प्रतिभागियों के लिए बदलावकारी प्रशिक्षण, रोचक कार्यशालाएं, उनके प्रयासों के लिए सम्मान और भव्य रैली शो लेकर आएगा। ग्लोबल रैली 100 देशों से 12,000 से अधिक लोगों को एकजुट करते हुए फॉरएवर लिविंग प्रोडक्ट्स के एक और सफलता भरे साल का जश्न मनाएगी। उम्मीद है कि इस बार भारत में फॉरएवर ग्लोबल रैली पर्यटन को बढ़ावा देने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी, तथा हॉस्पिटेलिटी एवं पर्यटन सेक्टर से जुड़े हज़ारों भारतीयों को लाभान्वित करेगी। बड़ी संख्या में लोग इस प्रोग्राम में हिस्सा लेंगे। फॉरएवर लिविंग प्रोडक्ट्स के सीईओ ग्रेग मॉघान ने कहा कि एफजीआर 2024 उपस्थितगणों को चुनौतियों एवं अवसरों के बारे में परिचित कराएगा। यह सालाना रैली बड़ी संख्या में लोगों को एक मंच पर लाकर फॉरएवर लिविंग प्रोडक्ट्स की सफलता का जश्न मनाएगी। एक सप्ताह तक चलने वाले इस कार्यक्रम में सेमिनार, कार्यशालाओं, प्रेस सम्मलनोंए बिज़नेस मालिकों के लिए सम्मान समारोहों, पहली बार एफजीआर क्वालीफायर अराइवल्स, कंट्री मैनेजर मीटिंग्सए डेली एक्टिविटीज़, वीआईपी डिनर और ग्लोबल रैली शोज़ का आयोजन किया जाएगा।

बोपन्ना, इबडेन को मियामी ओपन खिताब

रैंकिंग में शीर्ष स्थान पर वापसी की

भाषा। मियामी

भारत के स्टार टेनिस खिलाड़ी रोहन बोपन्ना ने सबसे उम्रदराज एटीपी मास्टर्स 1000 चैंपियन बनने के अपने रिकॉर्ड में सुधार करते हुए आस्ट्रेलिया के जोड़ीदार मैथ्यू इबडेन के साथ यहां मियामी ओपन में पुरुष युगल का खिताब जीता। इस साल अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए 44 साल बोपन्ना और इबडेन की जोड़ी ने शुरुआती सेट में पिछड़ने के बाद शनिवार को हार्ड रॉक स्टेडियम में क्रोएशिया के इवान डोडिग और अमेरिका के ऑस्टिन क्राजिसेक की जोड़ी पर 6-7(3), 6-3, 10-6 से रोमांचक जीत हासिल की। इस जीत के साथ बोपन्ना ने पिछले साल बनाए अपने ही रिकॉर्ड में सुधार किया। उन्होंने बीते साल 43 बरस की उम्र में इंडियन वेल्स खिताब जीता था। उन्होंने इसके साथ ही युगल रैंकिंग में शीर्ष स्थान भी हासिल किया। बोपन्ना ने जीत के बाद कहा, यह आश्चर्यजनक है।हम इन बड़े आयोजनों में अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं, हम इसी के लिए खेलते हैं। इस साल ऑस्ट्रेलियाई ओपन में अपना पहला युगल ग्रैंड स्लैम खिताब जीतने वाले बोपन्ना ने कहा, मैं मास्टर्स 1000 और ग्रैंड स्लैम में अच्छा प्रदर्शन करना चाहता हूं।

रायबकिना को हराकर कोलिन्स बनीं चैम्पियन

मियामी गार्डन्स। डेनिएल कोलिन्स ने मियामी ओपन टेनिस में विश्व रैंकिंग में चौथे स्थान पर काबिज ऐलेना रायबकिना को 7-5, 6-3 से हराकर अपने घरेलू मैदान पर महिला एकल खिताब पर कब्जा किया। तीस साल की कोलिन्स आखिरी बार इस टूर्नामेंट में खेल रही है। उन्होने ऑस्ट्रेलियाई ओपन मे घोषणा की थी कि यह उनका आखिरी सत्र होगा क्योंकि वह एंडोमेट्रियोसिस से पीड़ित है। यह एक दर्दनाक बीमारी है जो गर्भाशय को प्रभावित करती है। स्टेडियम मे आंद्रे अगासी और मार्टिना नवरातिलोवा की मौजूदगी के बीच विश्व रैंकिंग मे 59वे स्थान पर काबिज कोलिन्स अपने बैकहैंड से क्रॉसकोर्ट विनर लगाने के बाद 10 सेकंड तक कोर्ट पर लेटी रही। कोलिन्स ने इस यादगार जीत के बाद कहा, इस जीत के लिए मुझे पूरा जोर लगाना पड़ा और ऐलेना ने मैच के दौरान मेरी कड़ी परीक्षा ली। मै आखिर मे इस बात को लेकर शुक्रगुजार हूं कि उसे पछाड़ सकी। टूर्नामेंट की इस गैरवरीय खिलाड़ी ने कहा, प्रशंसको के लिए, मैने बहुत टेनिस खेला है, कुछ फाइनल खेले है, लेकिन इसके करीब कुछ भी नही था।

खुद को आईने में देखो और पूछो क्या मैंने अपना सर्वश्रेष्ठ किया, बिंद्रा ने निशानेबाजों से कहा

नई दिल्ली। ओलंपिक चैम्पियन अभिनव बिंद्रा ने आगामी पेरिस खेलों में बेहतरीन प्रदर्शन करने की तैयारियों में जुटे निशानेबाजों से रविवार को यहां बातचीत के दौरान कहा कि बिस्तर पर जाने से पहले खुद को आईने में देखो और पूछो कि क्या मैंने अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया ?। भारत के पहले व्यक्तिगत ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता बिंद्रा ने निशानेबाजों के सवालों के जवाब देने के साथ ओलंपिक मंच पर निशानेबाजी के अपने अनुभव साझा किए। निशानेबाज अब अंतिम तीन महीनों की महत्वपूर्ण तैयारी में जुटे हैं और डॉ कर्णी सिंह शूटिंग रेंज में आयोजित इस सत्र में बिंद्रा ने कहा कि सफलता सिर्फ एक बार मिलने वाली चीज नहीं है। उन्होंने कहा, दिन रात निरंतर सही चीजें करना ही सफलता तक पहुंचाता है। खुद को अनुशासित करने के संबंध में पूछे सवाल पर बिंद्रा ने कहा, आपको खुद से पूरी तरह ईमानदार रहना होगा और हर दिन रोज सोने से पहले खुद को आईने में देखो और पूछो कि क्या मैंने अपना सर्वश्रेष्ठ किया ? अगर जवाब हां है तो आपको आखिर में इसका नतीजा मिलेगा। भारत ने पेरिस ओलंपिक के लिए राइफल, पिस्टल और शॉटगन में कुल 19 कोटे हासिल किए हैं जो अभी तक सबसे ज्यादा कोटे हैं। भारतीय निशानेबाजों का पहला जत्था यूरोप में उपकरण जांच के लिए रात में रवाना होगा जिससे पहले भारतीय राष्ट्रीय राइफल संघ (एनआरएआई) ने यह सत्र आयोजित किया। अप्रैल में इस तरह के तीन जत्थे रवाना होंगे। वहीं तीन सदस्ईय महिला एयर पिस्टल टीम और शॉटगन टीम क्रमशः रियो और दोहा में अंतिम ओलंपिक क्वालीफायर में हिस्सा लेगी।

बाबर को टी20 विश्व कप से पहले पीसीबी ने फिर से सीमित ओवर प्रारूप का कप्तान बनाया

लाहौर। पाकिस्तान के पूर्व कप्तान बाबर आजम को टी20 विश्व कप से दो महीने पहले रविवार को फिर से सफेद गेंद प्रारूप का कप्तान नियुक्त किया गया। बाबर टी20 कप्तान के रूप में तेज गेंदबाज शाहीन शाह अफरीदी की जगह लेंगे, जिन्होंने जनवरी में न्यूजीलैंड के खिलाफ श्रृंखला मे।-4 की हार मे पाकिस्तान का नेतृत्व किया था। यह निर्णय पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) की चयन समिति की सर्वसम्मत सिफारिश के बाद लिया गया। पीसीबी ने एक मीडिया विज्ञप्ति मे कहा, पीसीबी की चयन समिति की सर्वसम्मत सिफारिश के बाद बोर्ड अध्यक्ष मोहसिन नकवी ने बाबर आजम को पाकिस्तान पुरुष क्रिकेट टीम के सफेद गेंद प्रारूप (वनडे और टी20 अंतरराष्ट्रीय) कप्तान नियुक्त किया है। पीसीबी प्रमुख नकवी के साथ लाहौर मे हाल ही मे एक बैठक के दौरान, बाबर ने कथित तौर पर अपने कार्यकाल को लेकर आश्वासन के साथ टेस्ट टीम का कप्तान भी नियुक्त करने की मांग की थी। पीसीबी के एक विश्वसनीय सूत्र ने हालांकि खुलासा किया कि नकवी ने बोर्ड के रुख को स्पष्ट करते हुए संकेत दिया कि बाबर को सफेद गेंद के प्रारूप मे पर्याप्त मौका दिया जाएगा, लेकिन टेस्ट कप्तानी पर कोई फैसला बाद मे किया जाएगा। मौजूदा समय में शान मसूद पाकिस्तान टेस्ट टीम के कप्तान है। इस मामले की जानकारी रखने वाले सूत्र ने कहा, नकवी ने बाबर को स्पष्ट कर दिया कि पीसीबी लाल गेद के विदेशी कोच की नियुक्ति के बाद टेस्ट कप्तानी पर फैसला करेगा। टी20 विश्व कप तक पाकिस्तान को कोई टेस्ट मैच नही खेलना है। बाबर ने पिछले साल नवंबर मे भारत मे वनडे विश्व कप मे निराशाजनक प्रदर्शन के बाद पाकिस्तान के लिए तीनो प्रारूपो से कप्तानी छोड़ दी थी। बाबर की कप्तानी मे पाकिस्तान 2022 मे ऑस्ट्रेलिया मे खेले गए टी20 विश्व कप के फाइनल मे पहुंचा था। टी20 विश्व कप का अगला सत्र एक जून से अमेरिका और वेस्टइंडीज मे शुरू होगा। सूत्र ने बताया कि इस घोषणा से पहले चयनकर्ताओ (मुहम्मद यूसुफ, असद शफीक, वहाब रियाज, अब्दुल रज्जाक और बिलाल अफजल) ने शनिवार शाम को काकुल मे अभ्यास शिविर मे शाहीन से मुलाकात की और उन्हें बताया कि वे चाहते है कि वह अपने गेंदबाजी पर ध्यान केंद्रित करें। उन्होंने शाहीन से कहा कि सीमित ओवर मे प्रारूप मे यह बेहतर होगा अगर कोई बल्लेबाज कप्तानी करेगा। सूत्रों के मुताबिक शाहीन ने ज्यादा विरोध किए बिना इस बदलाव को स्वीकार कर लिया। उन्होंने हालांकि कहा कि सिर्फ एक श्रृंखला के परिणाम के आधार पर उनका आकलन करना अनुचित है। सूत्र के अनुसार शाहीन पाकिस्तान सुपर लीग मे लाहौर क्लंदर्स का प्रभावी ढंग से नेतृत्व करने मे सफल नही रहे जिससे यह टीम तालिका मे आखिरी पायदान पर रही।

इंडिया ओपन गोल्फः जापना के नाकाजिमा बने विजेता, भारत के अहलावत संयुक्त दूसरे स्थान पर

गुरुग्राम। भारत के वीर अहलावत रविवार को यहां हीरो इंडियन ओपन गोल्फ के चौथे और अंतिम दिन एक अंडर 71 का शानदार कार्ड खेलकर संयुक्त दूसरे स्थान पर रहे। अहलावत का डीपी वर्ल्ड टूर स्पर्धा में यह अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। वह इस स्पर्धा के विजेता जापान के कीता नकाजिमा से चार शॉट पीछे रहे। अहलावत दिन के आपने आखिरी होल में ईगल लगाने मे सफल रहे जिससे उनका कुल स्कोर 275 रहा। नकाजिमा ने 73 का कार्ड खेलकर डीपी वर्ल्ड टूर पर अपना पहला खिताब जीता। अहलावत ने अपने शानदार प्रदर्शन पर खुशी जाहिर करते हुए कहा, मै वास्तव में खुश हूं कि मैंने अच्छा प्रदर्शन किया, खासकर अपने परिवार के सामने। कुछ हफ्ते पहले ही मेरी शादी हुई है. इसलिए यह सबसे अच्छा क्षण था जब मैंने आखिरी में ईगल के साथ समापन किया। वह एक मुख्य आकर्षण था। अन्य भारतीयों में मनु गंडास (71) और करणदीप कोचर (69) नौ अंडर 279 और आठ अंडर 280 के कुल स्कोर के साथ क्रमशः 11वे और 13वे स्थान पर रहे। स्टार भारतीय गोल्फर शुभंकर शर्मा अंतिम दिन लगातार दूसरे 72 का कार्ड खेलकर 284 के कुल स्कोर के साथ संयुक्त 31वें स्थान पर रहे।

छह महीने चोट के कारण दूर रहन के बाद लौटेंगी मीराबाई

नजरें ओलंपिक कोटे पर

भाषा। फुकेट

तोक्यो ओलंपिक की रजत पदक विजेता भारोत्तोलक मीराबाई चानू छह महीने चोट के कारण ब्रेक के बाद आईडब्ल्यूएफ विश्व कप के जरिए वापसी करेंगी ताकि पेरिस ओलंपिक का टिकट कटा सके। विश्व कप आखिरी क्वालीफाइंग टूर्नामेंट ही नहीं है बल्कि पेरिस खेलों के लिए अनिवार्य भी है। विश्व कप में उनकी भागीदारी ही पेरिस का टिकट कटाने के लिए काफी होगी क्योंकि पूर्व विश्व चैम्पियन महिलाओं की 49 किलो ओलंपिक क्वालीफिकेशन रैंकिंग में दूसरे स्थान पर है। ओलंपिक 2024 क्वालीफिकेशन नियमों के तहत विश्व चैम्पियनशिप 2023 और विश्व कप 2024 में भाग लेना अनिवार्य है। इन दोनों टूर्नामेंटों के अलावा भारोत्तोलक को 2022 विश्व चैम्पियनशिप, 2023 उपमहाद्वीपीय चैम्पियनशिप , 2023 ग्रां प्री वन, 2023 ग्रां प्री टू और 2024 उपमहाद्वीपीय चैम्पियनशिप में से कम से कम तीन में भाग लेना जरूरी है। चानू इन मानदंडों पर खरी उतरती है जिन्होंने 2022 विश्व चैम्पियनशिप और 2023 एशियाई चैम्पियनशिप खेली थी। विश्व कप के आखिर में इन पात्रताओं पर खरे उतरने वाले शीर्ष 10 भारोत्तोलक अपने भारवर्ग में पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालीफाई करेंगे। मुख्य कोच विजय शर्मा ने कहा , वह चोट के बाद वापसी कर रही है और हम हड़बड़ी नहीं करेंगे। वह पहले ही क्वालीफाई कर चुकी है तो इसे खींचने का कोई मतलब नहीं है।

अशोक कुमार को लाइफटाइम अचीवमेंट

सलीमा-हार्दिक वर्ष के सर्वश्रेष्ठ हॉकी खिलाड़ी

भाषा। नई दिल्ली

युवा मिडफील्डर हार्दिक सिंह और डिफेंडर सलीमा टेटे को वर्ष 2023 के सर्वश्रेष्ट खिलाड़ी का हॉकी इंडिया बलबीर सिंह सीनियर पुरस्कार दिया गया जबकि मेजर ध्यानचंद के नाम पर लाइफटाइम अचीवमेंट सम्मान उनके बेटे अशोक कुमार को मिला। पिछले साल एफआईएच वर्ष के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का पुरस्कार भी जीतने वाले हार्दिक ने पुरस्कार की दौड़ में पी आर श्रीजेश और हरमनप्रीत सिंह जैसे सीनियर खिलाड़ियों को पछाड़ा। तोक्यो ओलंपिक की कांस्य पदक विजेता भारतीय टीम के सदस्य रहे 25 वर्ष के हार्दिक सौ से अधिक अंतरराष्ट्रीय मैच खेल चुके हैं। उन्होंने पुरस्कार जीतने के बाद कहा , इतने महान खिलाड़ियों के साथ नामांकन पाना ही बड़ी उपलब्धि है। पुरस्कार से मुझे आगे और अच्छा खेलने की प्रेरणा मिलेगी। वहीं झारखंड के सिमडेगा जिले की टेटे तोक्यो ओलंपिक में चौथे स्थान पर रही भारतीय महिला टीम का हिस्सा थी। उन्होंने पुरस्कार की दौड़ में अपनी कप्तान और एफआईएच वर्ष की सर्वश्रेष्ठ महिला गोलकीपर का पुरस्कार जीतने वाली सविता पूनिया को पछाड़ा। वर्ष के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी को पुरस्कार के तौर पर 25 लाख रूपए और प्रशस्ति पत्र दिया गया। यहां आयोजित हॉकी इंडिया सालाना पुरस्कार समारोह में पी आर श्रीजेश को वर्ष 2023 के सर्वश्रेष्ठ गोलकीपर और भारतीय पुरूष हॉकी टीम के कप्तान हरमनप्रीत सिंह को सर्वश्रेष्ठ डिफेंडर का पुरस्कार मिला। हरमनप्रीत ने इस मौके पर कहा , पुरस्कार और अच्छा खेलने की प्रेरणा देते हैं। टीम में इससे स्वस्थ प्रतिस्पर्धा भी बढती है जो हॉकी के लिए अच्छा है। वहीं हार्दिक ने सर्वश्रेष्ठ मिडफील्डर का पुरस्कार भी जीता और सर्वश्रेष्ठ फॉरवर्ड का पुरस्कार अभिषेक को मिला। सर्वश्रेष्ठ उदीयमान अंडर 21 खिलाड़ी का पुरस्कार महिला वर्ग में दीपिका सोरेंग और पुरूष वर्ग में अराइजीत सिंह हुंडल को मिला। मेजर ध्यानचंद लाइफटाइम पुरस्कार जीतने वाले उनके बेटे और 1975 विश्व कप विजेता टीम के सदस्य अशोक कुमार ने कहा , हमें सरदार बलबीर सिंह, उधम सिंह, कैप्टन रूप सिंह, केडी सिंह बाबू जैसे महान खिलाड़ियों की परंपरा को जारी रखते हुए इस बार पेरिस ओलंपिक में स्वर्ण पदक जीतना है। भारत ने 41 साल के इंतजार के बाद तोक्यो ओलंपिक में कांस्य पदक जीता था।

सीएमवाईके प्रिंटेक लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक शोबोरी गाँगुली द्वारा 100के, मिलाप भवन, 8/ए, बहादुर शाह ज़फ़र मार्ग, नई दिल्ली-110002, दूरभाष: 011-40110455 से प्रकाशित तथा बीएफएल इन्फोटेक लिमिटेड सी-9 सेक्टर-3, नोएडा-201301 (उ.प्र.) से मुद्रित। प्रधान संपादक : शोबोरी गाँगुली, स्थानीय सम्पादक: प्रदीप तिवारी। पाठकों को सुझाव दिया जाता है कि इस अखबार के किसी भी विज्ञापन पर प्रतिक्रिया करने से पहले पूरी तरह उसके बारे में दिए गए दावों, शर्तों और तथ्यों की जांच कर लें। पायनियर ग्रुप के मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद तथा सेवा हेतु किए गए किसी दावे की सच्चाई का आश्वासन या उत्तरदायित्व नहीं लेता है। ऐसे विज्ञापनों के बाद किसी आर्थिक क्षति के लिए वे जिम्मेदार भी नहीं हैं। मुख्य व्यवसायिक कार्यालय- 201-205 द्वितीय मंज़िल, प्रताप भवन, 5,बहादुर शाह ज़फ़र मार्ग, नई दिल्ली-110002, दूरभाष:011-69342500।